THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 338 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.2, 2082 गुरुवार, 5 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी ने देशवासियों को दीं होली की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। रंगों के त्योहार होली के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हर किसी के जीवन में सुख-समृद्धि और सफलता के रंगों की बौछार हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सभी देशवासियों को होली की अनंत शुभकामनाएं। रंग और उमंग से भरा यह त्योहार सबके लिए खुशियों की बहार लेकर आए। हर किसी के जीवन में सुख-समृद्धि और सफलता के रंगों की बौछार हो, यही कामना है।' एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'होली का त्योहार पूरे माहौल में नई ऊर्जा भर देता है। यही इस उत्सव की बड़ी विशेषता है। हर तरफ जिस प्रकार खुशियों के रंग बिखरे नजर आते हैं, वो हर किसी को उल्लास और आनंद से सराबोर कर जाता है।'

>>>> फिनलैंड के राष्ट्रपति पहुंचे भारत..........

नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे रिश्ते : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब बुधवार सुबह भारत पहुंचे। इस दौरान राष्ट्रपति स्टब का औपचारिक स्वागत हुआ और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एयरपोर्ट पर विदेश राज्य मंत्री के.वी. सिंह ने उनका स्वागत किया।

क्या बोले पीएम मोदी?

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत में आपका स्वागत है, राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब। मैं

आपकी बात से पूरी तरह सहमत हूं। आपकी यह यात्रा भारत और फिनलैंड के रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। मैं कल हमारी मुलाकात और रायसीना डायलॉग 2026 में आपके मुख्य भाषण का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

राष्ट्रपति ने स्टब ने दी जानकारी

प्रधानमंत्री ने यह बात राष्ट्रपति स्टब के उस पोस्ट के जवाब में कही, जिसमें उन्होंने अपनी भारत यात्रा की जानकारी दी थी। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर लिखा था, मैं भारत की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ-साथ दूसरे नेताओं से भी मिलूंगा। इस यात्रा से फिनलैंड और भारत के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। इसमें व्यापार का क्षेत्र भी शामिल है। राष्ट्रपति स्टब रायसीना डायलॉग 2026 में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता होंगे। इसके अलावा, वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ विशेष बातचीत करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा होगी। साथ ही, वे आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बात करेंगे। इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को और बढ़ाना है।

ईरान संकट से सहमा शेयर बाजार

सोना, बॉन्ड और इक्विटी धड़ाम; निवेशकों के लिए 'कैश ही किंग' बना

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक संकट ने मंगलवार को ग्लोबल वित्तीय बाजारों में हड़कंप मचा दिया है। इजरायल द्वारा लेबनान पर हमले और उसके जवाब में ईरान द्वारा खाड़ी देशों के ऊर्जा बुनियादी ढांचे तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकरों पर किए गए हमलों के बाद निवेशकों में भारी घबराहट है। इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखा है।

बुधवार को शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 करीब 517 अंक यानी लगभग 2.06 फीसदी टूटकर 24,344 के आसपास कारोबार करता नजर आया। वहीं, सेंसेक्स भी करीब 1,700 अंक या 2.17 फीसदी गिरकर 78,596 के स्तर तक आ गया। इंडिया VIX 14% तक पहुंच गया है। निवेशक हैरान हैं कि आखिर बाजार में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई

बाजार में बिकवाली क्यों हो रही है?

आमतौर पर संकट के समय निवेशक इक्विटी (शेयर) बेचकर सुरक्षित निवेश (जैसे सोना और बॉन्ड) की तरफ भागते हैं। लेकिन इस बार बाजार का बर्ताव बिल्कुल अलग है। शेयर, बॉन्ड और सुरक्षित माना जाने वाला सोना, तीनों एक साथ गिर रहे हैं।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया के घटनाक्रम ने निवेशकों की स्थिति को हिला कर रख दिया है। 36 साउथ कैपिटल एडवाइजर्स के जॉर्ज एडकॉक के अनुसार, बाजार में अत्यधिक पोजीशनिंग और कम अस्थिरता का दौर अचानक पलट गया है, जिससे पूरे पोर्टफोलियो में 'वैल्यू-एट-रिस्क' शॉक देखा जा रहा है। आसान शब्दों में, जब कई सेक्टर्स में एक साथ घबराहट वाली बिकवाली होती है, तो जोखिम कम करने वाले पारंपरिक तरीके काम नहीं करते।

क्रूड और डॉलर में उछाल: निवेशकों की पहली पसंद अब सिर्फ अमेरिकी डॉलर और तेल हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल में लगभग 7% की भारी तेजी आई है।

ग्लोबल इक्विटी क्रैश: वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स (एसएंडपी 500) 2% से अधिक गिर गए, जो दो महीने का सबसे निचला स्तर है।

सोने में गिरावट: सोमवार को चार सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंचने वाला सोना 4% गिर गया है। जानकारों के अनुसार, मार्जिन कॉल को चुकाने और लिक्विडिटी (नगदी) जुटाने के लिए निवेशक सोने में भी मुनाफावसूली कर रहे हैं।

बॉन्ड यील्ड में तेजी: अमेरिका की दो-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड बढ़कर 3.599% हो गई है, जो जनवरी के अंत के बाद सबसे अधिक है।

निवेशक किस ओर रुख कर रहे हैं?

इस वैश्विक तनाव के बीच निवेशक जोखिम वाले एसेट्स से पैसा निकालकर नगदी जमा कर रहे हैं। ग्लोबल मनी मार्केट फंड्स (शॉर्ट-टर्म कैश इंस्ट्रूमेंट्स) में 47.9 बिलियन डॉलर का भारी निवेश हुआ है, जो 17 फरवरी के बाद सबसे अधिक है।

बिहार में मुख्यमंत्री पद छोड़ सकते हैं नीतीश कुमार

निशांत डिप्टी सीएम और बीजेपी का हो सकता है सीएम

पटना, 4 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव होने की चर्चा है. खबर है कि नीतीश कुमार राज्यसभा सांसद बन सकते हैं. ऐसे में उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ पड़ेगा। अगर ऐसा होता है तो ये बिहार की सियासत में एक बड़ा अवसर होगा। सिर्फ इतना ही नहीं, नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर भी बड़ी चर्चा है. कहा जा रहा है कि निशांत को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है. ऐसी स्थिति में भाजपा का सीएम बनना भी संभव है।

कल तक निशांत कुमार के राज्यसभा से राजनीतिक करियर शुरू करने की खबरें सामने आ रहीं थी। ये भी कहा जा रहा था

कि निशांत का नाम राज्यसभा के लिए लगभग फाइनल है, लेकिन अब जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के दिल्ली से पटना रवाना होते ही नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के कयास लगने लगे हैं। वहीं अगर नीतीश कुमार दिल्ली की राजनीति का रुख करते हैं और राज्यसभा सदस्य बनते हैं, तो बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली हो जाएगी। जिससे बिहार में बीजेपी अपना सीएम बना सकती है।

बिहार में पांच राज्यसभा सीटों के लिय चुनाव होना है। जेडीयू को दो सीटें मिलनी है. अब चर्चा है कि नीतीश कुमार राज्यसभा जा सकते हैं. कल जेडीयू विधायक दल की बैठक बुलाई गई है. माना जा रहा है कि इस बैठक में इस बड़े बदलाव पर चर्चा हो सकती है।

अगर नीतीश कुमार केंद्र में कोई बड़ी भूमिका स्वीकार करते हैं, तो बीजेपी बिहार में मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा मजबूती से पेश करेगी। एनडीए गठबंधन में संख्या बल के हिसाब से बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है, जिससे उसका मुख्यमंत्री बनने का दावा मजबूत माना जा रहा है।

भारत से लौट रहे ईरानी युद्धपोत पर अमेरिका का हमला

श्रीलंका के पास डूबा; 80 सैनिकों की मौत , 32 का रेस्क्यू

तेल अवीव/तेहरान, 4 मार्च (एजेंसियां) । अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज पांचवां दिन है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने श्रीलंका के तट के पास एक ईरानी युद्धपोत IRIS देना पर पनडुब्बी से हमला किया। इसमें कई लोगों के मारे जाने की खबर है। श्रीलंका नेवी के मुताबिक जहाज से कई शव बरामद हुए हैं।

हमले में 80 सैनिक की मौत हो गई, 32 रेस्क्यू किया गया है। जहाज पर लगभग 180 नौसैनिक सवार थे। लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यह ईरानी युद्धपोत पिछले महीने भारत के विशाखापट्टनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था। श्रीलंकाई अधिकारियों ने अल जजीरा को बताया कि बुधवार सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच (भारतीय समय के मुताबिक) मदद के लिए मैसेज भेजा। यह जहाज दक्षिणी श्रीलंका के गाले शहर से करीब 40 समुद्री मील (करीब 75 किलोमीटर) दूर था। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बाकी करीब 150 क्रू मेंबर्स के साथ क्या हुआ अभी पता नहीं चला है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत को डुबोने के पीछे अमेरिका का हाथ था। हेगसेथ ने कहा है कि आज अमेरिकी पनडुब्बी ने एक ईरानी जहाज को टॉरपीडो से निशाना बनाकर डुबो दिया।

सऊदी की ऑयल कंपनी अरामको पर फिर ड्रोन अटैक

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी, इसे दो दिन पहले भी निशाना बनाया था

तेहरान, 4 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज पांचवां दिन है। इस बीच सऊदी अरब की ऑयल कंपनी अरामको की रास तनूरा रिफाइनरी पर फिर से एक ड्रोन अटैक हुआ है। यह दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी है। यह जानकारी रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने दी है। दो दिन पहले भी इस रिफाइनरी पर ईरानी ड्रोन से हमला हुआ था। रास तनूरा रिफाइनरी सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी में से एक है। यहां रोजाना लगभग 5.50 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन किया जाता है। दूसरी ओर ईरान ने पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर चुन लेने का दावा किया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद होगी। वहीं, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि अगर अली खामेनेई के बाद ईरान में जो भी नया नेता बनेगा उसे भी खत्म कर दिया जाएगा। काट्ज ने यह भी कहा कि नाम या जगह से कोई फर्क नहीं पड़ता, इजराइल उसे ढूंढ लेगा।

इजराइल ने ईरानी मिसाइल को मार गिराया

तेहरान के हमले से आजादी स्कायर में आग लगी। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का आज पांचवा दिन है। इजराइली और अमेरिकी सेनाओं ने बुधवार को भी ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। ईरान के इजराइल और गल्फ देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ अन्य जगहों पर भी हमले जारी हैं। शनिवार को शुरू हुई इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई की मौत हो चुकी है। अमेरिका-इजराइल तीन दिन में 2000 से ज्यादा बम गिरा चुके हैं। इससे ईरान में 800 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 176 बच्चे शामिल हैं।

जज फैसला देते वक्त करियर की न सोचें : जस्टिस नागरत्ना

अलोकप्रिय फैसलों से न डरें, पद की शपथ-न्यायिक धर्म का पालन करें

कोच्चि, 4 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि न्यायाधीशों को अपने फैसले देते समय करियर पर पड़ने वाले प्रभाव की चिंता नहीं करनी चाहिए। भले ही अलोकप्रिय निर्णय पदोन्नति या कार्यकाल विस्तार को प्रभावित करें, फिर भी उन्हें अपने पद की शपथ और न्यायिक धर्म का पालन करना चाहिए।

केरल हाई कोर्ट में जस्टिस टीएस कृष्णमूर्ति अय्यर स्मृति व्याख्यान में उन्होंने 'परिवर्तनकारी संवैधानिकता' और 'मूल संरचना सिद्धांत' के संदर्भ में न्यायिक समीक्षा के महत्व पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सामूहिक हित के नाम पर कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मूल संरचना सिद्धांत संविधान की न्यूनतम सीमाएं तय करता है, जबकि परिवर्तनकारी संवैधानिकता उसे आगे बढ़ने की दिशा देती है। इन सीमाओं की निगरानी न्यायपालिका द्वारा न्यायिक समीक्षा के जरिए ही संभव है।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि परिवर्तनकारी संवैधानिकता का इस्तेमाल व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कम करने या राज्य की दमनात्मक शक्तियों को सामान्य बनाने के लिए नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हैबियस कॉर्पस जैसे अधिकार संविधान की मूल भावना का हिस्सा हैं और इन्हें कमजोर करना संवैधानिक सीमाओं के खिलाफ होगा। न्यायिक समीक्षा के तहत अदालतों को कई बार कानूनों को असंवैधानिक घोषित करना, कार्यपालिका की कार्रवाई पर रोक लगाना या संसद द्वारा पारित संवैधानिक संशोधनों को भी निरस्त करना पड़ता है। ऐसे फैसलों के राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं, इसलिए इन्हें लेना आसान नहीं होता। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए न्यायाधीशों को कार्यकाल की सुरक्षा, पारदर्शी और व्यवस्थित नियुक्ति प्रक्रिया तथा प्रशासनिक व वित्तीय स्वायत्तता मिलनी चाहिए। इससे किसी भी प्रकार के अप्रत्यक्ष दबाव को रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को अपने सहकर्मियों से अलग राय रखने और उसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। अलग या असहमति वाले फैसले न्यायिक बौद्धिक स्वतंत्रता का प्रतीक हैं। न्यायिक राय किसी समझौते का दस्तावेज नहीं, बल्कि संवैधानिक विश्वास की स्पष्ट अभिव्यक्ति होती है।

अपने संबोधन में जस्टिस नागरत्ना ने जस्टिस टीएस कृष्णमूर्ति अय्यर को न्याय और समानता के प्रति समर्पित न्यायाधीश बताया। उन्होंने कहा कि उनकी विनम्रता, संवेदनशीलता और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

ब्रिटेन के संग्रहालय ने भारत को लौटाई प्राचीन प्रतिमा

तमिलनाडु के मंदिर में स्थापित की जाएगी

लंदन, 4 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ऐशमोलियन संग्रहालय ने 16वीं सदी की एक प्राचीन कांस्य प्रतिमा भारत को लौटा दी है। इस पवित्र प्रतिमा को अब तमिलनाडु के मंदिर में फिर से स्थापित किया जाएगा। यह प्रतिमा संत तिरुमंगई आलवार की है, जिसे साल 1967 में नीलामी के दौरान ब्रिटेन के ऐशमोलियन संग्रहालय ने खरीद लिया था। सोथबीज दुनिया की सबसे पुरानी और और सबसे बड़ी नीलामी कंपनियों में से एक है। यह लग्जरी वस्तुओं, कलाकृतियों, गहनों और दुर्लभ वस्तुओं की नीलामी के चर्चित है।

नवंबर 2019 में एक स्वतंत्र शोधकर्ता ने म्यूज़ियम को बताया कि यह प्रतिमा तमिलनाडु के थाडिकोंबु स्थित श्री सुंदरराज पेरुमल मंदिर से जुड़ी है। इसके बाद संग्रहालय ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से इसके मूल स्रोत की औपचारिक पुष्टि का अनुरोध किया। इसे मंगलवार की शाम इंडिया हाउस में आयोजित एक समारोह में औपचारिक रूप से भारत को सौंपा गया।

ऐशमोलियन संग्रहालय की निदेशक डॉ. जा स्टर्जिस ने कहा, यह संग्रहालय के लिए बेहद अहम पल है। उन्होंने बताया कि पांच साल पहले यह स्पष्ट हो गया था कि इस कांस्य प्रतिमा की तस्वीरें तमिलनाडु के मंदिर में पहले ली जा चुकी थीं और इसे वैध तरीके से भारत से बाहर ले जाने का कोई आधार नहीं था। उन्होंने कहा, भले संग्रहालय ने इसे 1967 में सद्भावना के तौर पर खरीदा था। लेकिन इसके बाद भारत को लौटाने को लेकर भारतीय उच्चायोग से बातचीत शुरू की गई।

सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सांप्रदायिक बयान देने का आरोप

कोलकाता, 4 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ बुधवार को कोलकाता के एक पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। उन पर डोल यात्रा उत्सव के अवसर पर सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बयान देने का आरोप है। अधिकारी ने मंगलवार को साधुओं, स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं और दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के साथ यह उत्सव मनाया। इस क्षेत्र में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वर्तमान में विधायक हैं। भवानीपुर के मतदाताओं से बातचीत के दौरान, अधिकारी ने सार्वजनिक बयान देते हुए मतदाताओं को 'छद्म धर्मनिरपेक्षता' और 'नास्तिकता' के खतरों के बारे में आगाह किया और आगामी विधानसभा चुनावों

में 'व्यापक हिंदू एकता' का आह्वान किया।

बाद में मंगलवार को, युवा सीपीआई-एम नेता सैनिक सुर ने कोलकाता पुलिस के दक्षिण प्रभाग के अंतर्गत बालीगंज पुलिस स्टेशन में अधिकारी के खिलाफ सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बयान देने का आरोप लगाते हुए एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

अपनी शिकायत की प्रति में, सुर ने तर्क दिया कि विपक्ष के नेता की टिप्पणियां न केवल राजनीतिक रूप से उत्तेजक हैं, बल्कि धर्मनिरपेक्ष नागरिकों और नास्तिकों के खिलाफ सांप्रदायिक भेदभाव और नफरत भड़काने में भी सक्षम हैं। सुर ने बाद में मीडियाकर्मियों से कहा कि सुवेंदु अधिकारी की टिप्पणियों ने पहले ही जनता में अशांति और विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया है। ये बयान सार्वजनिक शांति को भंग करने में सक्षम हैं। एक बहुलवादी समाज में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए सांप्रदायिक सद्भाव आवश्यक है, जो अब अप्रत्यक्ष रूप से खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने मीडियाकर्मियों पर विपक्ष के नेता की ऐसी सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील टिप्पणियों को व्यापक प्रचार देने का भी आरोप लगाया।

जम्मू-कश्मीर में बांदीपोरा के जंगलों में आग लगी

जम्मू, 4 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा जिले के अरिन और चंदाजी इलाकों में पिछले कई दिनों से भीषण जंगल की आग लगी हुई है। हाल ही में यहां फिर से एक नई आग भड़कने की घटना सामने आई है। अरिन और चंदाजी के जंगलों में लगी आग लगातार फैल रही है, जिससे आसपास के वन क्षेत्र को नुकसान पहुंच रहा है। इसी बीच इलाके में एक और नई जगह पर आग लगने से स्थिति और गंभीर हो गई है। आग पर काबू पाने के लिए वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीमें प्रयास कर रही हैं।

सेना के जवानों ने राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों के एक समूह की घुसपैठ की कोशिश को बुधवार को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध व्यक्तियों को तड़के करीब 4.15 बजे तुरकंडी अग्रिम क्षेत्र से इस तरफ घुसने की कोशिश करते देखा गया, जिसके बाद सेना ने गोलीबारी की।

रामलला ने पहनी पगड़ी

हाथ में पिचकारी लिए दिखे, अलौकिक स्वरूप ने मन मोहा, अबीर-गुलाल अर्पित कर विशेष भोग लगा

अयोध्या , 4 मार्च (एजेंसियां)। होली के पावन पर्व पर श्रीराम जन्मभूमि परिसर में विराजमान रामलला ने भक्तों को विशेष श्रृंगार में दर्शन दिए। पगड़ी धारण किए और हाथ में पिचकारी लिए रामलला के अलौकिक स्वरूप ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जैसे ही पट खुले, मंदिर परिसर में जय श्रीराम के जयघोष के साथ अबीर-गुलाल की खुशबू फैल गई।

मठ-मंदिरों से लेकर सरयू तट तक होली का उल्लास छाया रहा। साधु-संतों ने भक्ति रस में डूबी फाग और चौताल गाकर वातावरण को आध्यात्मिक रंगों से सराबोर कर दिया। मंदिरों में भगवान को अबीर-गुलाल अर्पित कर विशेष भोग लगाया गया और भक्तों ने भी एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

शहर ही नहीं, आसपास के गांवों में भी फाग गीतों की गूंज सुनाई दी। चौपालों पर ढोलक और मंजीरे की थाप पर पारंपरिक फगुआ गाए गए। महिलाओं ने सामूहिक रूप से होली गीत प्रस्तुत कर परंपरा को जीवंत रखा।

होली पर अयोध्या में सौहार्द का भी रंग चटख नजर आ रहा है। सबसे खास तस्वीर तब देखने को मिली जब हिंदू और मुस्लिम समाज के लोग एक साथ रंग खेलते नजर आए। पूर्व पक्षकार बाबरी मस्जिद, इकबाल अंसारी ने संतों को गले लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इक़बाल ने कहा कि अयोध्या की परंपरा भाईचारे की रही है। हम सब मिलकर त्योहार मनाते हैं, यही हमारी पहचान है।

मतदाता सूची में गड़बड़ी से तनाव में दो लोगों ने की खुदकुशी

कोलकाता, 4 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी और दक्षिण 24 परगना जिलों में दो लोगों ने कथित तौर पर अपनी जान दे दी। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद फाइनल लिस्ट आई थी। इसमें नाम को लेकर हुई गड़बड़ी से वे मानसिक तनाव में थे।

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि 44 साल के रफीक अली गाजी बुधवार सुबह दक्षिण 24 परगना के घोलपारा में अपने कमरे में फंदे से लटके मिले। वोटर लिस्ट में उनका नाम अंडर एब्ज्यूडिकेशन (जांच के अधीन) कैटेगरी में था। उनके परिवार ने दावा किया कि लिस्ट में यह स्थिति देखने के बाद वे बहुत ज्यादा मानसिक तनाव में थे।

दूसरी घटना जलपाईगुड़ी शहर की है। यहां मोमो बेचने वाले 62 साल के गौरंगा डे मंगलवार सुबह अपने घर के वॉशरूम में मृत पाए गए। उनकी पत्नी ने बताया कि 28 फरवरी को आई फाइनल लिस्ट में उनका नाम 'डिलीटेड' (हटाया गया) कैटेगरी में था।

जालंधर के नूरपुर स्कूल में 19 साल की छात्रा की संदिग्ध मौत

जालंधर, 4 मार्च (एजेंसियां)। नूरपुर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को 19 वर्षीय 12वीं की छात्रा खुशप्रीत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मंगलवार को स्वजन ने स्कूल परिसर में रोष प्रदर्शन किया। परिवार ने आरोप लगाया कि एक टीचर ने उनकी बेटी पर चोरी का आरोप लगाकर मारपीट की, जिस कारण उसकी मौत हुई। घटना के बाद स्कूल के बाहर हंगामा हुआ और स्वजन ने इंसाफ की मांग की। वहीं, पुलिस ने पीड़ित परिवार के बयान पर स्कूल टीचर तरणजीत कौर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

स्कूल प्रबंधन और स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है। मृतक छात्रा की रिश्तेदार कुलविंदर कौर ने बताया कि खुशप्रीत स्कूल में रोल नंबर लेने आई थी। तरणजीत कौर नामक टीचर ने छात्रा को अपना पर्स पकड़ने के लिए कहा। बाद में उसपर पर्स से पैसे चोरी करने का आरोप लगा दिया गया। परिवार का कहना है कि टीचर ने खुशप्रीत को एक कमरे में ले जाकर मारपीट की और करीब डेढ़ घंटे तक कमरे में बंद रखा।

जयराम रमेश का बीजेपी पर हमला

संसद को बताया उत्तर कोरिया जैसा, बोले- 'हर बात पर मोदी-मोदी'; जमकर घेरा

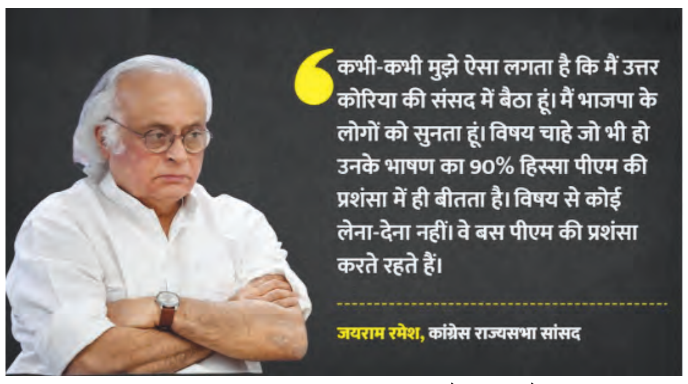

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने संसद में भाजपा सांसदों के व्यवहार पर कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि संसद में प्रधानमंत्री की जरूरत से ज्यादा तारीफ की जा रही है और कई बार उन्हें ऐसा लगता है जैसे वे उत्तर कोरिया की सुप्रीम पीपुल्स असेंबली में बैठे हों। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आज देश में 'वन मैन शो' चल रहा है।

पीटीआई से बात करते हुए जयराम रमेश ने अमेरिका और इस्राइल के ईरान पर किए गए हमलों के मद्देनजर भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाया। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि देश से संबंधित सभी मामले (जिनमें विदेश मामले और वित्त शामिल हैं) एक ही व्यक्ति द्वारा संभाले जाते हैं।

बस हर बात में पीएम की तारीफः जयराम रमेश

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आजकल, यह एक अकेले व्यक्ति का शो है। यह एक अकेले व्यक्ति का बैंड है। इसलिए यह प्रधानमंत्री की विदेश नीति है, यह प्रधानमंत्री का बजट है। सब कुछ प्रधानमंत्री ही संभालते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि मैं उत्तर कोरिया की संसद में बैठा हूं। मैं भाजपा के लोगों को सुनता हूँ। विषय चाहे जो भी हो, मुद्दा चाहे जो भी हो, उनके भाषण का 90 प्रतिशत हिस्सा प्रधानमंत्री की प्रशंसा में ही बीतता है। विषय से कोई लेना-देना नहीं, विधेयक से कोई संबंध नहीं।

वे बस प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते रहते हैं।' रमेश ने आरोप लगाया, 'जब प्रधानमंत्री प्रवेश करते हैं, तो नारे लगते हैं, मेज थपथपाई जाती है, 'मोदी, मोदी, मोदी' के नारे लगाए जाते हैं। यह भारत की संसद है या कोई और जगह?' कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 1971 के युद्ध के बाद जरूर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का सम्मान हुआ था और अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें 'दुर्गा' कहा था, लेकिन आज जैसा हर दिन तालियां और नारे लगते हैं, वैसा पहले नहीं देखा गया।

मोदी सरकार अमेरिका से डरती हैः रमेश

उन्होंने यह भी कहा कि जब जवाहरलाल नेहरू संसद में आते थे, तब भी इस तरह के नारे नहीं लगते थे। विदेश नीति पर हमला करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार पूरी तरह इस्राइल के साथ खड़ी है और अमेरिका से डरती है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में फैसले लिए जा रहे हैं।

रमेश ने कहा कि भारत ने 1988 में फिलिस्तीन को मान्यता दी थी, लेकिन अब सरकार अपने पुराने रुख से हट रही है। उन्होंने इसे 'नैतिक कायरता' बताया। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य पूर्व में लगभग 1 करोड़ भारतीय काम करते हैं और वहां से हर साल अरबों डॉलर की कमाई (रिमिटेंस) आती है, जिससे खासकर केरल की अर्थव्यवस्था चलती है।

ऐसे में भारतीयों की सुरक्षा सबसे अहम है।

भारत की स्वतंत्र विदेश नीति कमजोर हो गईः कांग्रेस

रमेश ने तंज कसते हुए कहा, 'इसे विदेश नीति नहीं, 'हग्गोमेसी' कहा जाना चाहिए – सबको गले लगाओ और दिखाओ कि आप दोस्त हो।' उन्होंने आरोप लगाया कि कई बड़े फैसलों की घोषणा वॉशिंगटन से हो रही है, न कि नई दिल्ली से। अंत में उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति कमजोर हो गई है और देश की अंतरराष्ट्रीय साख भी घटी है। उन्होंने कहा, 'भारत की रणनीतिक आजादी बनी रहनी चाहिए। कोई हमें यह नहीं बता सकता कि रूस से हमारे संबंध कैसे होंगे।'

कार से टकराई बाइक दो सगे भाइयों की मौत

भोपाल, 4 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में इंदौर-कोटा नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। इस दौरान सामने से आ रही एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ये हादसा हो गया। दोनों मृतक सगे भाई बताए जा रहे हैं, जो एक होटल में काम करते थे। होली की छुट्टी पर सभी बाइक से अपने घर आ रहे थे। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, बोलेरा वाहन और एक बाइक की आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

इस दुर्घटना में बाइक सवार तीन लोगों में से दो की मौत हो गई व एक को गंभीर रूप से घायल होने पर जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। हादसे में मृतक दोनों की युवक सगे भाई थे। दोनों भाई व उनका एक दोस्त उज्जैन में एक होटल पर मजदूरी का कार्य करते थे। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

अंबाला कैंट स्टेशन के पास से दबोचे गए पाकिस्तानी कैदी

अंबाला, 4 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू के आरएसपुरा सेक्टर स्थित बाल सुधार गृह से फरार होने के बाद दो पाकिस्तानी अहसान अनवर और मोहम्मद सनाउल्लाह को सुरक्षा एजेंसियां अंबाला कैंट लेकर पहुंची। दोनों को एसटीएफ अंबाला की टीम ने रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ा था और जम्मू पुलिस के हवाले किया था। दोनों को सुरक्षा एजेंसियां अपने साथ लेकर अंबाला कैंट के लाल कुर्ती स्थित होटल में पहुंचीं।

निशानदेही करवाई कि वे होटल में रुके थे। दोनों ने बताया कि फरारी के बाद होटल में पहुंचे थे और फर्जी आइडी देकर एक रात के लिए रुके। यहां पर टीम ने होटल का रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज सहित वह आइडी प्रूफ लिए, जिसके आधार पर यह ठहरे थे। बाल सुधार गृह से दो पाकिस्तानी फरार हुए थे।

इनके साथ एक और आरोपित कर्मजीत सिंह उर्फ गुग्गा भी फरार हुआ था। यह सभी जम्मू से पंजाब होते हुए हरियाणा के अंबाला में दाखिल हुए थे। यहां पर एसटीएफ ने मिले इनपुट के आधार पर उक्त दोनों को पकड़ा था। मामले में कर्मजीत सिंह फरार हो गया था, जिसकी तलाश की जा रही है। इसके अलावा इसी फरारी में एक अन्य आरोपित ठाकुर का नाम भी उछला है, जिसकी तलाश है।

ऑफिस में 'लव जिहाद' को लेकर भारी बवाल

अहमदाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में फिर एक बार लव जिहाद के मामले को लेकर माहौल गरमाया है। जिला रजिस्ट्रार ऑफिस में आज हिंदू लड़की के अल्पसंख्यक लड़के के साथ शादी प्रक्रिया को लेकर हंगामा हुआ था। हिंदू संगठनों का दावा है कि, लव जिहाद के मामले में बंद दरवाजे में शादी का प्रयास हो रहा है। इस मामले में पुलिस स्टेशन में शिकायत की जाएगी। लव जिहाद में लड़के सलमान मंसूरी कठवाडा का निवासी है। इस केस में एम।एम।सैयद मुस्लिम होने से शादी करवाते हैं। बेटी के माता-पिता को किसी भी बात की जानकारी नहीं दी गई है। शादी के लिए लड़का-लड़की वकील के वेश में आए थे, ऐसा भी दावा किया गया है।

एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

पुंछ, 4 मार्च (एजेंसियां)। लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर एक बार फिर घुसपैठ की कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। बुधवार की तड़के सुबह जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के भीमबेर गली इलाके में संदिग्ध गतिविधियों का पता चला। विश्वसनीय खुफिया इनपुट और लगातार निगरानी के आधार पर सेना पहले से अलर्ट थी। जैसे ही आतंकियों की मूवमेंट डिटेक्ट हुई, तुरंत कार्रवाई की गई। सेना के मुताबिक, भीमबेर गली सेक्टर में तैनात सतर्क जवानों ने तेजी और रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए घुसपैठ की कोशिश को विफल कर दिया।

व्हाइट नाइट कॉर्प्स के जवानों ने तुरंत मोर्चा संभाला और समन्वित कार्रवाई के जरिए आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। इस ऑपरेशन के दौरान एलओसी पर किसी भी तरह की सेंध नहीं लगने दी गई। सूत्रों के अनुसार, इलाके में पहले से ही कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। ग्राउंड सर्विलांस के साथ-साथ हवाई निगरानी भी की जा रही थी, जिससे संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता चल सका। जैसे ही मूवमेंट कन्फर्म हुई, जवानों ने घेराबंदी कर जवाबी कार्रवाई शुरू की। तेज और सटीक ऑपरेशन की वजह से घुसपैठ की साजिश पूरी तरह नाकाम हो गई। सेना ने बताया कि ऑपरेशन के बाद पूरे इलाके में डोमिनेशन बढ़ा दिया गया है। अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और निगरानी और भी सख्त कर दी गई है ताकि भविष्य में किसी भी तरह की कोशिश को तुरंत रोका जा सके। सेक्टर में हाई अलर्ट जारी है और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी गई है।

इस कार्रवाई की जानकारी व्हाइट नाइट कोर ने बुधवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर दी और बताया, 4 मार्च 2026 की सुबह लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भीमबेर गली के आम इलाके में भरोसेमंद इंटेलिजेंस इनपुट और लगातार निगरानी के आधार पर आतंकवादियों की मूवमेंट का पता चला।

जबरदस्त जवाब देते हुए और बेहतरीन टैक्टिकल एग्ज़िक्यूशन दिखाते हुए, व्हाइट नाइट कॉर्प्स के सतर्क सैनिकों ने तेजी से काम किया और घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और एलओसी को तोड़ने से मना कर दिया। मिलकर जमीनी कार्रवाई करके दुश्मन के मंसूबों को असरदार तरीके से नाकाम कर दिया गया। आगे बताया, इलाके पर लगातार कब्जा पक्का करने के लिए अपने सैनिकों को फिर से तैयार किया गया है, जिसे इंटीग्रेटेड जमीनी और हवाई निगरानी से मदद मिली है। पूरे सेक्टर में मजबूत ऑपरेशनल पोजिशन और हाई अलर्ट लागू है।

सऊदी अरब से सुरक्षित लौटे कई यात्री

एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत, परिजनों ने सरकार का जताया आभार

अहमदाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब के जेद्दा से अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल दो पर बुधवार को आने वाले यात्रियों का जोरदार स्वागत हुआ। हवाई अड्डे पर यात्रियों के परिवार और शुभचिंतक बड़ी संख्या में जमा हुए। उन्होंने हाल की यात्रा में आई बाधाओं के बावजूद अपनों की सुरक्षित वापसी पक्की करने के लिए सरकार का शुक्रिया अदा किया। कई यात्री उमराह करने के लिए सऊदी अरब गए थे। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से 28 फरवरी को तय कई उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

इससे यात्रियों और उनके परिवारों को काफी चिंता और परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री के परिवार के सदस्य ने समाचार एजेंसी को बताया, मेरी बहन उमराह के लिए गई थी। 28 तारीख को उसकी वापसी की उड़ान रद्द हो गई थी, और वह बहुत चिंतित थी। हमने सरकार से मदद की गुहार लगाई और अधिकारियों ने उसे सुरक्षित वापस लाने में हमारी सहायता की। यह हमारे परिवार के लिए बेहद खुशी का क्षण है। एक अन्य रिश्तेदार ने कहा, ₹मेरा बेटा उमराह के लिए मक्का गया था। 28 फरवरी को उसकी उड़ान रद्द हो गई। मीडिया और सरकार ने हमारी बहुत मदद की। अधिकारियों का रवैया बहुत सहयोगी था। परिवार के एक तीसरे सदस्य ने कहा, 'पिछले कुछ दिन मुश्किल भरे थे, लेकिन हम सरकार के आभारी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को विशेष रूप से धन्यवाद दिया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 28 फरवरी को इजरायल ने ईरान के खिलाफ मिसाइल हमले किए थे। इसके बाद तेहरान में भीषण धमाके हुए और पूरे क्षेत्र में तनाव अचानक बहुत बढ़ गया। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि ईरान जानबूझकर आम नागरिकों को निशाना बनाता है, जबकि इजरायल और अमेरिका केवल आतंकवादियों पर ध्यान देते हैं। नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मजबूती की भी तारीफ की।

खाडी देशों से कन्नड़ लोगों की सुरक्षित वापसी के लिए कर्नाटक सरकार सक्रिय

गृहमंत्री ने दिया आश्वासन

बेंगलुरु, 4 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने मध्य पूर्व देशों में रह रहे कर्नाटक के लोगों की सुरक्षा को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व देशों में कन्नड़ समुदाय की बड़ी संख्या रहती है और हालात को लेकर राज्य सरकार लगातार नजर बनाए हुए है।

कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि विदेशों में फंसे कई लोग पहले ही सुरक्षित भारत वापस आ चुके हैं। जो लोग अभी तक नहीं आए है उनके लिए मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव ने इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिखा है और राज्य सरकार सभी को सुरक्षित वापस लाने की हर संभव कोशिश कर रही है। बेंगलुरु में सड़कों पर हुए विरोध-प्रदर्शनों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि बिना वजह केस दर्ज किए जाने की बात सही नहीं है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर किसी ने बिना अनुमति प्रदर्शन किया है या नियमों का उल्लंघन किया है, तभी कानूनी कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध का अधिकार है, लेकिन कानून का पालन भी जरूरी है। सरकारी एजेंसियों में भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के आरोपों पर कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि यदि कोई शिकायत सामने आती है तो उसकी जांच कराई जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी। आईपीएल मैचों को लेकर उन्होंने कहा कि आयोजकों ने कुन्हा कमेटी की सिफारिशों का 50 प्रतिशत से अधिक पालन कर लिया है, जिसके बाद मैचों की अनुमति दी गई है।

यदि सभी दिशा-निर्देशों का सही तरीके से पालन किया जाता है तो सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। वहीं, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के छह साल पूरे होने पर आयोजित डिनर पार्टी पर उन्होंने उन्हें बधाई दी और कहा कि पार्टी में सहयोग और एकजुटता जरूरी है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच मतभेद की अटकलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह एकजुट है और जनता को बेहतर शासन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बूथ के अंदर ही नहीं बाहर भी होंगे सीसीटीवी कैमरे

चुनाव आयोग की सख्ती; अवैध गतिविधियों पर रहेगी नजर

कोलकाता, 4 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आगामी चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को और सख्त करने का फैसला किया है। अब सिर्फ मतदान केंद्र के अंदर ही नहीं, बल्कि बूथ के बाहर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस संबंध में उप निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश भारती ने जिला अधिकारियों और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश जारी किए।

आयोग के अनुसार, प्रत्येक बूथ पर पहले से वेबकास्टिंग और सीसीटीवी की व्यवस्था थी, लेकिन अब बूथ परिसर के बाहर भी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे किसी भी तरह की गड़बड़ी या अवैध गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके। आयोग का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति जबरन बूथ में प्रवेश करने की कोशिश करता है या मतदान प्रक्रिया में बाधा डालता है, तो उसकी पूरी गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड होगी और तत्काल कार्रवाई की जाएगी। विशेष रोल पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने बताया कि 6 मार्च को झाड़ग्राम और ओडिशा से 100-100 कर कुल 200 न्यायिक अधिकारी तैनात किए जाएंगे। जिन क्षेत्रों में अधिक मामले लंबित या संवेदनशील हैं, वहां अतिरिक्त न्यायिक अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। माइक्रो ऑब्जर्वर करेंगे बाहर से निगरानी बूथों के बाहर निगरानी की जिम्मेदारी माइक्रो ऑब्जर्वरों को भी सौंपी जाएगी। आयोग का मानना है कि विधानसभा चुनाव से पहले यह प्री-इलेक्शन तैयारी बेहद महत्वपूर्ण है।

इस बार किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में केंद्रीय सुरक्षा बलों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया कि वे किसी प्रकार की आतिथ्य या मेहमाननवाजी स्वीकार न करें। आयोग ने निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह सख्त संदेश दिया है।

रिश्वत में सबसे आगे खुद वर्दीधारी

फरीदाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। कानून लागू कराने वाली एजेंसी ही जब रिश्वत के मामलों में सबसे आगे निकल आए तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। पिछले साल फरीदाबाद और पलवल में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कुल 29 कर्मचारी-अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। इनमें सबसे अधिक पुलिसकर्मी शामिल रहे, जबकि अन्य विभागों से एक से तीन कर्मचारी हो पकड़े गए। ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार पकड़े गए आरोपितों में आठ से अधिक पुलिसकर्मी थे। स्वास्थ्य विभाग से तीन और राजस्व विभाग से दो कर्मचारी गिरफ्तार किए गए। अन्य विभागों से भी एक-दो कर्मचारी कार्रवाई की जद में आए।

पुलिसकर्मियों पर जमानत दिलवाने में मदद, गिरफ्तारी से बचाने, चालान जल्द पेश कराने, एफआइआर दर्ज न करने या धाराएं लगाने-हटाने के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप सामने आते रहे हैं। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति है और दोषी पाए जाने पर विभागीय व कानूनी कार्रवाई की जाती है। राजस्व विभाग में इंतकाल दर्ज करने, जमीन संबंधी रिकार्ड दुरुस्त करने और फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत मांगने की शिकायतें लगातार मिलती रही हैं।

भाजपा ने चार राज्यसभा उम्मीदवारों के नाम का किया एलान

अठावले समेत सूची में इन नेताओं के नाम

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)।

भाजपा ने महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों में से चार के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े सहित दो और अन्य लोगों को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। नई दिल्ली स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय द्वारा जारी एक पार्टी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा चुनावों के लिए केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, माया चिंतामण ईवनाते और रामराव वाडकुटे की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के नेता और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री अठावले, एनडीए के लंबे समय से सहयोगी रहे हैं और वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तावड़े का नाम भी नामांकित व्यक्तियों में शामिल है।

विनोद तावड़े

देश की राजनीति में विनोद तावड़े एक जाना-पहचाना नाम हैं। वह इस समय भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं और पार्टी की चुनावी रणनीति तैयार करने में उनकी अहम भूमिका रही है।

चुनावी प्रभारी के तौर पर उन्होंने कई राज्यों में पार्टी को जीत दिलाने में योगदान दिया है। भोजपुरी गायक और अभिनेता पवन सिंह की भाजपा में वापसी कराने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। संगठन के भीतर वे नितिन नबीन से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की दौड़ में आगे बताए जा रहे थे।

रामदास अठावले

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास अठावले अपनी शायरी और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध हैं। संसद में उनके कहे शेर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का ध्यान खींचते हैं। मोदी सरकार में वे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और गठबंधन सरकार में उनकी भूमिका प्रभावशाली मानी जाती है। उनका राज्यसभा का कार्यकाल पूरा हो रहा है। ऐसे में एक बार फिर उनका उच्च सदन के लिए नामित किया है।

माया चिंतामण ईवनाते

आदिवासी समुदाय से आने वाली शिक्षिका और सामाजिक कार्यकर्ता मायाताई इवनात बेहद साधारण पृष्ठभूमि से राजनीति तक पहुंची हैं। इससे पहले वे राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य रह चुकी हैं, जहां उन्हें भाजपा नेतृत्व ने जिम्मेदारी सौंपी थी। हाल ही में वे नागपुर महानगर पालिका की निर्वाचित नगरसेविका बनी हैं, जिससे स्थानीय राजनीति में उनकी सक्रियता और बढ़ गई है।

रामराव वाडकुटे

रामराव वडकुते महाराष्ट्र के प्रमुख भाजपा नेताओं में शामिल हैं। पार्टी ने उन्हें महाराष्ट्र से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना प्रत्याशी घोषित किया है। संगठनात्मक अनुभव और क्षेत्रीय पकड़ के चलते उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

इंजीनियर पत्नी ने खुद की ले ली जान

बेंगलुरु, 4 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु के अब्बीगीरे में एक महिला इंजीनियर ने पारिवारिक विवाद के चलते खुदकुशी कर ली। 35 साल की इस महिला की पहचान सुषमा के रूप में हुई है जो पहले डेल कंपनी में काम करती थीं। पुलिस के अनुसार, उनकी शादी पांच साल पहले पुनीत कुमार से हुई थी और उनका एक चार साल का बेटा भी है। पुलिस ने बताया कि मृतका की आए दिन घर के लोगों से झगड़े होते रहते थे। सोलादेवनहल्ली पुलिस सीमा के अंतर्गत आने वाले अब्बीगेरे में घटी इस घटना पर पुलिस ने बताया कि घर में छोटी-छोटी बातों को लेकर अक्सर झगड़े होते रहते थे। बताया गया कि कल खाना बनाने को लेकर सुषमा और उनकी सास कल्पना के बीच विवाद हुआ था। सुषमा के परिवार का आरोप है कि सास उन्हें खाना नहीं बनाने देती थी और अलग-अलग मुद्दों को लेकर उन्हें परेशान करती रहती थी। इसी बात से परेशान होकर सुषमा ने कथित तौर पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सुषमा के परिवार की शिकायत के बाद, ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने पति पुनीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया है वहीं सास कल्पना की तलाश अभी जारी है। सोलादेवनहल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

ब्लैकमेलिंग केस में फंसे पूर्व रेलकर्मी के वायरल वीडियो की जांच

भोपाल, 4 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल के स्लॉटर हाउस संचालक असलम चमड़ा के करीबी से गोमांस तस्करी मामले में आगे खुलासा नहीं करने और कथित रूप से हाईप्रोफाइल लोगों व राजनेताओं का नाम जोड़ने की धमकी देकर लाखों रुपये वसूलने के आरोप में गिरफ्तार पूर्व रेलकर्मी राजेश तिवारी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। तीन दिन पहले ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार किए गए तिवारी के कुछ कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि असलम चमड़ा के करीबी द्वारा कराए गए एक स्टिंग ऑपरेशन में तिवारी कथित रूप से पैसे लेते हुए कैमरे में दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद उनके कई वीडियो अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रहे हैं। निशातपुरा थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि वायरल वीडियो को जांच में शामिल कर लिया गया है।

सुविचार: आदतें इन्सान को कही का नहीं छोड़ती इसलिए, हमेशा आदतों को सोच समझकर बनाइए !

46 लाख महिलाओं के स्वास्थ्य सर्वेक्षण की तैयारी : स्वास्थ्य मंत्री

99 दिनों में चार चरणों में स्वास्थ्य अभियान

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य भर में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार करने का बड़ा अभियान शुरू करने का फैसला किया है। इसे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर लॉन्च किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने अधिकारियों को इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री दामोदर राजनरसिंह ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर लोक प्रशासन प्रगति योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। इस कार्यक्रम की अवधि 6 मार्च से 12 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। 6 मार्च से 31 मार्च: मातृ एवं शिशु संरक्षण, किशोरियों और वृद्धों की स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस। स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में रक्तहीनता और अन्य स्वास्थ्य जांच। 8 मार्च को महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोफाइल कार्यक्रम का उद्घाटन।

प्रत्येक महिला के लिए टी डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से 30 प्रकार की जांचें। 1 अप्रैल से 15 अप्रैल: गैर-संक्रामक रोगों (ब्लड प्रेशर, शुगर, कैंसर) की पहचान। सब-सेंटर्स में व्यापक स्क्रीनिंग कैंप, कैंसर सेंटर और डायलिसिस रोगियों के लिए आवश्यक जाँचें। 16 अप्रैल से 15 मई: संक्रामक रोग नियंत्रण और सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारी। टीबी मुक्त भारत

अभियान, मौसमी रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया और हीट स्ट्रोक से अवगत कराना। आपातकालीन दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। 16 मई से 12 जून: शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार।

145 पीएचसी को पॉलिक्लिनिक के रूप में अपग्रेड। बस्तियों में मोबाइल स्वास्थ्य शिविर और फूड सेफ्टी मेलों के माध्यम से जागरूकता अभियान। इस स्वास्थ्य सर्वेक्षण के तहत लगभग 46 लाख महिलाओं की जांच की जाएगी।

पहले चरण में प्रत्येक जिले के 5 मंडलों में, दूसरे चरण में 10 मंडलों में और तीसरे चरण में शेष सभी मंडलों में स्कैनिंग पूरी की जाएगी। मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत दी कि अस्पतालों में रोजमर्रा की सेवाओं में कोई बाधा न आए और योजना के अनुसार सभी गतिविधियां समयबद्ध रूप से पूरी हों।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि यह अभियान राज्य की महिलाओं के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाला मील का पत्थर साबित होगा।

वेलूर गांव में अंबेडकर प्रतिमा के चबूतरे को लेकर विवाद

सिद्दिपेट, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वारगल मंडल के वेलूर गांव में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। चबूतरा हटाए जाने के विरोध में बुधवार को दलित कार्यकर्ताओं ने सड़क एवं भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि गांव के दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों ने एक सप्ताह पहले प्रतिमा स्थापना के लिए चबूतरा और उसके चारों ओर खंभे बनाए थे। उनका कहना है कि यह स्थान सड़क से लगभग 50 फीट दूर है। इसके बावजूद आर एंड बी अधिकारियों ने यह कहते हुए आपत्ति जताई कि जमीन विभाग की है। आरोप है कि विभाग की शिकायत के बाद गौराराम पुलिस ने 14 दलितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। साथ ही मंगलवार रात पुलिस सुरक्षा में चबूतरा हटा दिया गया।

नशीले पदार्थ के साथ तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की मियांपुर पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि 25 से 30 वर्ष आयु के तीन व्यक्ति मियापुर स्थित विश्वांबरा कॉलोनी पार्क के पास एक वोल्क्सवैगन कार में एमडीएमए के सेवन एवं लेन-देन के लिए एकत्र होने वाले हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम लगभग मौके पर पहुंची। विश्वांबरा कॉलोनी पार्क के निकट संदिग्ध वोल्क्सवैगन कार की पहचान की गई। पुलिस को देखकर वाहन में सवार व्यक्तियों ने भागने का प्रयास किया, किन्तु उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया गया। वाहन की तलाशी के दौरान डैशबोर्ड में रखे जिप-लॉक कवर में तीव्र गंध वाला सफेद क्रिस्टलीय पदार्थ बरामद हुआ। ड्रग डिटेक्शन किट से परीक्षण करने पर उक्त पदार्थ एमडीएमए पाया गया। तौलने पर इसकी मात्रा 12.6 ग्राम पाई गई। आरोपी बेरी हनुमंतु (27 वर्ष), भुमानी महेश (26 वर्ष), कसम आदर्श (28 वर्ष)ने पुलिस को कई चौकाने

वाली जानकारी दी। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने एमडीएमए बेंगलुरु से एक सप्लायर से प्राप्त कर हैदराबाद लाकर सेवन एवं लाभ कमाने हेतु बिक्री के उद्देश्य से रखा था। जब्त सामग्री को विधिवत पैक एवं सील किया गया है। आरोपियों को हिरासत में लेकर एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। अवैध मादक पदार्थ नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं आपूर्ति स्रोत की पहचान हेतु आगे की जांच जारी है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, कुकटपल्ली जोन, साइबराबाद के पर्यवेक्षण में की गई। मियापुर पुलिस एवं माधापुर एसओटी टीम के सराहनीय कार्य की प्रशंसा पुलिस आयुक्त, साइबराबाद द्वारा की गई।

जेल से रिहा हुए बल्का सुमन

कांग्रेस पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

आदिलाबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले के बीआरएस अध्यक्ष बल्का सुमन ने आरोप लगाया है कि क्याथनपल्ली नगरपालिका चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस सरकार ने उन्हें परेशान किया। बुधवार को उन्हें अन्य बीआरएस नेताओं मुला राजी रेड्डी, अनिल और लक्ष्मीकांत के साथ जमानत पर जेल से रिहा किया गया।

जेल से बाहर आने के बाद मीडिया से बातचीत में सुमन ने कहा कि क्याथनपल्ली नगरपालिका में कांग्रेस को झटका लगने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रम मंत्री मतदाताओं के जनादेश का सम्मान नहीं कर रहे हैं।

सुमन ने कहा कि सोमवार को जमानत मिलने के बावजूद उन्हें तुरंत रिहा नहीं किया गया, जिससे वे होली का त्योहार और अपने बेटे का जन्मदिन नहीं मना सके। उन्होंने कांग्रेस पर बदले की भावना से राजनीति करने का आरोप लगाया। सुमन ने कहा कि बीआरएस के 10 साल के शासनकाल में किसी भी जनप्रतिनिधि को इस तरह निशाना नहीं बनाया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब उन्होंने यह सवाल किया कि मंत्री के काफिले को जाने दिया गया, जबकि बीआरएस नेताओं को क्याथनपल्ली नगरपालिका की विशेष बैठक में शामिल होने से रोका गया, तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया। सुमन ने कहा कि जब कांग्रेस को 22 में से केवल 7 वार्डों में ही जीत मिली है, तो वह नगर निकाय के अध्यक्ष पद पर कैसे दावा कर सकती है।

फर्नीचर दुकानों में भीषण आग, करीब 50 दुकानें खाक

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात बाचुपल्ली इलाके में सड़क किनारे बनी फर्नीचर की दुकानों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में करीब 50 दुकानें जलकर राख हो गईं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

जानकारी के अनुसार मुख्य सड़क के किनारे अस्थायी रूप से बनी फर्नीचर की दुकानों की एक कतार में अचानक आग लग गई। दुकानों में लकड़ी और फोम का सामान अधिक मात्रा में होने और एक-दूसरे के पास बने होने के कारण आग तेजी से फैल गई। घटना के बाद पूरे इलाके में घना धुआं फैल गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।

दमकल विभाग की करीब 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और उसे आसपास की अन्य इमारतों तक फैलने से रोक लिया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक अनुमान में करीब एक करोड़ रुपये का फर्नीचर और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया है। अधिकांश प्रभावित व्यापारी रोज की कमाई पर निर्भर थे। आग के बाद कई व्यापारी मलबे में से बचा हुआ सामान निकालने की कोशिश करते नजर आए। सुखद बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। व्यापारियों ने सरकार से मुआवजा और पुनर्वास सहायता देने की मांग की है, ताकि वे अपना कारोबार दोबारा शुरू कर सकें।

रेवंत सरकार में प्रशासनिक अस्थिरता का आरोप, प्रभाकर ने साधा निशाना

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक एनवीवीएस प्रभाकर ने बुधवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दो वर्ष के कार्यकाल में प्रशासनिक अस्थिरता देखने को मिली है। राज्य भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रभाकर ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में लगभग साठ भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादले किए गए, साथ ही अनेक अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का भी बार-बार स्थानांतरण हुआ। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे तबादले शासन में दिशा और स्थिरता के अभाव को दर्शाते हैं। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री के बार-बार दिल्ली दौरों पर भी प्रश्न उठाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि ये यात्राएं राज्य के मुद्दों के समाधान के बजाय अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से की जा रही हैं। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार को दिशाहीन बताते हुए कहा कि उसके पास न स्पष्ट दृष्टि है और न ठोस लक्ष्य।

हाल में घोषित निन्यानवे दिवसीय कार्ययोजना का उल्लेख करते हुए प्रभाकर ने जिला अधिकारियों को कम से कम दस दिन गांवों में बिताने के निर्देश पर भी सवाल उठाया।

पुलिस ने फर्जी घी बनाने वाले डेयरी मालिक को दबोचा

छापेमारी के दौरान 460 किग्रा मिलावटी घी बरामद

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (गोलकोंडा टीम) और मसाबटैंक पुलिस ने शहर के भोलानगर, बंजाराहिल्स रोड स्थित डेयरी यूनिट ''प्राइड डेयरी'' पर छापा मारकर एक व्यक्ति को पकड़ा। आरोपी पर गाय और भैंस के क्रीम में पाम ऑयल, वनस्पति घी (डल्दा) और अन्य कम गुणवत्ता वाली सामग्री मिलाकर जाली घी बनाने का आरोप है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान लगभग 460 किग्रा मिलावटी घी, 70 किग्रा मिश्रित घी, 2,090 किग्रा गाय का क्रीम, 1,170 किग्रा भैंस का क्रीम, 28 डब्बे रुचि गोल्ड वनस्पति घी (डल्दा), दो बॉयलर, पैकिंग मशीन, दो तराजू, चार गैस सिलेंडर और 25 खाली ड्रम सहित कुल 18.27 लाख रुपये मूल्य के माल और मशीनरी जब्त किए। आरोपी की पहचान मोहम्मद जुनैद हुसैन (26), पुत्र मोहम्मद मौज़म हुसैन, निवासी भोलानगर के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने वैध लाइसेंस होने के बावजूद उपभोक्ताओं, होटलों और आयोजकों को शुद्ध घी बताकर जाली उत्पाद बेचा, जिससे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ।

मसाबटैंक पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है। छापेमारी अंडे श्रीनिवास राव, अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त, कमिश्नर टास्क फोर्स के पर्यवेक्षण में की गई। ऑपरेशन का संचालन आर. वेंकटेश, इंस्पेक्टर, गोलकोंडा जोन टास्क फोर्स; ए. प्रवीण कुमार, इंस्पेक्टर, मसाबटैंक; जी. विजयानंद, एसआई; जी. चंदना, एसआई और अन्य कर्मियों ने किया।

कौशल का फील्ड ड्यूटी में पूरी तरह पालन किया जाए : डीसीपी

एसएआर सीपीएल में वार्षिक मोबलाइजेशन परेड संपन्न

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंबरपेट स्थित एसएआर सीपीएल (स्पेशल आर्म्ड रिजर्व सेंट्रल पुलिस लाइंस) में बुधवार को वार्षिक मोबलाइजेशन परेड का आयोजन किया गया।

14 दिन तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन डी-मोबलाइजेशन परेड के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर डीसीपी व कमांडेंट, एसएआर सीपीएल आर. वेंकटेश्वरलु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही अतिरिक्त कमांडेंट वी. त्रिलोचन नाथ रेड्डी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 470 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान गार्ड ड्यूटी, एसकोर्ट ड्यूटी, कानून व्यवस्था, वीआईपी सुरक्षा और आधुनिक हथियारों के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। 407 कर्मियों ने निशानेबाजी (फायरिंग) और विभिन्न स्क्वॉड, आर्म्स और लाठी अभ्यास में हिस्सा लिया। भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति प्रबंधन के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा कर्मियों को ऑनलाइन गेमिंग, शराब और मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा और संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। प्रशिक्षण में प्रशासनिक और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन पर भी फोकस किया गया। सेवा नियम, अवकाश नियम, भंडार रखरखाव और वाहन रखरखाव से संबंधित निर्देश दिए गए। डीसीपी आर. वेंकटेश्वरलु ने कहा कि इस प्रशिक्षण में प्राप्त कौशल का फील्ड ड्यूटी में पूरी तरह पालन किया जाए ताकि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सार्वजनिक सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित यह परेड राज्य पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम साबित हुआ।

शराब के नशे में भाई ने की भाई की हत्या

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात मियापुर इलाके में दो सगे भाइयों के बीच झगड़े में एक भाई की मौत हो गई। घटना पीए नगर की है। जानकारी के अनुसार राजू (27) ऑटो चलाता था और उसका छोटा भाई गुरुस्वामी स्कूल बस चालक था। दोनों अपनी मां के साथ रहते थे और अविवाहित थे। पुलिस ने बताया कि पिछले दो हफ्तों से दोनों भाई शराब पीने के बाद छोटी-छोटी बातों पर झगड़ रहे थे। मंगलवार रात भी दोनों ने शराब पी रखी थी। इसी दौरान उनके बीच फिर से कहासुनी शुरू हो गई। झगड़ा बढ़ने पर गुरुस्वामी ने गुस्से में एक पत्थर उठाकर राजू के सिर पर मार दिया। गंभीर चोट लगने से राजू की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मियापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मां की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी भाई को हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच जारी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, ARUNA, is legally wedded spouse of Army No.13848783H, Rank: EX- HAV, Name: SHAIK MOULALI, R/o. H.No.10/1, Vill: TATIPARTHI, PO: TATIPARTHI, Teh: MADUGULA, Dist: ANKAPALLI, State: A.P, Pin: 531027, That I want to change my name from ARUNA to SHAIK ARUNABHI. I have changed my Date of Birth from 16-12-1957 to 06-03-1959. that my correct Date of Birth is 06-03-1959

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पुलिस की सतर्कता से तीन वर्षीय बालक सकुशल बरामद

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गंडीपेट स्थित गंड़ी मैसम्मा मंदिर परिसर में लापता हुए तीन वर्षीय बालक को नर्सिंगी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया। समय पर की गई खोजबीन से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, तेल्लापुर गांव निवासी वड्डे वेंकटेश अपने परिवार के साथ देवी दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे थे। मंदिर के पास वेंकटेश हाथ-मुंह धो रहे थे, उसी दौरान उनका पुत्र अभिमन्यु अचानक लापता हो गया। परिजन घबरा गए और तुरंत नर्सिंगी थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए निरीक्षक हरिकृष्ण रेड्डी के नेतृत्व में चार विशेष दल गठित किए गए और मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाश के दौरान बालक मंदिर के समीप झाड़ियों में मिला। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आवारा कुत्ते उसे झाड़ियों की ओर खींच ले गए थे। बालक को हल्की चोटें आई थीं, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति सामान्य बताई गई। अपने पुत्र को सुरक्षित वापस पाकर परिवार ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थलों पर बच्चों और कीमती सामान के प्रति विशेष सतर्कता बरतें।

पश्चिमी घाट में शेर-पूंछ वाले मकाक पर संकट

अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिमी घाट में पाए जाने वाले लुप्तप्राय भारतीय शेर-पूंछ वाले मकाक की स्थिति को लेकर एक नया अध्ययन सामने आया है। हैदराबाद और मैसूर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 40 वर्षों तक किए गए शोध में पाया गया है कि संख्या बढ़ने के बावजूद यह प्रजाति लंबे समय में बड़े खतरे का सामना कर रही है। 'पश्चिमी घाट के अनामलाई पहाड़ियों में जनसंख्या निगरानी के चार दशक और प्रबंधन एवं संरक्षण पर अध्ययन' शीर्षक से प्रकाशित यह शोध हाल ही में 'मैमेलियन बायोलॉजी' पत्रिका में छपा है। इसमें एक चिंताजनक प्रवृत्ति उजागर की गई है।

अध्ययन के अनुसार सरकारी संरक्षित वन क्षेत्रों में इनकी आबादी स्थिर है। लेकिन निजी चाय और कॉफी बागानों जैसे गैर-संरक्षित क्षेत्रों में रहने वाले मकाक के लिए स्थिति गंभीर है। यह शोध हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के डॉ. जी. उमापथी और मैसूर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया। अनामलाई पहाड़ियों में 37 समूहों के करीब 800 बंदरों की निगरानी की गई। संरक्षित बाघ अभयारण्यों में रहने वाले समूहों की तुलना निजी बागानों में रहने वाले समूहों से की गई।

शोध में पाया गया कि निजी क्षेत्रों में रहने वाले कई समूह आकार में बड़े थे। लेकिन वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि यह वृद्धि स्वस्थ स्थिति का संकेत नहीं है। मानव बस्तियों के पास कचरे और फसलों तक आसान पहुंच के कारण उनकी संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि इस बढ़ोतरी के साथ खतरे भी बढ़े हैं। गैर-संरक्षित क्षेत्रों में बंदरों को तेज रफ्तार वाहनों, बिजली के तारों से करंट लगने और जंगलों के टुकड़ों में बंटने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जंगलों के सिकुड़ने से वे भीड़भाड़ वाले इलाकों में रहने को मजबूर हैं, जिससे बीमारियों और आनुवंशिक विविधता में कमी का खतरा बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि केवल संख्या बढ़ना सुरक्षित भविष्य की गारंटी नहीं है। ये बंदर पेड़ों की ऊपरी शाखाओं पर रहने वाले जीव हैं और वन क्षेत्र के नष्ट होने से इनका अस्तित्व गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार राष्ट्रीय उद्यानों जैसे संरक्षित क्षेत्रों में इनकी स्थिति अपेक्षाकृत संतुलित है, जबकि निजी क्षेत्रों में दिखने वाली वृद्धि के बावजूद उनका भविष्य अस्थिर और जोखिम भरा है।

होली पर भाजपा विधायक के पति पर दो युवकों ने ताना तमंचा, पूर्व विधायक के समर्थकों पर आरोप

शाहजहांपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के तिलहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सलोना कुशवाहा के पति डॉ. राम सिंह कुशवाहा पर दो युवकों ने आखत डालने जाते समय तमंचा तान दिया। उनके साथ मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें बचाया। विधायक ने पूर्व विधायक रोशन लाल के समर्थकों पर आरोप लगाया है। बताया कि भागते समय आरोपी पूर्व विधायक की कोठी में घुस गए। विधायक सलोना कुशवाहा ने बताया कि उनके पति सुबह अपने समर्थकों के साथ होली पर आखत डालने जा रहे थे। तभी चौराहे पर दो युवक आए और उनके पति पर तमंचा तान दिया। डॉ. राम सिंह के साथ चल रहे लोगों ने आरोपी का तमंचा पकड़ लिया। इस बीच आरोपियों को भी पकड़ लिया गया। लेकिन दोनों किसी तरह हाथ छुड़ाकर भाग गए। भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि आरोपी पूर्व विधायक की कोठी में घुस गए। इस मामले में निगोही थाने के इंस्पेक्टर अशोक सिंह ने बताया कि वह शाहजहांपुर में ड्यूटी पर हैं। उन्हें ज्यादा मामले की जानकारी नहीं है। उधर, पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा ने बताया कि हमारे ऊपर लगे सारे आरोप निराधार हैं। हम परिवार के साथ होली मनाने गए थे। हमें तो कोई जानकारी भी नहीं है।

नरेंद्र देव कृषि विवि के कुलपति पद पर

ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की नियुक्ति निरस्त, आदेश जारी

अयोध्या, 4 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के अयोध्या में कुमारगंज स्थित नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की नियुक्ति को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने निरस्त कर दिया है। कुलपति पद पर उनकी नियुक्ति 10 फरवरी 2026 को की गई थी।

प्रभार संभालने की तिथि से तीन वर्ष के लिए नियुक्ति थी। अब जन भवन से नियुक्ति निरस्त किए जाने का यह पत्र तीन मार्च को जारी हुआ। बताते चलें कि ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह वर्तमान में आईसीआई नेशनल ब्यूरो का प्लांट जेनेटिक रिसोर्स, नई दिल्ली में निदेशक के पद पर हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें 31 मार्च को सेवानिवृत्ति होना है। सेवानिवृत्ति से पहले कुलपति का प्रभार संभालने में असमर्थ रहे। जन भवन से जारी निरस्त आदेश के अनुसार, कुलपति पद पर एक मार्च तक कार्यभार ग्रहण करने का अंतिम अवसर उनको प्रदान किया गया था। जनहित, छात्रहित व कृषि उच्च शिक्षा हित में आदेश को निरस्त करने का कारण बताया जा रहा है।

कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त दायित्व डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बृजेंद्र कुमार सिंह के पास है।

एक बार फिर अखिलेश का बड़ा ऐलान

सरकार बनाने का रास्ता सैफई से ही निकलेगा

इटावा, 4 मार्च (एजेंसियां)। होली महोत्सव के मंच से सैफई एक बार फिर प्रदेश की सियासत का केंद्र बन गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ऐलान किया कि सरकार बनाने का रास्ता सैफई से ही शुरू होगा और वर्ष 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उनके इस बयान को आगामी विधानसभा चुनाव की औपचारिक राजनीतिक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि सैफई की धरती ने हमेशा समाजवादी आंदोलन को दिशा दी है और यहीं से बदलाव की लहर उठेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करना होगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सपाइयों का अनुशासन में रहना बेहद जरूरी है।

बिना अनुशासन के कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय हालात का जिक्र करते हुए मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बहाने अमेरिका की भूमिका पर टिप्पणी की। साथ ही केंद्र सरकार की विदेश नीति और व्यापारिक करारों पर सवाल उठाए।

प्रेम कहानी का खौफनाक अंत

बरेली, 4 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के भमोरा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग का दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी, जबकि उसकी प्रेमिका जिंदगी और मौत से अस्पताल में लड़ रही है। घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। दरअसल आज ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे, तभी एक पेड़ पर रस्सी के फंदे से युवक का शव लटका देखा। मृतक की पहचान कृष्णपाल के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बसपा विधायक ने क्या 100 करोड़ की टैक्स चोरी की

लखनऊ, 4 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में डोलो स्टोन (गिट्टी) के अवैध खनन का सिंडिकेट अब इनकम टैक्स (आईटी) विभाग के शिकंजे में फंस गया है। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के यहां छापे पड़े। इसमें आईटी विभाग को खनन सिंडिकेट और अधिकारियों के गठजोड़ के बड़े सबूत मिले हैं। यह कई बड़े ब्यूरोक्रेट्स और सफेदपोश के चेहरे से नकाब हटा सकते हैं। ऐसे में सवाल उठना वाजिब है कि इनकम टैक्स को कहां से लीड मिली? कहां-कहां छापे मारे गए? छापे में क्या-क्या मिला? सिंडिकेट से जुड़े किन लोगों के नाम सामने आए आईटी को इस पूरे मामले में लीड सीएजी (कैग) की उस रिपोर्ट से मिली, जो विधानसभा में पेश की गई थी। आईटी विभाग ने इस रिपोर्ट का पूरा अध्ययन किया। फिर कार्रवाई के लिए पूरा प्लान तैयार किया गया।

होली खेलने के बहाने पत्नी की हत्या की

शाहजहांपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के शाहजहांपुर में होली के दिन पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। उसके प्रेमी पर तेजाब फेंक दिया। उसका चेहरा बुरी तरह झुलस गया। वारदात के दौरान मारपीट में पति खुद भी अधमरा हो गया। जानकारी के मुताबिक, महिला का पति से दो साल से तलाक का केस चल रहा था। तब से वह पति से अलग रह रही थी। बीते 6 महीने से अपने प्रेमी के साथ अलग किराए के मकान में लिव-इन में रह रही थी। बुधवार सुबह 6 बजे पति होली खेलने के बहाने महिला के घर पहुंचा। उसने चेहरे पर मुखौटा पहना हुआ था। दरवाजा खटखटाया। प्रेमी दरवाजा खोलने आया। दरवाजा खुलते ही प्रेमी की आंखों में रंग झोंक दिया।

महिला का शव फंदे पर मिला

हाथरस, 4 मार्च (एजेंसियां)। जिले में एक विवाहिता का शव रात उसके घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के भाई ने पति पर हत्या कर शव फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मालिन गली की है।

यहां प्रशांत अग्रवाल की 26 वर्षीय पत्नी चंचल मित्तल का शव संदिग्ध हालत में घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। विवाहिता का शव फंदे पर लटका देख मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के मायके वाले भी चंचल की ससुराल पहुंचे। उन्होंने दामाद पर बेटी की हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। मृतका के भाई नवीन मित्तल ने बताया कि उनकी बहन चंचल मित्तल ने पांच साल पहले प्रशांत अग्रवाल से प्रेम विवाह किया था। उसके एक बेटा भी है।

भाई नवीन मित्तल ने आरोप लगाया कि प्रशांत अग्रवाल का किसी अन्य महिला से संबंध था, जिसके चलते उसने चंचल की हत्या की है। उन्होंने यह भी बताया कि चंचल के ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पति पर हमला करने वाली युवती ने आरोपों को बताया झूठ

हाथरस, 4 मार्च (एजेंसियां)। कुछ दिन पहले सुहागरात के दिन पति पर चाकू से हमला करने वाली युवती ने अब एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में युवती अपने प्रेमी चाचा के साथ दिख रही है। युवती ने वीडियो में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को झूठा बताया है। युवती ने अपने पिता पर दुष्कर्म करने और 8 लाख में बेचने का भी आरोप लगाया है। युवती के मुताबिक उसके मामा और फिर पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में उसे 8 लाख रुपये में बेच दिया। जिसके बाद पति ने भी जबरदस्ती दुष्कर्म किया। वहीं नकदी और गहने लेकर फरार होने के आरोपों को भी युवती ने गलत करार दिया है।

शादी के 48 घंटे बाद दुल्हन ने दिखाया रंग

महंगे सामान समेटकर फरार

हाथरस, 4 मार्च (एजेंसियां)। कस्बे में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक युवक की शादी के दो दिन बाद ही उसकी पत्नी सामान लेकर फरार हो गई। पीड़ित युवक ने मुरसान पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने 28 फरवरी को हाथरस के एक मंदिर में एक बदायूं क्षेत्र की रहने वाली युवती से शादी की थी।

शादी के बाद वह अपनी पत्नी को लेकर घर आ गया, लेकिन दो दिन बाद ही उसकी पत्नी रात्रि तीन बजे घर में रखे लाखों रुपए के सामान को चोरी कर फरार हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और

बिचौलिये को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बिचौलिये ने बताया कि उसने 15 दिन पहले एक युवती से मुलाकात की थी और उसके बाद एक अन्य बिचौलिये के साथ मिलकर हाथरस के मंदिर में शादी कराई थी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

ड्रग्स पर लगेगी लगाम हर जिले में खुलेगा नारकोटिक्स थाना

पटना, 4 मार्च (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने हाल ही में आर्थिक अपराध इकाई और सीआईडी से अलग कर मद्य निषेध एवं स्वापक नियंत्रण ब्यूरो का गठन किया है। अब इस नवगठित ब्यूरो को जिला स्तर तक मजबूत करने की तैयारी चल रही है। साइबर थानों की तर्ज पर राज्य के हर जिले में नारकोटिक्स थाना खोला जाए, ताकि मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की जांच तेज हो और अभियुक्तों को जल्द सजा दिलाई जा सके। हाल ही में राज्य सरकार ने आर्थिक अपराध इकाई से नारकोटिक्स और सीआईडी से मद्य निषेध इकाई को अलग कर एक नई संरचना तैयार की है। यह नवगठित ब्यूरो शराब और सूखे नशे दोनों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

नेपाल के वीरगंज में चुनाव से पहले संदिग्ध वस्तु मिलने से हड़कंप

रक्सौल, 4 मार्च (एजेंसियां)। (पूर्वी चंपारण)। भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के पर्सा जिले के वीरगंज में आम चुनाव से एक दिन पहले संदिग्ध वस्तु मिलने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, पर्सा वार्ड संख्या 02 क्षेत्र में प्रत्याशी मनोज कुमार चौधरी से जुड़े मामले में बदनियार चौक स्थित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वापा) के कार्यालय के पास खड़े नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) से संबंधित एक वाहन में संदिग्ध वस्तु होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वाहन को अपने कब्जे में लेकर घेराबंदी कर दी। एहतियातन बम निरोधक दस्ता (बम डिस्पोजल टीम) को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी है। घटना को देखते हुए आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट रूप से बताया जा सकेगा कि संदिग्ध वस्तु क्या थी।

'आईओ पर सिर्फ विभागीय नहीं, आपराधिक कार्रवाई हो'

केजरीवाल मामले में बोले आरके सिंह ट्रायल लायक सबूत तक नहीं मिले

आरा,भोजपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व गृह सचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केजरीवाल प्रकरण को लेकर बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर कहा कि सीबीआई की ओर से दायर आपराधिक मामले में अदालत ने केजरीवाल और अन्य आरोपियों को आरोपमुक्त किया गया। ये इस बात का संकेत है कि मामले में मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त और स्वीकार्य साक्ष्य मौजूद नहीं थे। राज कुमार सिंह ने इसे झूठे और दुर्भावनापूर्ण अभियोजन का उदाहरण बताया और कहा कि इस तरह की कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि आरोप तय करने और ट्रायल शुरू करने के लिए आवश्यक साक्ष्य उपलब्ध नहीं थे। साथ ही अदालत ने संबंधित जांच अधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू करने का निर्देश भी दिया है। राज कुमार सिंह के अनुसार, केवल विभागीय कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि यदि मामला वास्तव में झूठे अभियोजन का है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

झूठा आरोप लगाने पर 5 वर्ष तक की सजा का प्रावधान

अपने पोस्ट में उन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और वर्तमान में लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का उल्लेख करते हुए कहा कि झूठा आरोप लगाना स्वयं में दंडनीय अपराध है। उन्होंने विशेष रूप से बीएनएस की धारा 248 का हवाला देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति पर झूठा आरोप लगाने पर 5 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। उनका तर्क है कि यदि किसी नागरिक के विरुद्ध बिना पर्याप्त साक्ष्य के मामला दर्ज किया गया और अदालत ने उसे निराधार पाया, तो जिम्मेदार अधिकारियों को कानून के तहत जवाबदेह बनाना जाना चाहिए। केजरीवाल शिकायत दर्ज कर सकते हैं राज कुमार सिंह ने यह भी सुझाव दिया कि केजरीवाल और उनके सहयोगी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत में संबंधित धाराओं के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला न्यायाधीश का आदेश इस संदर्भ में महत्वपूर्ण दस्तावेज हो सकता है। उनके अनुसार, ऐसी कार्रवाई भविष्य में किसी भी जांच अधिकारी को राजनीतिक दबाव में आकर झूठा मुकदमा दर्ज करने से रोकेगी।

मुकदमों की प्रवृत्ति दलों के लिए घातक साबित हो सकती है

आरके सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता स्थायी नहीं होती और आज जो दल सत्ता में है, वह भविष्य में विपक्ष में भी बैठ सकता है। ऐसे में यदि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध झूठे मुकदमों की प्रवृत्ति जारी रही तो यह परंपरा सभी दलों के लिए घातक साबित हो सकती है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर एकजुट होकर नागरिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा के लिए आवाज उठाने की अपील की। राज कुमार सिंह की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

देशभर में मनाई जा रही होली, बसपा चीफ मायावती ने खास अंदाज में दी बधाई

लखनऊ, 4 मार्च (एजेंसियां)। आज देशभर में रंगों का त्योहार होली बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा है, लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी बीच उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री व बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देशवासियों को होली महोत्सव को शुभकामनाएं दी है।बसपा चीफ व पूर्व सीएम मायावती ने एक्स हैंडल पर लिखा, होली पर्व की सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। सभी लोग परम्परागत तौर पर शान्ति व सद्भाव के साथ इस त्योहार को उमंग के साथ मनाएं और आपस में मिलजुल कर होली की खुशियां बांटें, यही इस पर्व की सच्ची भावना।

अन्त में एकबार फिर सभी को हैप्पी होली। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, होली के इस पावन पर्व पर मैं देशवासी, प्रदेश वासी और दुनिया भर में बसे भारतवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। इस दिन सब एक-दूसरे से मिलकर विवादों को भूल जाते हैं, ऐसे ही हमारा देश व प्रदेश होली का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से मनाए।

प्रॉपर्टी डीलर भाइयों पर हमले में सपा नेता और मां गिरफ्तार

कानपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। नवाबगंज में प्रापर्टी डीलर भाइयों पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने सपा नेता और उनकी मां को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। घटना का वीडियो प्रचलित होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस आरोपित सपा नेता के पिता की तलाश में दबिश दे रही है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित सपा नेता समेत उनके पिता व मां के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था।

कल्याणपुर शिवली रोड निवासी प्रापर्टी डीलर प्रशांत कुमार ने बताया कि उन्होंने जुलाई 2025 में नवाबगंज में रहने वाले सपा नेता विशाल कुमार उर्फ सत्या से 40 लाख में ट्रक खरीदा था। आरोप है कि सपा नेता ने उन्हें फर्जी आरसी के साथ किराए पर लिया हुआ ट्रक बेच दिया था। कुछ समय बाद मालिक अपना ट्रक ले गया। रकम वापस न मिलने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

25 साल की महिला नेता का कंकाल मिला

श्रावस्ती, 4 मार्च (एजेंसियां)। श्रावस्ती में 25 साल की महिला किसान नेता आंचल मिश्रा का जला हुआ कंकाल जंगल में मिला। वह किसान यूनियन की बैठक में शामिल होने की बात कहकर घर से निकली थीं। 14 दिन से लापता थी। पुलिस मोबाइल की लास्ट लोकेशन फॉलो करते हुए जंगल पहुंची। वहां शव के नाम पर खोपड़ी, जबड़ा और रीढ़ की हड्डी मिली। पुलिस ने उन्हें पॉलीथिन में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। उसके कपड़े और जूते कुछ दूरी पर पड़े थे। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए।

महिला 17 फरवरी को लापता हुई थी। 3 मार्च की दोपहर 2 बजे मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ककरदरी रेंज के जंगल से शव बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। किसान नेता आंचल मिश्रा (25) पत्नी संतोष मिश्रा, बांसगढ़ी फत्तेपुर बनगई गांव में 2 बच्चों के साथ रहती थीं। आंचल मिश्रा किसान यूनियन अराजनैतिक महिला विंग की जिलाध्यक्ष थी। 17 फरवरी को भिनगा में किसान यूनियन की बैठक में शामिल होने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद वह लापता हो गईं। काफी तलाश के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने 19 फरवरी को मल्हीपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जांच पड़ताल की।

मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया, तो लोकेशन जंगल की निकली। मंगलवार को टीम ने वहां पहुंचकर शव को बरामद किया। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की। डॉग स्क्वाड की टीम भी पहुंची। पति संतोष मिश्रा ने सूरज वर्मा पर पत्नी की हत्या का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि घटना के बाद सूरज वर्मा उनके साथ मिलकर आंचल की तलाश का नाटक करता रहा। जांच में दोनों की आखिरी लोकेशन एक ही स्थान पर मिली। जिससे आरोपी सूरज पर शक हुआ।

5 मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग लगी: पुलिस और दमकल की टीम ने 150 लोगों की जान बचाई

गाजियाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में रात एक 5 मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। जिसमें करीब 45 परिवार के लोग फंस गए। आग की सूचना पर डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील और सीएफओ राहुल पाल मौके पर पहुंचे। अलग अलग फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। जहां दमकल की 10 गाड़ी लगीं। करीब 50 फीट की ऊंचाई से सीढी लगाकर दमकल के जवानों ने सभी 150 लोगों को बाहर निकाला। इनमें 20 लोग फ्लैट में धुआं भरने से बेहोश हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग शार्ट सर्किट से लगनी बताई गई है। आग इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर लगी और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। इस बिल्डिंग में करीब 40 फ्लैट हैं, जिनमें लगभग 150 लोग निवास करते हैं।

सबसे बड़ी लापरवाही यह सामने आई कि इमारत में आग बुझाने के पर्याप्त उपकरण मौजूद नहीं थे, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई। आग की चपेट में आने से कई लोग झुलस गए, जबकि ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों ने बालकनी से मदद की गुहार लगाई। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील खुद फोर्स लेकर पहुंचे। जहां सभी सीढियों की मदद से बाहर निकाला।

29 साल बाद भी गिरफ्त से दूर पूर्व आईपीएस ज्योति बेलूर

गाजियाबाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। करीब तीन दशक बीत चुके हैं, लेकिन 1996 के चर्चित भोजपुर फर्जी एनकाउंटर केस की आरोपी पूर्व आईपीएस ज्योति बेलूर अब भी सीबीआई की पकड़ से दूर हैं। गिरफ्तारी न होने से मामला अब तक अधर में लटका हुआ है और सीबीआई कोर्ट को सुनवाई आगे बढ़ाने के लिए उनका इंतजार करना पड़ रहा है। 8 नवंबर 1996 को थाना भोजपुर क्षेत्र के मछरिया गांव की पुलिया पर पुलिस ने एक एनकाउंटर में चार युवकों को मार गिराया था। अगले दिन मृतकों की पहचान मोदीनगर निवासी प्रवेश, जसवीर, जलालुद्दीन और अशोक के रूप में हुई थी।

घटना के बाद ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर सीबीआई जांच की मांग की। उत्तर प्रदेश सरकार ने मामला सीबीआई को सौंपा। जांच में सीबीआई ने एनकाउंटर को फर्जी मानते हुए तत्कालीन एसओ समेत पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। पीड़ित पक्ष के बयान के आधार पर कोर्ट ने तत्कालीन एएसपी ज्योति बेलूर को भी आरोपी बनाया। आरोप है कि उनके सरकारी रिवॉल्वर से भी फायरिंग हुई थी। मामला दर्ज होने के बाद ज्योति बेलूर इंग्लैंड चली गई और कभी भी कोर्ट में पेश नहीं हुई।

कोर्ट ने कई बार गैर-जमानती वारंट और कुर्की आदेश जारी किया, लेकिन अब तक न तो गिरफ्तारी हो पाई है और न ही कुर्की की कार्रवाई पूरी हो सकी। तीन दशक बीतने के बाद भी ज्योति बेलूर की गिरफ्तारी न होना सीबीआई और न्याय व्यवस्था के लिए चुनौती बना हुआ है। फर्जी एनकाउंटर के आरोपों और बेलूर की फरारी के कारण सीबीआई कोर्ट को सुनवाई आगे बढ़ाने के लिए आरोपी की प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। यह मामला उन चर्चित फर्जी एनकाउंटर मामलों में शामिल है, जिसने पूरे प्रदेश में पुलिस पर गंभीर सवाल खड़े किए थे।

होली पर महिला ने पति को फूंका

परतावल (महराजगंज), 4 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के महराजगंज जिले के श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र की ग्राम सभा बासपार कोठी टोला पिपरा में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि किसी बात को लेकर विवाद के बाद 60 साल की महिला ने रात सो रहे 62 साल के पति रामपत पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। गांव के चौकीदार की सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोपी पत्नी भागने लगी पर पुलिस वालों ने उसे पकड़ लिया। बाद में चौकीदार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बासपार कोठी टोला पिपरा निवासी सुमित्रा (60) परिवार की आर्थिक हालात के कारण करीब 40 वर्ष पहले मुंबई चली गई थी। वहां उसकी मुलाकात रामपत (62) से हुई। बाद में दोनों ने शादी कर ली। करीब 10 वर्ष मुंबई में रहने के बाद सुमित्रा पति और एक बेटी के साथ घर लौट आई। यहां ग्राम सभा की आबादी की जमीन पर ग्राम प्रधान ने उसका आवास बनवा दिया। कुछ दिन बाद पुनः सभी मुंबई चले गए। करीब सात साल पहले दोनों फिर लौटे लेकिन तब उनकी बेटी साथ नहीं थी। वे भीख मांगकर जीवन यापन करने लगा। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों शराब पीते थे। सोमवार की शाम दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद पति रामपत कमरे में रखी खाट पर सो गया। आरोप है कि सुमित्रा ने उसके ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी और दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। रामपत बचने के लिए कमरे में चिल्लाता रहा लेकिन उसकी आवाज किसी ने नहीं सुनी और उसकी सांस थम गई। सुबह घटना की जानकारी ग्रामीणों को हुई तो रामपत के घर पर भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने दरवाजा खोला तो देखा कि कोने में रामपत का शव बैठी हुई अवस्था में पड़ा था।

गांव के चौकीदार हबीब ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। थोड़ी ही देर में फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्रित किए। मौके पर माचिस और एक बाल्टी बरामद हुई, जिसमें से पेट्रोल की गंध आ रही थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि चौकीदार के शिकायत पत्र पर आरोपी पत्नी सुमित्रा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

एनआरआई की पत्नी से दुष्कर्म का आरोप

ग्वालियर, 4 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक एनआरआई की 28 वर्षीय पत्नी ने अपने 58 वर्षीय ससुर पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। महिला का पति विदेश में एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत है और घटना के समय वह घर पर अकेली थी। आरोप है कि 24 अक्टूबर 2025 की रात करीब 1 बजे ससुर उसके बेडरूम में घुस आया, विरोध करने पर उसका मुंह दबाया और दुष्कर्म कर फरार हो गया।

पीड़िता ने घटना की जानकारी सास और पति को दी, लेकिन उसे चुप रहने के लिए कहा गया। पति ने उसे अपने साथ विदेश ले जाने का आश्वासन दिया। 19 जनवरी को पति उसे मायके छोड़ गया और कहा कि लौटकर साथ ले जाएगा, लेकिन फिर वापस नहीं आया। इसके बाद पीड़िता ने महाराजपुरा थाना में शिकायत दर्ज कराई है। ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र की 28 वर्षीय नवविवाहिता ने शिकायत दर्ज कराई है

'अब शुरू हुआ असली घोटाला'

होली पर दिल्ली में शराब की दुकान खुले रहने पर हमलावर हुई आप

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। होली के अवसर पर दिल्ली में शराब की दुकानों को खुले रखने के फैसले पर अब सियासी विवाद खड़ा होता दिख रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में होली के दिन बिक्री जारी रखने के आदेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। पार्टी नेताओं ने इसे सरकार का विवादित निर्णय बताते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं। दरअसल देश के कई राज्यों में त्योहार पर शराब बिक्री पर रोक रहती है, लेकिन दिल्ली में ऐसा प्रतिबंध लागू नहीं किया गया है।

दिल्ली सरकार के इसी आदेश के बाद राजनीति गरमा रही है। विपक्ष ने इस फैसले को त्योहार की भावना के खिलाफ बताया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि यह निर्णय सामाजिक सौहार्द और सार्वजनिक व्यवस्था पर असर डाल सकता है।

पंजाब प्रभारी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर इसे "असली शराब घोटाले" की शुरुआत बताया। उनका कहना है कि होली जैसे प्रमुख पर्व पर दुकानों को खुला रखना सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करता है। सिसोदिया ने आरोप लगाया कि इससे सरकार को करोड़ों रुपये कमाने की खुली छूट मिल जाएगी। उन्होंने ईडी और सीबीआई से सवाल किया कि क्या वे इस फैसले पर कोई जांच या कार्रवाई करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहले शराब नीति के मुद्दे पर आप नेताओं पर कार्रवाई की गई थी। उस समय बीजेपी ने नैतिकता की बात की, लेकिन अब अपनी सरकार में अलग मानदंड अपनाए जा रहे हैं।

सौरभ भारद्वाज का हमला

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भी भाजपा पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरकार का आदेश साझा करते हुए इसे दोहरा मापदंड करार दिया। आईएएनएस के अनुसार, भारद्वाज ने कहा कि जो सरकार खुद को हिंदूवादी और सनातनी बताती है, वही होली पर शराब की बिक्री की अनुमति दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले आप को बदनाम करने के लिए झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि छठ महापर्व और रविदास जयंती जैसे अवसरों पर भी शराब की दुकानें खुली रखी गईं। उन्होंने पूछा कि त्योहारों के दौरान खुली बिक्री से कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा पर क्या असर पड़ेगा।

इस पूरे मामले पर भाजपा की ओर से अब तक विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि राजनीतिक हलकों में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। होली से ठीक पहले उठे इस विवाद ने राजधानी की राजनीति को फिर से गर्म कर दिया है। आने वाले दिनों में इस फैसले पर और बयानबाजी होने की संभावना जताई जा रही है।

पूर्व एमएलए वंदना कुमारी के पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के शालीमार बाग में आम आदमी पार्टी के नेताओं पर दबंगई और सरकारी कर्मचारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि सीए ब्लॉक स्थित सार्वजनिक पार्क में अवैध रूप से टेंट लगाने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। शालीमार बाग विधानसभा से आप की पूर्व विधायक वंदना कुमारी के पति और उनके साथियों पर नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों के साथ बर्बरतापूर्ण मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगे हैं। एमसीडी के हॉर्टिकल्चर विभाग में तैनात पीड़ित रजनीश कुमार द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक, रजनीश कुमार ने बताया कि सीए ब्लॉक पार्क में बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से एक विशाल टेंट लगाया जा रहा था।

जब उन्होंने और उनके साथी कर्मचारियों ने इसकी अनुमति के बारे में पूछा तो उनसे गाली गलौज की गई, इस घटना पर स्थानीय पार्षद अनिता जैन ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा है कि शालीमार बाग के सीए ब्लॉक पार्क में जो हुआ, वह केवल एक विवाद नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी की बेलगाम गुंडागर्दी का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक वंदना कुमारी के पति सज्जन कुमार एक आदतन अपराधी हैं, जिनके खिलाफ क्षेत्र में मारपीट, गाली-गलौज और लोगों को धमकाने के मामले पहले भी पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हो चुके हैं।

54 घंटे का सफर तय कर पहली बार ट्रेन से चेन्नई चले भालू और लेपर्ड कैट

जम्मू, 4 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए पहली बार जम्मू से चेन्नई तक ट्रेन के माध्यम से चिड़ियाघर जम्मू के वन्य जीवों का सफलता पूर्वक भेजा है। जम्मू रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को ट्रेन नंबर 16032 के विशेष पार्सल कोच (वीपीयू) द्वारा दो लेपर्ड कैट (जंगली बिल्ली) और दो काला भालू को जम्मू रेलवे स्टेशन से तमिलनाडु स्थित एमजीआर चेन्नई स्टेशन के लिए रवाना किया गया। लगभग 2800 किलोमीटर की यह लंबी यात्रा करीब 54 घंटे में पूरी होगी। उत्तर से दक्षिण तक की यह यात्रा न केवल सबसे लंबी वन्यजीव यात्राओं में से एक है, बल्कि सुरक्षित परिवहन के क्षेत्र में भी नया मील का पत्थर मानी जा रही है। वन्य जीवों के सुरक्षित अपने गंतव्य पर पहुंचाने के लिए विशेष पार्सल कोच में सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। यात्रा के दौरान जानवरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की निगरानी के लिए चिड़िया घर के डाक्टरों और वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम मौजूद है।

खाने-पीने की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। पूरी प्रक्रिया में भारतीय मानक ब्यूरो के निर्धारित मानकों का पालन किया गया। जम्मू रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि इससे पहले बेंगलुरु से कश्मीर तक 23 विदेशी सांडों का रेल परिवहन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि रेल मार्ग से परिवहन सड़क मार्ग की तुलना में अधिक सुरक्षित और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी तनावमुक्त रहता है। रेलवे की इस पहल को नई क्षमताओं और बेहतर प्रबंधन का प्रतीक माना जा रहा है।

12वीं के 2 स्टूडेंट्स ने किया सुसाइड

सूरत, 4 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां गुजरात बोर्ड की परीक्षाओं के दौरान दो स्टूडेंट्स ने अपनी जान दे दी है। बताया जा रहा है कि केमेस्ट्री के पेपर के बाद छात्र और छात्रा तनाव में थे। यह घटना सूरत के बारडोली और डिंडोली इलाके से सामने आई है। पेपर देकर आने के बाद दोनों ने आत्महत्या करने का कदम उठा लिया। दोनों छात्र-छात्राओं की मौत से हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों में मौत से कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

41 साल बाद स्मगलिंग केस का अंत

सुप्रीम कोर्ट ने दोषी माना, लेकिन फिर क्यों जेल भेजने से किया इनकार?

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने करीब 41 साल पुराने स्मगलिंग मामले में तीन आरोपियों को दोषी ठहराया है, लेकिन उनकी उम्र और लंबी कानूनी प्रक्रिया को देखते हुए दोबारा जेल भेजने से इनकार कर दिया। मामला 777 विदेशी घड़ियों की अवैध तस्करी से जुड़ा था।

यह केस 1985 का है, जब देश में विदेशी इलेक्ट्रॉनिक सामान, खासकर खाड़ी देशों से लाए जाने वाले प्रोडेक्ट्स की तस्करी आम बात थी। जब्त की गई घड़ियों में सेको, सिटिज़न और रिको जैसी विदेशी कंपनियों के ब्रांड शामिल थे। इस केस की सुनवाई भुज ट्रायल कोर्ट ने 18 साल, एक एडिशनल सेशन कोर्ट ने दो साल, गुजरात हाई कोर्ट ने 5 साल और आखिर में एससी ने 15 साल तक की।

कोर्ट ने किस आधार पर आरोपियों नहीं भेजा जेल?

कोर्ट ने कहा, 'इस केस के बैकग्राउंड में सभी हालात को देखते हुए जिसमें यह बात भी शामिल है कि घटना लगभग चार दशक पुरानी है, अपील करने वाले पहले ही जेल में रह चुके हैं, केस लंबे समय से पेंडिंग है, और बचे हुए अपील करने वालों की ज्यादा उम्र है, हमारा मानना है कि अपील करने वालों को इस समय और जेल में रहने का आदेश देना बहुत ज्यादा सख्त होगा और इससे इंसाफ नहीं होगा'। कोर्ट ने गुजरात हाई कोर्ट के उनके दोषी ठहराए जाने के आदेश को बरकरार रखा, लेकिन हाई कोर्ट की ओर से दी गई तीन साल की जेल की सजा को घटाकर पहले ही काटी जा चुकी जेल की सजा कर दिया। कोर्ट ने कहा, 'मौजूदा मामले के खास तथ्यों और हालात को देखते हुए अपील करने वालों की सज़ा को घटाकर उतना ही किया जाए जितना वे पहले काट चुके हैं।' मुकदमे में 18 साल लगे और आरोपियों को 2003 में दोषी ठहराया गया। उसके सात साल बाद हाई कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी और उनकी सजा और तीन साल की जेल की सजा को बरकरार रखा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसने 14 फरवरी, 2011 को पहली सुनवाई की थी और मामले का फैसला करने में 15 साल लगे।

स्मगलिंग केस में क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

एससी ने कहा, 'पूरे मामले पर विचार करने के बाद, हम हाई कोर्ट की बातों से सहमत हैं। ट्रायल कोर्ट की ओर से दर्ज किए गए दोष के नतीजे, जिन्हें अपील कोर्ट और एचसी ने एक साथ कन्फर्म किया है, उनमें कोई गलत काम, गैर-कानूनी या साफ गलती नहीं है, जिसके लिए इस कोर्ट को संविधान के आर्टिकल 136 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करते हुए दखल देना चाहिए।'

शराब के नशे में कुएं में कूदा युवक

ग्वालियर, 4 मार्च (एजेंसियां)। शराब के नशे में धुत एक युवक ने हंगामा कर दिया। परिजन उसकी हालत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उसने भाइयों को धक्का देकर खुद को छुड़ाया और भागकर कुएं में कूद गया। घटना जनकगंज थाना क्षेत्र की भैंस मंडी में बुधवार सुबह करीब 7 बजे की है। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और युवक को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बढ़ने लगी गर्मी

अधिकतम तापमान 38 डिग्री

हिसार, 4 मार्च (एजेंसियां)। मौसम के मिजाज को देखते हुए मार्च में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। मौसम विभाग ने 9 मार्च तक प्रदेश में दिन का तापमान 35 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान जताया है। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री तक जा सकता है। औसत तापमान 25 डिग्री से अधिक तक रहता है तो गेहूं की पैदावार पर भी असर पडेग़ा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. सीएस डागर ने बताया कि राज्य में मौसम आमतौर पर 8 मार्च तक खुश्क परंतु परिवर्तनशील रहने की संभावना है।

इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 4 मार्च रात्रि से 7 मार्च के दौरान राज्य में कहीं- कहीं आंशिक बादलवाही और हल्की से मध्यम गति से हवा चलने की संभावना है। एचएयू में गेहूं विभाग के विशेषज्ञ डॉ. ओपी बिश्नोई ने बताया कि फिलहाल रात का तापमान 16 से 17 और अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया जा रहा है। दोनों का औसत तापमान 24 से 24.5 डिग्री के बीच है। औसतन तापमान 25 डिग्री से अधिक होने पर गेहूं की फसल में नुकसान की आशंका रहती है।

सांसद और पूर्व मेयर पर एफआईआर

सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप

श्रीनगर, 4 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बुधवार को सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी और पूर्व महापौर जुनैद अजीम मट्टू के खिलाफ 'ऑनलाइन भ्रामक सामग्री प्रसारित करने' के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। यह जानकारी श्रीनगर जिले की पुलिस ने दी। पुलिस ने यहां भी कहा, डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर झूठी, मनगढ़ंत और भ्रामक सामग्री प्रसारित करने के संबंध में विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, जिसका उद्देश्य भय पैदा करना, सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना और गैरकानूनी गतिविधियों को उकसाना है,

श्रीनगर पुलिस ने इस मामले में आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी और जुनैद अजीम मटू के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। बयान में कहा गया है, प्रथम दृष्टया, विचाराधीन सामग्री गलत और अपुष्ट सूचनाओं के प्रसार को दर्शाती है जो सार्वजनिक शांति और सामाजिक

सामंजस्य को बिगाड़ने में सक्षम है। पुलिस ने कहा कि गलत सूचना फैलाने के ऐसे जानबूझकर किए गए प्रयास शांति, सुरक्षा और समग्र स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। आगे यह बताया गया कि तदनुसार, साइबर पुलिस स्टेशन, श्रीनगर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 197 (1) (घ) और 353 (1) (ख) के तहत एफआईआर संख्या 02/2026 और एफआईआर संख्या 03/2026 दर्ज की गई हैं।

दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी गई है। श्रीनगर पुलिस सार्वजनिक शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराती है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन सामग्री साझा करने से पहले आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी की पुष्टि करें और ऐसी अपुष्ट सामग्री प्रसारित करने से बचें जो सांप्रदायिक सद्भाव या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ सकती है। कानून के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों को सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री अपलोड करने से बचने की चेतावनी दी थी, जिससे कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि कई लोगों की पहचान झूठी, मनगढ़ंत और भ्रामक जानकारी फैलाने में शामिल होने के रूप में की गई है, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में शांति और स्थिरता भंग होने की संभावना है। इस बीच, अधिकारियों ने बुधवार को लगातार तीसरे दिन कश्मीर घाटी में प्रतिबंध जारी रखने का फैसला किया है। घाटी के सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 7 मार्च तक बंद रहेंगे। कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा उस दिन होने वाली परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं।

स्पा सेंटर में विदेशी युवतियों संग देह व्यापार

ग्वालियर, 4 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर के पड़ाव थाना क्षेत्र स्थित फूलबाग साईं बाबा मंदिर के पास आमंत्रा स्पा सेंटर पर पुलिस ने छापा मारकर स्पा मैनेजर नितिन खरे सहित दो ग्राहकों को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के दौरान दो थाई युवतियों को अभिरक्षा में लिया गया। अब पूछताछ में पूरे मामले का खुलासा हुआ है। कार्रवाई एएसपी शहर विदिता डागर और डीएसपी महिला सुरक्षा सेल शिखा सोनी के मार्गदर्शन में की गई थी। टीम का नेतृत्व टीआई मुरार मैना पटेल और महिला थाना प्रभारी एसआई रश्मि भदौरिया ने किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि फुल बॉडी मसाज के नाम पर 40 मिनट के 1500 रुपए लिए जाते थे।

इसमें से 500 रुपए मैनेजर और 1000 रुपए युवतियों को दिए जाते थे। मसाज की आड़ में ग्राहकों को यौन सेवाएं दी जाती थीं। स्पा सेंटर के मैनेजर नितिन खरे ने पूछताछ में बताया कि युवतियां एक एजेंट के माध्यम से एक महीने के लिए ग्वालियर लाई जाती थीं। एक महीने बाद उन्हें बदल दिया जाता था। यह गतिविधि करीब एक साल से चल रही थी। छापे के दौरान दो विदेशी युवतियां और दो ग्राहक शैलेन्द्र नारंग व अंकित करोसिया कमरों में मिले। पुलिस ने मैनेजर और दोनों ग्राहकों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान युवतियों के पास से थाईलैंड की नागरिकता संबंधी पहचान पत्र मिले।

भाषा संबंधी दिक्कत के कारण प्रारंभिक पूछताछ टूटी-फूटी अंग्रेजी में की गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवतियां थाईलैंड के पटाया से दिल्ली आईं और वहां से ग्वालियर लाई गईं। पुलिस उन्हें लाने वाले एजेंट की तलाश कर रही है। पुलिस ने मैनेजर के मोबाइल फोन और कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जांच में अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। एएसपी विदिता डागर ने बताया कि मामले की जांच जारी है। विदेशी युवतियों को ग्वालियर लाने की पूरी कड़ी खंगाली जा रही है।

एएसआई के बेटे से विदेश भेजने के नाम पर ठगी, महिला समेत दो ट्रैवल एजेंट गिरफ्तार

हलवारा, 4 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब इंग्लैंड भेजने के नाम पर 40 लाख रुपये की ठगी करने वाले ट्रैवल एजेंट लखवीर सिंह सिद्धू निवासी मुल्लांपुर दाखा और उसकी पार्टनर रीना रानी निवासी अब्बूवाल रोड को सुधार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों न थाना सुधार में तैनात एएसआई मनोहर लाल के बेटे चानणप्रीत सिंह और मोगा के मनविंदर सिंह को ठगा था। थाना सुधार के प्रभारी इंस्पेक्टर गुरदीप सिंह ने बताया कि लखवीर सिंह सिद्धू और रीना रानी के अलावा होशियारपुर के ट्रैवल एजेंट महेश कुमार वर्मा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

इंस्पेक्टर गुरदीप सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ दो केस दर्ज किए गए हैं। एएसआई मनोहर लाल के साथ 33 लाख रुपये की ठगी मामले में तीनों को नामजद किया गया है जबकि मनविंदर सिंह के साथ 6 लाख 50 हजार रुपये की ठगी में लखवीर सिंह और रीना रानी नामजद हैं।

48 साल बाद जगन्नाथ मंदिर के रत्नों की गिनती होगी

पुरी, 4 मार्च (एजेंसियां)। पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की बहुप्रतीक्षित गिनती और लिस्ट बनाने की प्रक्रिया आखिर शुरू होने जा रही है। ओडिशा सरकार ने 25 मार्च को दोपहर 12.12 बजे से 1.45 बजे का शुभ मुहूर्त तय किया है। 'रत्न भंडार' भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के कीमती आभूषणों का खजाना है। 1978 की गिनती के अनुसार, यहां 128.38 किलो सोना और 221.53 किलो चांदी के आभूषण हैं। ये गिनती 72 दिन चली थी। रत्न भंडार काउंटिंग की पूरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की जाएगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने दो वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त करने पर सहमति जताई है, जबकि राष्ट्रीयकृत बैंक पंजीकृत सुनार उपलब्ध कराएंगे।

मुख्य प्रशासक अरविंद पाढ़ी ने बताया कि इस बार गिनती कितने दिन चलेगी, यह कहना जल्दबाजी होगा। राज्य सरकार दो रत्नविज्ञानी भी उपलब्ध कराएगी, जो आभूषणों में लगे बेशकीमती रत्नों की पहचान करेंगे। बाहरी रत्न भंडार में भगवान के दैनिक उपयोग के आभूषण रखे जाते हैं।

गहनों की गिनती के लिए राज्य सरकार ने एसओपी जारी की है। तीन सदस्यीय पैनल प्रक्रिया की निगरानी करेगा। सोने, चांदी और अन्य कीमती आभूषणों के लिए अलग-अलग बॉक्स होंगे। 10 लोग आभूषणों को बॉक्स में रखेंगे। मजिस्ट्रेट खजाने से रोज रत्न भंडार की चाभी लेकर आएंगे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसी दिन वापस जमा करेंगे।

ओडिशा हाईकोर्ट ने 2018 में राज्य सरकार को रत्न भंडार खोलने के लिए निर्देश दिए थे। हालांकि, 4 अप्रैल 2018 को कोर्ट के आदेश पर जब 16 लोगों की टीम रत्न भंडार के चेंबर तक पहुंची तो उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा, क्योंकि ये दावा किया गया कि रत्न भंडार की चाबी खो गई है। चाबी नहीं मिली तो हंगामा हुआ जिसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने 4 जून 2018 को न्यायिक जांच के आदेश दिए। जांच कमेटी ने 29 नवंबर 2018 को चाबी से जुड़ी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी, लेकिन सरकार ने इसे सार्वजनिक नहीं किया और चाबी का कुछ पता नहीं चल सका। 2018 में तत्कालीन कानून मंत्री प्रताप जेना ने विधानसभा में बताया था कि रत्न भंडार में 12,831 भरी (एक भरी 11.66 ग्राम के बराबर) से ज्यादा सोने के जेवर हैं।

इनमें कीमती पत्थर लगे हैं। साथ ही 22,153 भरी चांदी के बर्तन और अन्य सामान हैं। पिछले साल अगस्त में जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति ने राज्य सरकार से सिफारिश की थी कि रत्न भंडार 2024 की वार्षिक रथ यात्रा के दौरान खोला जाए।

'मेरे लिए जज्बातों का समंदर है तमिलनाडु विधानसभा चुनाव', रैली में बोले टीवीके प्रमुख विजय

तंजावुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों और समीकरणों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इसी बीच, अभिनेता से नेता बने विजय थलापति ने अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की तरफ से मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने बुधवार को एक सभा में चुनाव को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं और सत्ताधारी दल पर निशाना साधा। विजय ने तंजावुर में अपनी पार्टी के पदाधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'आने वाला विधानसभा चुनाव दूसरों के लिए एक आम चुनाव हो सकता है, लेकिन मेरे और मुझे चाहने वाले लोगों के लिए यह जज्बातों का समंदर है'। उन्होंने तमिलनाडु की जनता से अपील की कि वे आगामी चुनावों में उन्हें एक मौका दें।

अपने संबोधन में विजय ने कहा कि उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह 'सीटी' है। यह 'सीटी' तमिलनाडु के हर घर और हर मतदान केंद्र में गूंजनी चाहिए, ताकि पार्टी को शानदार जीत मिल सके। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा, 'दिल्ली की टीम क्रिकेट में भी तमिलनाडु की टीम को नहीं हरा सकती'। इसके जरिए उन्होंने आईपीएल टीम सीएसके के नारे 'व्हिसिल पोडू' का भी जिक्र किया। विजय थलापति ने सत्ताधारी डीएमके पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने एक बार फिर डीएमके को 'तीया शक्ति' यानी 'बुरी ताकत' कहा। विजय ने यह भी दावा किया कि अब तो राज्य के बच्चे भी डीएमके को इसी नाम से बुलाने लगे हैं।

खामेनेई की मौत पर भारत के रिएक्शन ने दुनिया का ध्यान खींचा

क्या है भारत की नई विदेश नीति डॉक्ट्रिन, चीन की बढ़ेगी चिंता?

दुबई, 4 मार्च (एजेंसियां)। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले और तेहरान के जवाबी अटैक से दुनिया का बड़ा हिस्सा सीधेतौर पर प्रभावित हो रहा है। इस लड़ाई में दुनिया के अलग-अलग देशों की कई तरह की प्रतिक्रिया आ रही है। इसमें खासतौर से भारत के रिएक्शन ने ध्यान खींचा है। बीते महीने के आखिर में इजरायल का दौरा करने वाले पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने ईरान से 'दूरी' बनाते हुए काफी सोच समझकर बयान दिए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि ये मोदी सरकार की 12 साल से चल रही नीति है, जो अब साफ दिखी है।

स्वराज्यमग की रिपोर्ट कहती है कि यूएई के साथ भारत की एकजुटता और अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर चुप्पी नया डिप्लोमैटिक रुख नहीं है। यह बारह साल में बन रही फरिन पॉलिसी डॉक्ट्रिन का पहला साफ पब्लिक खुलासा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यूएई पर ईरानी हमलों की कड़ी निंदा करना और प्रेसिडेंट अल नाहयान को भाई कहना इंडियन ओशन रीजन (आईओआर) की एक सटीक और नई फॉरेन पॉलिसी डॉक्ट्रिन का खुलासा है।

भारत का नया सिद्धांत क्या है

रिपोर्ट कहती है कि भारत के 12 साल में बनने वाले इस सिद्धांत की शुरुआती परिभाषा इस तरह हो सकती है कि भारत अपनी आर्थिक और मिलिट्री ताकत के साथ इस इलाके में नए गठबंधनों का इस्तेमाल करेगा। इसके लिए भारत और उसके सहयोगियों के हितों की रक्षा की जाएगी। वह ऐसा अपने सहयोगियों की सहमति से आईओआर के लिए नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर बनकर करेगा। यह नीति पहले से बिल्कुल अलग है, जहां मिडिल ईस्ट में शांति का 'इंश्योरेंस' सिर्फ अमेरिका के पास था।

भारत पश्चिम एशिया के साथ काफी ज्यादा नजदीकी रखता है। किसी दूसरे बड़े की ऐसी नजदीकी नहीं है। दोनों कई लेवल पर एक-

दूसरे से जुड़े हुए हैं। भारत का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मार्केट बनने की तरफ बढ़ना पश्चिम एशिया के अपने लंबे समय के प्लान को पूरा तरह से पूरा करता है, ताकि रेवेन्यू के लिए हाइड्रोकार्बन पर पूरी तरह निर्भरता से आसानी से छुटकारा पाया जा सके।

पश्चिम एशिया में भारत और चीन

भारत के अलावा चीन के हित क्षेत्र में हैं। खासतौर से ईरान युद्ध से तेल की कीमतों पर होने वाला असर उसे प्रभावित करेगा। चीन को यह पसंद नहीं आएगा क्योंकि वह इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के लिए आईओआर पर काफी निर्भर है। इसमें कोई शक नहीं है कि वह भारत की नई डॉक्ट्रिन को फेल करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करेगा। साफ है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में काफी कुछ खींचतान देखने को मिलेगी।

जमशेदपुर पुलिस ने मनीष सिंह को किया गिरफ्तार

गोल्डन लीफ रिजॉर्ट में छापेमारी कई मामलों में फरार चल रहे अपराधी को चांडिल से पकड़ा

जमशेदपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर पुलिस ने कई आपराधिक मामलों में फरार चल रहे अपराधी मनीष सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। उसे पड़ोसी जिले सरायकेला-खरसावां के चांडिल थाना क्षेत्र स्थित गोल्डन लीफ रिजॉर्ट से पकड़ा गया है। यह गिरफ्तारी पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। मनीष सिंह की गिरफ्तारी न होने से दो दिन पहले एसएसपी ने नाराजगी व्यक्त की थी। इसके बाद जुगसलाई थानेदार को निलंबित कर गुलाम रब्बानी को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया था। गुलाम रब्बानी ने थाना प्रभारी का पदभार संभालने के 24 घंटे के भीतर मनीष सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को बुधवार तड़के एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर गोल्डन लीफ रिजॉर्ट में छापेमारी कर मनीष को पकड़ा गया।

भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा नहीं करेंगे

नेपाल चुनाव से पहले पूर्व पीएम केपी ओली का बयान

काठमांडू, 4 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल में चुनाव से पहले पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन (यूएमएल) चेयरपर्सन केपी शर्मा ओली ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। चार बार के प्रधानमंत्री रहे ओली ने कहा कि वह भारत और चीन दोनों से अच्छे रिश्ते चाहते हैं। पिछले साल हुए जेन-जी आंदोलन को उन्होंने नेपाल को अस्थिर करने की कोशिश बताया, जिसमें विदेशी शक्तियां शामिल थीं। उन्होंने यह भी कहा कि जेन-जी के विरोध प्रदर्शन को आपराधिक तत्वों ने हाईजैक कर लिया था।

जेन-जी आंदोलन को बताया विध्वंस

स्पुतनिक इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में केपी शर्मा ओली ने कहा कि जेन-जी आंदोलन एक विध्वंस था जिसने राष्ट्रीय सम्पत्ति को नष्ट किया। ओली ने कहा कि इसमें छात्रों को ड्रेस में शामिल किया गया था, जो कि अवैध था। हमने नियम बनाया था कि स्कूली बच्चों को आंदोलन में इस्तेमाल

नहीं किया जा सकता है। इसके बावजूद वहां स्कूल यूनिफॉर्म में बच्चों को बुलाया गया था। ओली ने आगे कहा कि छात्र अपनी मांगें रखकर चले गए थे लेकिन उसके बाद प्रदर्शन को हाईजैक कर लिया गया। आंदोलन क्रिमिनल एलीमेंट के हाथ में चला गया। जेन-जी आंदोलन को नेपाल में अस्थिरता और अराजकता फैलाने के लिए शुरू किया गया था। उसने कोई अच्छा काम नहीं किया। जेन-जी का प्रदर्शन कोई आंदोलन नहीं, बल्कि विध्वंस था। इसने राष्ट्रीय सम्पत्ति को ध्वस्त किया।

नेपाल चुनाव में विदेशी फंडिंग पर दिया जवाब

जब उनसे पूछा गया कि क्या विदेशी ताकतें चुनाव में फंड कर रही हैं और बाहर से प्रेशर बनाया जा रहा है, तो उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें हैं लेकिन मेरे पास ठोस प्रमाण नहीं है। ओली ने कहा कि 'जब तक ठोस प्रमाण नहीं होता, तब तक मैं कुछ नहीं कह सकता। लेकिन कहा जाता है कि बिना आग के धुआं नहीं होता।'

भारत और चीन के साथ रिश्तों पर ओली ने कहा कि हम दोनों के साथ अच्छे रिश्ते चाहते हैं। एक ताकत को दूसरी के खिलाफ नहीं खड़ा करेंगे। उन्होंने कहा कि 'हम आपके पड़ोसियों भारत और चीन के साथ ईमानदार रिश्ते चाहते हैं। हम अपने देश का इस्तेमाल किसी पड़ोसी के खिलाफ नहीं होने देंगे।' पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री ने कहा कि हम पीढ़ी दर पीढ़ी यहीं रहना है। पड़ोसी भी यहीं रहेंगे और हम भी यहीं रहेंगे।

मशहद में दफनाए जाएंगे खामेनेई, दिन-तारीख तय नहीं

सुप्रीम लीडर का ऐलान अगले हफ्ते संभव, इजराइल का दावा- 4 दिन में ईरान के 300 मिसाइल लॉन्चर नष्ट

तेल अवीव/तेहरान, 4 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को मशहद में दफनाया जाएगा। हालांकि दिन-तारीख तय नहीं है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स के मुताबिक खामेनेई को इमाम रजा (अलैहिस्सलाम) की दरगाह के पास सुपुर्दे खाक किया जाएगा। खामेनेई का जन्म भी मशहद में ही 1939 में हुआ था।

ईरान के अगले सुप्रीम लीडर का ऐलान खामेनेई को दफनाने के बाद ही किया जाएगा। मंगलवार को खबर आई थी कि कोम में असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने सुप्रीम लीडर के चुनाव के लिए वोटिंग की है।

असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स में 88 सदस्य होते हैं, जो देश के

सुप्रीम लीडर को चुनते हैं। दरअसल, 28 फरवरी को यूएस-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। तब से पद खाली है।

हालांकि ईरानी अपोजिशन से जुड़े ईरान इंटरनेशनल का दावा है कि असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने आईआरजीसी के दबाव में खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को अगला सुप्रीम लीडर चुन लिया है।

इधर, इजराइल की सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है शनिवार से अबतक इजराइली हवाई हमलों में 300 से ज्यादा ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर नष्ट कर दिए हैं।

जंग में ईरान का नुकसान

4 दिन में 787 लोगों की मौत हो चुकी है।

153 शहरों को निशाना बनाया गया।

कुल 504 जगहों पर 1,039 हमले हुए।

यह जानकारी ईरानियन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने दी है।

इजराइल-ईरान के विमानों की पहली डॉग फाइट

तेहरान के आसमान में भिड़े, आईडीएफ के एफ-35 ने गिराया ईरानी वाईएके-130 जेट

तेल अवीव, 4 मार्च (एजेंसियां)। इजरायली फोर्स (आईडीएफ) ने ईरान के लड़ाकू विमान वाईएके-130 को मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ ने बताया है कि शनिवार को शुरू हुए युद्ध की पहली फाइटर जेट डॉग फाइट में उनके एफ-35आई ने ईरानी वाईएके-130 को मार गिराया। आईडीएफ ने इसे अपनी एयरफोर्स और जेट के लिए बड़ी कामयाबी बताया है। इजरायल ने कहा है कि यह पहला मौका है, जब एफ-35 'अडीर' फाइटर जेट ने किसी इंसान वाले एयरक्राफ्ट को मार गिराया गया है।

अमेरिकन डिफेंस और एयरोस्पेस बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन का एफ-35 दुनिया के सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में गिना जाता है। इजरायल लंबे समय से इसका इस्तेमाल कर रहा है। वहीं रूस से ईरान को मिले वाईएके-130 एक सबसोनिक दो-सीट वाला

एडवांस्ड जेट ट्रेनर और हल्का कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है, जिसे असल में याकोवलेव और एर्मेची ने बनाया था।

ईरान में बुधवार को लगातार पांचवें दिन इजरायल और अमेरिका के हमले जारी हैं। ईरान की राजधानी तेहरान और दूसरे शहरों में धमाके सुने गए हैं। ईरान ने मिसाइल से जवाबी हमले किए हैं। इजरायली सेना ने कहा कि ईरान की ओर से होने वाले मिसाइलों के हमले रोकने के लिए उसने एयर डिफेंस को एक्टिवेट कर दिया गया है।

ईरान, इजरायल समेत पूरे पश्चिम एशिया को हिला देने वाली इस लड़ाई की शुरुआत शनिवार सुबह हुई है, जब ईरान पर अमेरिका-इजरायल का हमला हुआ। इस हमले में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत हो गई है और दूसरे कई बड़े नेताओं की भी हत्या कर दी गई है। ईरान में सैकड़ों बच्चों समेत एक हजार से ज्यादा लोग इस जंग में मारे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यह युद्ध एक महीने या उससे ज्यादा समय तक चल सकता है। दूसरी ओर इजरायल ने लेबनान में भी हमले किए हैं। इजरायल ने कहा है कि वह लेबनानी गुट हिजबुल्लाह के खिलाफ अटैक कर रहा है। इजरायल ने जमीन पर भी लेबनान में ईरान समर्थक हिजबुल्लाह गुट के खिलाफ हमले किए हैं।

इजरायली सेना ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा है कि उसके लड़ाकू विमानों ने तेहरान में ईरानी शासन के बासिज और इंटरनल सिक्योरिटी कमांड सेंटर पर कई हमले किए। आईडीएफ ने कहा कि टारगेट किए गए कमांड सेंटर का इस्तेमाल ईरानी शासन ने पूरे ईरान में कंट्रोल बनाए रखने के लिए किया था।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

गढ़वा, 4 मार्च (एजेंसियां)। गढ़वा जिले के हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के मझिगावां गांव स्थित महुडंड टोला में शॉर्ट सर्किट से एक घर में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर करीब दो लाख रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। घटना में घर के बाहर एस्बेस्टस शेड के नीचे खड़ी मोटरसाइकिल और डीजल पंप पूरी तरह नष्ट हो गए।

बताया जाता है कि महुडंड टोला निवासी कृष्णा यादव उर्फ नन्हक यादव के घर में अचानक बिजली के तार में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं। देखते ही देखते शेड में रखा सामान धू-धू कर जलने लगा। आग इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल और डीजल पंप को बचाने का मौका तक नहीं मिला।

पीड़ित के पुत्र अशोक यादव ने बताया कि उनकी पुत्री संगीता की शादी तय हो चुकी है। 26 अप्रैल को तिलक और 30 अप्रैल को विवाह की तिथि निर्धारित है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर को भी मार डालेंगे

इजराइल की अली खामेनेई के उत्तराधिकारी को खत्म करने की धमकी

तेल अवीव, 4 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर को मार डालने की धमकी दी है। इजरायल के डिफेंस मिनिस्टर ने बुधवार को कहा कि ईरान जिसे भी देश का अगला सुप्रीम लीडर चुनेगा, उसे खत्म किया जाएगा। देश के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में यह कहा है। इजरायल ने शनिवार को ईरान पर हमला करते हुए देश के सुप्रीम लीडर, 86 साल के अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी थी। इसके बाद ईरान नए सुप्रीम लीडर को चुनने की प्रक्रिया में है।

इजरायली रक्षा मंत्री ने बुधवार को एक्स पर लिखा, 'ईरानी शासन की ओर से इजराइल को खत्म करने, अमेरिका और इलाके के देशों को धमकी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईरानी लोगों को दबाने के प्लान को जारी रखने

और लीड करने के लिए अपॉइंट किया गया हर लीडर इजरायल के टारगेट पर रहेगा।' इजरायल ने मंगलवार को ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट की इमारत को भी निशाना बनाया है, जो नया सुप्रीम लीडर चुनेगी।

कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अयातुल्ला खामेनेई के बेटे मोजतबा हुसैनी खामेनेई को ईरान का अगला सुप्रीम लीडर चुना जाना तय है। 36 साल तक देश के सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं था। उनकी मौत के बाद ईरान की तीन सदस्यों वाली काउंसिल सुप्रीम लीडर के नाम पर मोहर लगाएगी।

नया सुप्रीम लीडर सुनने वाली काउंसिल में अयातुल्ला अलीरेजा अराफी, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और चीफ जस्टिस गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई शामिल हैं। फिलहाल यही काउंसिल बड़े फैसले ले रही है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के लगातार हो रहे हमलों और लीडरशिप की मौत की वजह से एक उपापोह की स्थिति है।

अमेरिका और इजरायल ने शनिवार सुबह से ईरान में हमले शुरू किए हैं। इन हमलों में 700 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसमें एक गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में 165 बच्चियों की मौत भी शामिल है। अमेरिका ने तेहरान और दूसरे बड़े शहरों में लगातार सरकारी इमारतों और दूसरे रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया है।

अमेरिका और इजरायल के जॉइंट हमले के ईरान ने जवाबी कार्रवाई में मिसाइलों से हमले किए हैं। ईरान ने इजरायल के शहरों में मिसाइल दागी हैं।

तेज रफ्तार कार में लटका रहा युवक

नीचे गिराकर कुचलने की कोशिश का आरोप लोगों में आक्रोश

साहिबगंज, 4 मार्च (एजेंसियां)। साहिबगंज जिले में एक वीडियो बड़ी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो ने सनसनी फैला दी है। वायरल हुए इस वीडियो में एक युवक को चार पहिया वाहन के दरवाजे से लटकता ले जाते हुए देखा जा रहा है। युवक चलती कार से चिपका हुआ अपनी जान बचाने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आते ही इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना मुख्य सड़क पर हुई, जहां मौजूद कुछ लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। फुटेज में वाहन की रफ्तार तेज दिखाई दे रही है और युवक किसी तरह गिरने से बचने की कोशिश कर रहा है।

ईरान ने सऊदी अरब में भेद दिया अमेरिकी किला

ड्रोन हमले में उड़ाया सीआईए स्टेशन, बड़ी सफलता

रियाद, 4 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब दे रहे ईरान के हाथ बड़ी सफलता लगी है। ईरान ने एक ड्रोन हमले में सऊदी अरब स्थित अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के स्टेशन को उड़ा दिया है। सीआईए का स्टेशन रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास में मौजूद था। संदिग्ध ड्रोन ने सोमवार को सीआईए स्टेशन पर हमला किया। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब पता चला है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी ईरान में विद्रोह भड़काने के लिए कुर्द लड़ाकों को हथियार देने की योजना बना रही है। हमले से ठीक दो दिन पहले अमेरिकी और इजरायल हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इस हमले के लिए लोकेशन सीआईए ने जुटाई थी।

वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में विदेश विभाग के इंटरनल अलर्ट का जिक्र किया था। इससे पता चलता है कि ड्रोन हमले में सीआईए स्टेशन का एक हिस्सा गिर गया और परिसर धुएं से भर गया। स्टेशन को ढांचागत नुकसान भी हुआ है। अमेरिका और सऊदी अरब ने बताया कि दो ड्रोन ने दूतावास कॉम्प्लेक्स पर हमला किया लेकिन यह नहीं बताया कि सीआईए स्टेशन पर कोई असर पड़ा था। शनिवार को इजरायल और अमेरिका के हमले में सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान भड़का हुआ है।

तेहरान ने इजरायल और मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सहयोगियों के खिलाफ लगातार हमले कर रहा है। मंगलवार को ऐसे ही एक ड्रोन हमले में दुबई में अमेरिकी कॉन्सुलेट हिल गया, जब एक बड़े धमाके से वहां आग लग गई। इसके पहले कुवैत में अमेरिकी बेस पर हमले में 6 सैनिक मारे गए थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ईरान पर हमले का आदेश दिया था। शुरुआती स्ट्राइक में सुप्रीम लीडर समेत बड़े नेताओं को मार दिया गया, जो बड़ी सफलता थी। लेकिन ईरान ने अब जिस तरह से जवाब दिया है, उसने व्हॉइट हाउस को हैरान कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्वीकार किया है कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि ईरान अपने पड़ोसियों पर हमला करेगा, जो इस अभियान में हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

ईरान का हमला ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिका ईरान पर हमला करने के लिए कुर्द नेताओं से बात कर रहा है। ईरानी कुर्द मिलिशिया के पास इराक-ईरान बॉर्डर पर हजारों सैनिक हैं, जिन्हें उत्तरी इलाके के कुर्दिस्तान इलाके में समर्थन हासिल है।

शराब दुकान में फायरिंग

रांची, 4 मार्च (एजेंसियां)। रांची जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम अपराधियों ने एक शराब दुकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में सनसनी फैला दी। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने दुकान पर कुल पांच राउंड गोलियां चलाईं। घटना के समय दुकान पर ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे। अचानक हुई फायरिंग से वहां अफरा-तफरी मच गई। आसपास के दुकानदारों ने भी अपनी दुकानें बंद कर दीं। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम के समय इस तरह की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चांदी के रथ पर सवार हुए सांवलिया सेठ

प्रभु संग होली खेलने देशभर से आए भक्त, गलियां गुलाल से लाल हुई

चित्तौड़गढ़, 4 मार्च (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के प्रसिद्ध श्री सांवलिया जी मंदिर में आज बुधवार को होली का पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

मंदिर परिसर में ठाकुर जी के साथ भक्तों ने गुलाल की होली खेली। इस मौके पर मथुरा-वृंदावन जैसा महोत्सव नजर आया, मानो बृज में होली खेली जा रही हो।

राजभोग आरती के बाद सांवलिया सेठ के शालिग्राम स्वरूप को चांदी के रथ पर विराजित कर नगर भ्रमण कराया गया। कस्बे में जहां-जहां रथ

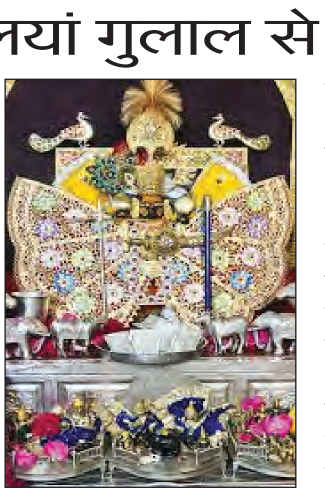

पहुंचा, वहां भक्तों ने ठाकुर जी के साथ होली खेली।

सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी। श्रद्धालुओं ने दर्शन कर होली खेलने का आनंद लिया। भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया।

राजस्थान के अलावा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात समेत देशभर से भक्त आए। ठाकुर जी पर गुलाल उड़ा कर जमकर होली खेली।

ठाकुर जी का रथ मंडफिया कस्बे के अलग-अलग गलियों से गुजरते हुए शाम को वापस मंदिर परिसर पहुंचा। जहां उनके बाल स्वरूप को चांदी के रथ से वापस गर्भ गृह में विराजित कर और विशेष आरती की गई। यह नगर भ्रमण करीब साढ़े 4 घंटे तक रहा।

ईरान पर यूएनएससी में टकराव

रूस और चीन ने अमेरिकी कार्यसूची पर जताई आपत्ति, नहीं मिली मंजूरी

न्यूयार्क, 4 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक अप्रत्याशित घटनाक्रम के तहत मार्च महीने के लिए अमेरिका की अध्यक्षता में तैयार की गई कार्य योजना को रूस और चीन द्वारा ईरान से संबंधित मुद्दों पर आपत्ति जताए जाने के कारण अपनाया नहीं जा सका।

इस घटना ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भीतर बढ़ते ध्रुवीकरण को उजागर किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रत्येक सदस्य देश को मासिक अध्यक्षता संभालने पर उस महीने के लिए परिषद की गतिविधियों, बैठकों और एजेंडे की एक कार्य योजना प्रस्तुत करनी होती है। यह योजना परिषद के सुचारू संचालन और अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा को

व्यवस्थित करने के लिए महत्वपूर्ण होती है। रूस और चीन ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित कार्य योजना के मसौदे पर आपत्ति जताई, जिसमें विशेष रूप से 1737 प्रतिबंध समिति से संबंधित एक ब्रीफिंग का उल्लेख था।

रूस ने स्पष्ट किया कि यह आपत्ति इसलिए उठाई गई क्योंकि प्रस्तावित कार्य योजना में उस समिति पर एक ब्रीफिंग शामिल थी, जिसके बारे में उनका मानना था कि यह सितंबर 2025 में स्नैपबैक तंत्र के तहत फिर से लागू किए गए ईरान विरोधी संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों के कारण फिर से सक्रिय हुई है।

रूस ने फरवरी में भी अमेरिका से इस तरह के आयोजन को कार्य योजना में शामिल न करने का आग्रह किया था, लेकिन उनके अनुरोध को अनसुना कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें मार्च माह की कार्य योजना को अपनाने पर आपत्ति जतानी पड़ी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2015 में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित एक प्रस्ताव अपनाया था, जिसने संयुक्त व्यापक कार्य योजना को लागू किया था।

अगस्त 2020 में, अमेरिका ने इस प्रस्ताव के स्नैपबैक तंत्र का इस्तेमाल किया, जिसके तहत सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों को फिर से लागू कर सकती है।

क्या आप जानते हैं जन्म कुंडली में कितने योग होते हैं?

कौनसा योग है सबसे अच्छा और कौन सा सबसे खतरनाक?

27 योगों में से 9 क्यों माने जाते हैं अशुभ? वैदिक ज्योतिष में 27 योगों का वर्णन मिलता है, जो सूर्य और चंद्रमा की स्थिति से बनते हैं. इन्हें जीवन की घटनाओं और स्वभाव से जोड़ा जाता है. ज्योतिष मान्यता के अनुसार इनमें से 9 योग ऐसे हैं जिन्हें अशुभ या चुनौतीपूर्ण माना गया है।

अशुभ योगों की सूची

इन 9 योगों में मुख्य रूप से-विष्कुंभ, अतिगंड, शूल, गंड, व्याघात, वज्र, व्यतिपात, परिघ और वैधृति योग शामिल बताए जाते हैं. मान्यता है कि इन योगों में जन्म लेने वाले जातकों को जीवन में संघर्ष ज्यादा झेलना पड़ सकता है. ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि ये योग व्यक्ति के स्वभाव, स्वास्थ्य, रिश्तों और निर्णय क्षमता पर असर डाल सकते हैं. हालांकि, यह असर हर व्यक्ति में समान नहीं होता-यह उसकी पूरी कुंडली पर निर्भर करता है।

क्या सच में अशुभ योग जीवन में बाधाएं लाते हैं?

ग्रामीण इलाकों में आज भी बच्चे के जन्म के बाद कुंडली देखकर योग का आकलन किया जाता है. मध्य प्रदेश के एक गांव में रहने वाली सीमा बाई बताती हैं कि उनके बेटे का जन्म व्यतिपात योग में बताया गया था. परिवार ने पूजा करवाई और बच्चे की सेहत को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरती. आज वह पूरी तरह स्वस्थ और पढ़ाई में तेज है. ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां लोग मानते हैं कि पूजा या उपाय के बाद स्थिति बेहतर हुई. वहीं कुछ लोग इसे केवल मानसिक संतोष मानते हैं.

ज्योतिषाचार्य क्या कहते हैं?

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार अशुभ योग का मतलब "निश्चित दुर्भाग्य" नहीं होता. उनका कहना है कि यह केवल संभावित चुनौतियों का संकेत देता है. जैसे-

-व्याघात योग: बाधाएं या अचानक रुकावट

-शूल योग: मानसिक तनाव या संघर्ष

-वैधृति योग: रिश्तों में दूरी

लेकिन ये केवल सामान्य प्रवृत्तियां हैं, तय भविष्य नहीं.

अशुभ योग के उपाय: आस्था या मनोबल?

ज्योतिष परंपरा में इन योगों की शांति पूजा, दान या विशेष मंत्र जाप का उल्लेख मिलता है. माना जाता है कि इससे ग्रहों का नकारात्मक प्रभाव कम होता है. गांवों में आज भी बच्चे के जन्म के बाद "योग शांति" कराई जाती है. कई परिवार इसे जरूरी मानते हैं, खासकर जब कुंडली में अशुभ योग बताया जाए।

बदलती सोच: डर से समझ तक

नई पीढ़ी ज्योतिष को पूरी तरह नकार भी नहीं रही और आंख मूंदकर मान भी नहीं रही. लोग अब इसे संभावित संकेत या सांस्कृतिक परंपरा की तरह देख रहे हैं. शहरों में ज्योतिष सलाह लेने वाले कई लोग कहते हैं कि वे इसे "गाइड" की तरह लेते हैं, फैसला नहीं. वहीं गांवों में आस्था अभी भी मजबूत है, लेकिन वहां भी लोग शिक्षा और अनुभव के आधार पर समझ बना रहे हैं।

घर में अलमारी की सही दिशा क्या होनी चाहिए?

वास्तु शास्त्र में घर की हर वस्तु का एक विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि जब घरेलू सामान सही दिशा और उचित तरीके से रखा जाता है, तो उसका प्रभाव केवल उस वस्तु तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे घर के माहौल पर पड़ता है। अलमारी भी उन्हीं जरूरी वस्तुओं में शामिल है, जिसमें कपड़े, दस्तावेज और कई बार कीमती चीजें रखी जाती हैं। ऐसे में अलमारी की दिशा और उसकी स्थिति को लेकर वास्तु नियमों का पालन करना घर की सुख-शांति और स्थिरता के लिए जरूरी माना जाता है।

अलमारी रखने की सही दिशा

वास्तु के अनुसार अलमारी को घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इस दिशा में रखी अलमारी घर में स्थिरता और सुरक्षा की भावना को मजबूत करती है। इसके अलावा पश्चिम दिशा को भी अलमारी के लिए उपयुक्त बताया गया है। कहा जाता है कि इन दिशाओं में रखी अलमारी में रखा धन और जरूरी सामान लंबे समय तक सुरक्षित रहता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

किन दिशाओं में न रखें अलमारी

वास्तु शास्त्र में उत्तर-पूर्व दिशा को हल्की और खुली ऊर्जा की दिशा माना गया है। इस कारण इस दिशा में भारी अलमारी रखने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि यहां अलमारी रखने से मानसिक दबाव बढ़ सकता है और आर्थिक मामलों में अस्थिरता आ सकती है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि अलमारी के दरवाजे दक्षिण दिशा की ओर सीधे न खुलें, क्योंकि इसे भी शुभ नहीं माना जाता।

अलमारी और जमीन का संबंध

अलमारी को सीधे फर्श पर रखने की बजाय उसके नीचे आधार होना बेहतर माना जाता है। ऐसा करने से अलमारी की स्थिरता बनी रहती है और घर के वातावरण में संतुलन महसूस होता है। अलमारी के नीचे की जगह को साफ-सुथरा रखना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि अव्यवस्था को नकारात्मकता से जोड़ा जाता है।

तिजोरी और अलमारी का उपयोग

अधिकांश घरों में अलमारी के भीतर तिजोरी होती है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार तिजोरी को खाली नहीं छोड़ना चाहिए। माना जाता है कि तिजोरी में कुछ न कुछ सुरक्षित रखने से निरंतरता और संतुलन का भाव बना रहता है। इसके साथ ही अलमारी और तिजोरी को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना भी जरूरी माना जाता है।

अलमारी के ऊपर सामान रखने से बचें

अक्सर जगह की कमी के कारण लोग अलमारी के ऊपर भारी या अनावश्यक सामान रख देते हैं। वास्तु के अनुसार यह आदत ठीक नहीं मानी जाती। कहा जाता है कि अलमारी के ऊपर रखा भारी सामान मानसिक बोझ और अव्यवस्था का संकेत देता है। इसलिए कोशिश करें कि अलमारी का ऊपरी हिस्सा हल्का, साफ और खाली रहे, जिससे घर का वातावरण खुला और संतुलित महसूस हो।

मिट्टी की चीजों को सही जगह रखने के वास्तु टिप्स

दक्षिण-पश्चिम दिशा का संबंध किस तत्व से

जिस तरह से ईशान कोण यानी कि उत्तर-पूर्व दिशा पृथ्वी तत्व से जुड़ा है। वैसे ही दक्षिण-पश्चिम दिशा का संबंध भी पृथ्वी तत्व से होता है। मिट्टी से संबंधित चीजें इस दिशा में रखने से घर या बगीचे में स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

नैऋत्य कोण और मिट्टी की चीजें

यदि आप बगीचे में मिट्टी के बड़े गमले लगवाना चाहते हैं, तो उन्हें नैऋत्य कोण, यानी दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें। इससे आपके घर में धन, संपन्नता और स्थायित्व बढ़ने के योग बनते हैं। वहीं अगर मिट्टी के छोटे गमले लगवाने हैं, तो उन्हें ईशान कोण, यानी उत्तर-पूर्व दिशा (North-East Direction) में रखें। यह दिशा भी सकारात्मक ऊर्जा देती है और छोटे गमलों के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

भारी मिट्टी की चीजों का लाभ

इस दिशा में मिट्टी की भारी वस्तुएं रखने से घर में संतुलन और सुरक्षा बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार इस तरह की व्यवस्था से घर के वातावरण में स्थिरता आती है और परिवार के सदस्य मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत रहते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा में मिट्टी की चीजें रखने का यह सरल तरीका हर घर में अपनाया जा सकता है। उम्मीद है कि आप भी इन वास्तु टिप्स को अपनाकर लाभ उठाएंगे और घर-आंगन में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

यमराज के वरदान से शुरू हुई भाई दूज की परंपरा

होली का बाद आने वाली द्वितीया तिथि बहुत खास होती है। यह पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है। चैत्र महीने की द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन भाई को तिलक करने से उसके जीवन के संकट कम होते हैं। कहा जाता है कि इस दिन गणेश जी और यमदेव की पूजा करनी चाहिए। साथ ही बहनों को अपने भाइयों के सुखद और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए व्रत रखना चाहिए। पूजा के दौरान भाई दूज कथा का पाठ जरूर करें, ताकि भाई की लंबी और सेहतमंद आयु के लिए किए जा रहे इस व्रत का संपूर्ण फल प्राप्त किया जा सके।

होली भाई दूज की पहली पौराणिक कथा

होली के बाद मनाया जाने वाला भाई दूज का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। इस दिन बहन अपने भाई को घर बुलाकर तिलक करती है, आरती उतारती है और प्रेम से भोजन कराती है। भाई भी बहन को उपहार देकर उसके सुख-समृद्धि की कामना करता है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा से दो संतानों का जन्म हुआ- पुत्र यमराज और पुत्री यमुना। कहा जाता है कि सूर्य की प्रचंड किरणों को सहन न कर पाने के कारण संज्ञा देवी उत्तर दिशा की ओर चली गईं। समय बीतने पर यमराज ने अपनी अलग नगरी 'यमपुरी' बसाई, जहां वे पापियों को उनके कर्मों के अनुसार दंड देने लगे।

भाई को कठोर दंडाधिकारी के रूप में कार्य करते देख यमुना जी व्यथित हो गईं और वे गोलोक चली गईं। काफी समय बीत गया, दोनों भाई-बहन का मिलना नहीं हो पाया। एक दिन यमराज को अपनी बहन की याद आई। उन्होंने दूतों को भेजकर यमुना की खोज करवाई, पर वे नहीं मिलीं। अंततः यमराज स्वयं उन्हें ढूंढने निकल पड़े।

वे गोलोक पहुंचे और अंततः मथुरा के विश्राम घाट पर उनकी भेंट यमुना जी से हुई। अपने भाई को सामने देखकर यमुना अत्यंत प्रसन्न हुईं। उन्होंने पूरे विधि-विधान से उनका स्वागत किया, तिलक लगाया और प्रेम पूर्वक स्वादिष्ट भोजन कराया।

बहन के प्रेम और आतिथ्य से प्रसन्न होकर यमराज ने कहा, बहन, आज मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूं। तुम जो वर मांगना चाहो, मांग लो।

यमुना ने कहा, भैया, मेरा वरदान यह हो कि जो भी भाई-बहन आज के दिन प्रेम पूर्वक मिलें, बहन के घर भोजन करें और मेरे जल में स्नान करें, उन्हें अकाल मृत्यु का भय न हो और उन्हें यमपुरी न आना पड़े।

यह वरदान कठिन था, क्योंकि यदि सभी यमपुरी न जाएं तो यमलोक का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। भाई को दुविधा में देखकर यमुना ने कहा, यदि यह संभव न हो, तो कम से कम इतना वर दें कि जो भाई आज के दिन बहन के घर भोजन कर मथुरा के विश्राम घाट पर स्नान करें, उन्हें अकाल मृत्यु का भय न हो। यमराज ने बहन की यह प्रार्थना स्वीकार कर ली। तभी से होली भाई दूज का यह पावन पर्व मनाया जाने लगा। मान्यता है कि आज भी इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने आते हैं।

होली भाई दूज की दूसरी लोककथा

एक नगर में एक वृद्धा अपने पुत्र और पुत्री के साथ रहती थी। पुत्री का विवाह हो चुका था और वह अपने ससुराल में रहती थी। होली के बाद भाई दूज का दिन आया तो बेटे ने अपनी मां से कहा, मां, मैं बहन के घर जाकर तिलक करवाना चाहता हूँ।

माँ ने खुशी-खुशी अनुमति दे दी। बेटा बहन के घर के लिए निकल पड़ा। रास्ते में उसे एक नदी मिली। नदी ने रास्ता रोकते हुए कहा, मैं तुम्हें तभी पार जाने दूंगी जब तुम मुझे वचन दोगे कि लौटते समय मुझे कुछ दोगे। लड़के ने सहर्ष वचन दे दिया।

आगे बढ़ा तो उसे एक शेर मिला। शेर ने भी वही शर्त रखी। लड़के ने उसे भी वचन दिया। थोड़ी दूर पर एक सांप मिला। उसने भी कहा, वचन दो, तभी आगे बढ़ने दूंगा। लड़के ने उसे भी वचन दे दिया।

अंततः वह अपनी बहन के घर पहुँचा। बहन ने प्रसन्न होकर उसका स्वागत किया, तिलक लगाया, आरती उतारी और प्रेम से भोजन कराया। भाई ने बहन को उपहार दिया और उसका आशीर्वाद लिया। जब वह लौटने लगा तो रास्ते में फिर वही नदी, शेर और सांप मिले। लड़के ने अपना वचन निभाया और उन्हें उनकी इच्छा के अनुसार भेंट दी। उसके सत्य और वचन पालन से वे सभी प्रसन्न हो गए और उसे सुरक्षित जाने दिया।

घर लौटकर उसने माँ को सारी बात बताई। मां ने कहा, बेटा, वचन निभाना ही सच्चा धर्म है।

उसी समय भगवान विष्णु प्रकट हुए। उन्होंने कहा, तुमने अपने वचन का पालन किया और बहन के प्रति अपना कर्तव्य निभाया। मैं तुम्हें आशीर्वाद देता हूँ कि तुम्हारा जीवन सुख, समृद्धि और लंबी आयु से भरपूर रहे।

माता के शक्तिपीठों में शामिल है अल्मोड़ा का विमलकोट मंदिर

भारत, जो अपनी प्राचीन और विविध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है, को मंदिरों और ऋषियों की पवित्र भूमि माना जाता है. यहां अनेकों मंदिर और तीर्थ स्थल हैं, जो अपनी अनूठी विशेषता और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाने जाते हैं. उन्हीं में से एक है विमलकोट देवी मंदिर. यह मंदिर देवभूमि उत्तराखंड के अल्मोरा जिले के धौलछीना क्षेत्र में आठ हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जो माता के शक्तिपीठों में शामिल एक प्राचीन मंदिर है. विमलकोट देवी मंदिर मां दुर्गा को समर्पित है. चैत्र नवरात्रि की शुरुआत इस बार 19 मार्च से होगी और समापन 27 मार्च को. ऐसे में चैत्र नवरात्रि के मौके पर देश-विदेश से लाखों की संख्या में भक्त पहुंचकर माता का आशीर्वाद लेते हैं।

भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण

माता विमलकोट मंदिर में प्रत्येक नववर्ष पर मंदिर समिति द्वारा भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें कुमाऊंनी लोक नृत्य, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण के केंद्र होते हैं. मेले में देश-दुनिया से आए हजारों भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है. विमलकोट देवी मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए काफी प्रसिद्ध है।

दूर दूर से आते हैं भक्त

मंदिर को लेकर मान्यता है कि जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से यहां देवी की उपासना करते हैं, माता उनके सभी दुखों को हरके उनकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करती हैं, इसलिए यहां दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मन्नत लेकर आते हैं. मनोकामना पूरी होने के बाद भक्त फिर से माता के दर्शन करने आते हैं और उनकी आंखों में माता की कृपा साफ दिखाई देती है.

मंदिर के चारों ओर सुंदर पहाड़

माता विमलकोट शक्तिपीठ मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जहां से हिमालय की लंबी श्रृंखला दिखाई देती है. मंदिर की खासियत है कि ये चारों ओर सुंदर पहाड़ों और हरे-भरे पेड़ों से घिरा है, जो मंदिर के दृश्य को अलौकिक और अद्भुत बनाता है. मंदिर में भंडारे का भी आयोजन किया जाता है, जिसे श्रद्धालु प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं.

19 मार्च से चैत्र नवरात्रि शुरू

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है और नवमी तिथि के दिन समापन होता है. इस बार चैत्र नवरात्रि की शुरुआत इस बार 19 मार्च से होगी और समापन 27 मार्च को हो रहा है।

27 मार्च को रामनवमी और 28 मार्च को दशहरा का पर्व मनाया जाएगा. नवरात्रि के मौके पर माता विमलकोट शक्तिपीठ में अलग ही रौनक देखने को मिलती है, यहां देश विदेश से लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं।

मुख्य द्वार पर फिटकरी रखने से क्या सच में बदलती है घर की किस्मत?

घर का मुख्य द्वार और ऊर्जा का संबंध वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को ऊर्जा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र माना गया है। माना जाता है कि यहीं से सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की ऊर्जाएं घर में प्रवेश करती हैं। इसी कारण मुख्य द्वार की साफ-सफाई और देखभाल को घर की शांति, समृद्धि और संतुलन से जोड़कर देखा जाता है।

मुख्य द्वार पर फिटकरी रखने की मान्यता

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, मुख्य द्वार के पास फिटकरी रखने या उससे समय-समय पर सफाई करने से घर की ऊर्जा में सकारात्मक बदलाव महसूस किया जा सकता है। कहा जाता है कि फिटकरी एक क्रिस्टल की तरह कार्य करती है, जो आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को अपने भीतर समाहित कर लेती है और घर के अंदर उसके प्रभाव को कम करती है।

नकारात्मक ऊर्जा और बुरी नजर से जुड़ी मान्यताएं

मान्यता है कि फिटकरी भारी और नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर निष्क्रिय कर देती है। खासतौर पर उन घरों में जहां प्रवेश द्वार पर लोगों की आवाजाही अधिक रहती है, वहां इसे बुरी नजर और ईर्ष्या से पैदा होने वाली नकारात्मकता को कम करने वाला माना जाता है।

वास्तुदोष और मानसिक शांति से जुड़ा विश्वास

कुछ वास्तु मान्यताओं के अनुसार, मुख्य द्वार पर कांच के जार में फिटकरी रखने से दिशा से जुड़े सूक्ष्म दोषों का प्रभाव कम हो सकता है। इसे घर में मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आपसी सद्भाव बनाए रखने में सहायक माना जाता है, जिससे तनाव और अनावश्यक कलह में कमी आने की बात कही जाती है।

सेहत और नींद से जुड़ी धारणाएं

फिटकरी के बारे में यह भी विश्वास है कि इसके एंटीसेप्टिक गुण वातावरण को शुद्ध करने में मदद करते हैं। आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह बुरे सपनों, बेचैनी और नकारात्मक प्रभावों से बचाव में सहायक हो सकती है, जिससे नींद और मानसिक सुकून बेहतर होता है।

फिटकरी से जुड़ा रखरखाव

वास्तु मान्यताओं में यह कहा जाता है कि जब फिटकरी का रंग बदलने लगे, तो उसे बदल देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि रंग बदलना इस बात का संकेत है कि फिटकरी ने नकारात्मक ऊर्जा को अवशोषित कर लिया है। इसके बाद पुरानी फिटकरी को घर से बाहर फेंक देना बेहतर माना जाता है।

शास्त्रों और अच्छी पुस्तकों का अध्ययन करेंगे, तो सही विचार मिलेंगे और हम सत्य को अपनाएंगे

सही विचार, सही सोच और सही दृष्टि साधु-संतों की संगति, उनके उपदेशों और शास्त्रों के अध्ययन से मिलती है। महापुरुष बार-बार कहते आए हैं कि शास्त्रों का त्याग नहीं करना चाहिए, क्योंकि शास्त्र कल्याण का मार्ग दिखाते हैं। इसलिए रामायण, भगवद्गीता, उपनिषद का अध्ययन करना चाहिए। शास्त्रों से सद्बुद्धि जागृत होती है। प्रतिदिन सत्य की ओर प्रेरित करने वाली पुस्तकों का अध्ययन जरूर करें।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 5 मार्च - 2026

यूरेनियम से व्यापार तक...

भारत और कनाडा के बीच हाल ही में हुए अहम समझौतों को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। दोनों देशों ने यूरेनियम और दुर्लभ खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति समेत कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती और भविष्य की रणनीतिक साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और कनाडा के रिश्ते उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरे हैं। वर्ष 2023 में उस समय दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था, जब तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता के आरोप लगाए गए थे। भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। इस विवाद के बाद दोनों देशों के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। राजनीतिक तथा व्यापारिक संवाद लगभग ठप पड़ गया था। समय के साथ दोनों पक्षों ने महसूस किया कि टकराव की स्थिति किसी के हित में नहीं है। पिछले वर्ष मार्च में मार्क कार्नी के कनाडा का प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही संबंधों में सुधार और विश्वास बहाली तेज हुई। इसका परिणाम अब ऐतिहासिक समझौतों के रूप में सामने आया है। इन समझौतों के केंद्र में ऊर्जा, खनिज संसाधन, व्यापार और रक्षा सहयोग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। कनाडा से यूरेनियम की आपूर्ति भारत के लिए विशेष महत्व रखती है। इससे भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को आवश्यक ईंधन की निरंतर उपलब्धता रहेगी। समझौते के तहत वर्ष 2027 से 2035 के बीच भारत को लगभग 2.2 करोड़ पाउंड यूरेनियम की आपूर्ति कनाडा से की जाएगी। इससे भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र को गति मिलेगी। इसके साथ ही दुर्लभ खनिजों से जुड़ा समझौता भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आज के समय में इलेक्ट्रिक वाहन, आधुनिक तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों के लिए इन खनिजों की मांग तेजी से बढ़ रही है। कनाडा में इन खनिजों का विशाल भंडार मौजूद है और इससे भारत के लिए सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित हो सकेगी। यह समझौता भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को पंख लग जाएंगे। आर्थिक दृष्टि से भी दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाएं व्यापक हैं। वर्तमान में भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग दस अरब डॉलर के आसपास है, जिसे आने वाले वर्षों में दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिलेगा और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने का निर्णय लिया गया है। द्विपक्षीय रक्षा संवाद की स्थापना, रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी और रक्षा उपकरणों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने जैसे कदम सुरक्षा सहयोग को मजबूत करेंगे। साथ ही समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में संयुक्त प्रयास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और संतुलन बनाए रखने में भी सहायक हो सकते हैं। हालिया समझौते केवल आर्थिक या तकनीकी सहयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विश्वास बहाली और भविष्य की साझेदारी की मजबूत नींव भी रखते हैं। यदि इन समझौतों को प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो भारत और कनाडा के संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत हो सकते हैं और वैश्विक मंच पर सहयोग के कई आयाम स्थापित कर सकते हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध से सोना-चांदी ही नहीं मंहगाई भी बेकाबू होगी

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव केवल भू-राजनीतिक संकट नहीं बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। युद्ध या युद्ध जैसी स्थिति की आशंका ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है। इसका सीधा असर सोना और चांदी जैसी सुरक्षित निवेश धातुओं की कीमतों पर दिखाई दे रहा है जो लगातार उछाल पर हैं। ऐसे में युद्ध अधिक दिनों तक जारी रहेगा तो इससे सोना चांदी के भाव से आसमान छुयेंगे ही, साथ ही साथ मंहगाई भी चरम सीमा पर पहुंचेगी क्योंकि कच्चे तेल के भाव बढने से मंहगाई स्वयं अपना आकार ले लेती है। वैसे भी इन दिनों अमेरिका ने टैरिफ बम से भी अर्थव्यस्था में मंदी ला रखी है जबकि अमेरिका का सुप्रीम कोर्ट के आदेश भी बेअसर दिखाई दे रहे हैं जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डालना शुरू कर दिया है। वित्तीय बाजारों में अस्थिरता पैदा कर दी है। सोने और चांदी की कीमतों पर देखने को मिल रहा है जो लगातार नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रही हैं।

इतिहास गवाह रहा है कि जब - जब दुनिया में युद्ध हुआ है तब-तब आर्थिक संकट गहराता है, निवेशक शेयर बाजार से दूरी बनाकर सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं। सोना और चांदी को पारंपरिक रूप से सेफ हेवन माना जाता है। ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने, वैश्विक व्यापार प्रभावित होने और महंगाई बढने की आशंका ने निवेशकों को कीमती धातुओं की ओर मोड़ दिया है। ज्ञात रहे कि पश्चिम एशिया दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्रों में से एक रही है। यदि युद्व संघर्ष बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल तय है। तेल महंगा होगा तो परिवहन, उत्पादन और उपभोग की लागत बढ़ेगी, जिससे महंगाई तेज हो सकती है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लेकर सतर्क रुख अपनाते हैं और बाजार में अस्थिरता बढ़ती है। इस अस्थिरता का लाभ सोना-चांदी को मिलता है।

अगर ऐसे में युद्ध के मद्देनजर भारत की बात करे तो इसका भारत पर व्यापक असर पड़ सकता है। भारत जैसे देश, जो सोने के बड़े उपभोक्ता में से एक हैं, वहां घरेलू बाजार में कीमतों का सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ता है। शादी-ब्याह का मौसम हो या निवेश का दौर—सोने की बढ़ती कीमतें लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालती हैं। चांदी भी औद्योगिक उपयोग में व्यापक है, इसलिए उसकी कीमतों में उछाल उद्योगों की लागत बढ़ा सकता है। अक्सर देखा गया है कि युद्ध संबंधी खबरों के बीच कीमतें तेजी से चढ़ती हैं, लेकिन हालात सामान्य होते ही कुछ हद तक स्थिरता लौट आती है।

इसलिए निवेशकों को भावनात्मक निर्णय लेने से बचना चाहिए। दीर्घकालिक निवेश रणनीति और संतुलित पोर्टफोलियो ही समझदारी भरा कदम है।ईरान- इजरायल तनाव ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वैश्विक राजनीति का सीधा प्रभाव आम आदमी की थाली और तिजोरी दोनों पर पड़ता है। सोना-चांदी की कीमतों में उछाल केवल बाजार की हलचल नहीं बल्कि विश्व व्यवस्था में बढ़ती अस्थिरता का संकेत है। ऐसे समय में सरकारों को कूटनीतिक समाधान की दिशा में सक्रिय होना चाहिए और निवेशकों को संयम और विवेक से काम लेना चाहिए। बातचीत से हल निकालना चाहिए। इसके लिए शांति पहल देशों को आगे आना चाहिए ताकि आगामी नर संहार को रोका जा सके।

अमेरिका, इजरायल - ईरान युद्ध

विचार, वर्चस्व और संप्रभुता का खूनी संघर्ष

डॉ घनश्याम बादल

अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले आज की वैश्विक राजनीति का वह क्रूर चेहरा है, जहाँ 'शक्ति ही नीति' है और नीति नैतिकता का स्थान ले चुकी है। अमेरिका और इज़रायल के लिए ईरान केवल एक देश नहीं, बल्कि ऐसी शक्ति संरचना है जो उनके प्रभुत्व वादी ढाँचे को चुनौती देती है, उनकी भू-राजनीतिक रणनीति को असहज करती है और उनकी वैश्विक व्यवस्था के लिए वैचारिक ख़तरा बन लगती है। ईरान के विरुद्ध इस आक्रामकता की जड़ें तो स्वार्थपरक राजनीति में हैं, लेकिन उसकी शाखाएं अर्थव्यवस्था, समाज और वैश्विक शक्ति-संतुलन तक फैली हुई हैं।

ईरान ने पश्चिमी वर्चस्व को स्वीकार करने से इनकार किया है । उसने न केवल अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता को सर्वोपरि रखा, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति-केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। यह वही 'प्रतिरोध की धुरी' है, जो अमेरिकी-इज़रायली प्रभाव क्षेत्र को सीधी चुनौती देती है। वैचारिक धरातल पर इज़रायल के लिए यह चुनौती अस्तित्व का प्रश्न है, क्योंकि ईरान न केवल उसकी नीतियों का विरोध करता है, बल्कि उसके प्रभुत्व को भी अस्वीकार करता है। जबकि अमेरिका के लिए यह टकराव इससे भी ज़्यादा मायने रखता है क्योंकि ईरान उसकी वर्ल्ड लीडर की भूमिका,सैन्य-संधि व्यवस्था और आर्थिक एकाधिकार के लिए सीधी चुनौती है। ऊर्जा संसाधनों की दृष्टि से एक वैश्विक शक्ति है। तेल और गैस के विशाल भंडार, फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर रणनीतिक प्रभाव, और वैकल्पिक ऊर्जा व्यापार मार्गों की संभावनाएँ,ये सभी वैश्विक पूंजी के समीकरणों को प्रभावित करती हैं। अमेरिका और उसके सहयोगियों की नीति हमेशा से रही है कि वैश्विक ऊर्जा प्रवाह उनके नियंत्रण में रहे, इसके विपरीत, ईरान रूस और चीन जैसे देशों के साथ मिलकर एक वैकल्पिक आर्थिक धुरी खड़ी करने की कोशिश करता रहा है, जो डॉलर आधारित वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देती है इसीलिए यह संघर्ष केवल बम और मिसाइलों का नहीं है, मुद्रा, बाजार, व्यापार मार्ग और संसाधनों के नियंत्रण का भी युद्ध है। सामाजिक स्तर पर यह टकराव पश्चिमी आधुनिकता बनाम इस्लामी-सांस्कृतिक स्वायत्तता का संघर्ष है। ईरान जिस सामाजिक मॉडल को अपनाता है, वह पश्चिमी उदार लोकतांत्रिक ढाँचे से भिन्न है। यह भिन्नता जीवन-दृष्टि, और सांस्कृतिक पहचान की है। इसलिए यह युद्ध एक वैचारिक युद्ध भी है, जहाँ मीडिया, सूचना, प्रचार और मनोवैज्ञानिक दबाव भी हथियार बन रहे हैं। बेशक, अमेरिका और इसराइल बहुत ताकतवर हैं लेकिन सामरिक दृष्टि से ईरान को कमज़ोर आंकना ऐतिहासिक भूल होगी। प्रत्यक्ष सैन्य शक्ति में अमेरिका और इज़रायल तकनीकी रूप से भले ही आगे हों, लेकिन ईरान की असममित युद्ध क्षमता उसे अत्यंत प्रभावी बनाती है। मिसाइल तकनीक, ड्रोन नेटवर्क, साइबर युद्ध क्षमता और क्षेत्रीय सहयोगी समूह उसे एक ऐसे देश के रूप में स्थापित करते हैं जो पारंपरिक युद्ध के नियमों से नहीं, बल्कि नेटवर्क आधारित युद्ध से लड़ता है। यही कारण है कि यह संघर्ष किसी निर्णायक युद्ध में बदलने के बजाय एक लंबे, थकाऊ और व्यापक अस्थिरता के रूप में फैले की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। बीते समय में आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरानी समाज को कमजोर किया है, महँगाई और बेरोज़गारी ने असंतोष को जन्म दिया है, लेकिन बाहरी हमलों ने एक विरोधाभासी स्थिति भी पैदा की है-जहाँ सत्ता के प्रति आलोचना के बावजूद राष्ट्र के प्रति निष्ठा मजबूत होती है। बाहरी ख़तरा समाज को विभाजित करने के बजाय एक प्रकार की राष्ट्रीय एकजुटता पैदा करता है, जो सत्ता को वैधता भी देता है और विरोध को सीमित भी करता है। अब तक इस संघर्ष में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई सहित कई बड़े सैन्य और रणनीतिक नेतृत्वकर्ता मारे जा चुके हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा और वैज्ञानिक कार्यक्रमों से जुड़े प्रमुख नाम, और क्षेत्रीय अभियानों के योजनाकार टकराव की भेंट चढ़ चुके हैं। ईरान विरोधी ताकतों की एक रणनीति है नेतृत्व, ज्ञान और संरचना को तोड़ने की नीति, ताकि ईरान की दीर्घकालिक सामरिक क्षमता कमजोर हो सके।

वैश्विक स्तर पर इसके प्रभाव दूरगामी और विनाशकारी हैं। ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक मुद्रास्फीति का दबाव, विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर संकट और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों की अनिश्चितता इस संघर्ष के प्रत्यक्ष परिणाम होंगे। यह युद्ध दुनिया को स्पष्ट रूप से दो ध्रुवों में बाँट रहा है। एक ओर अमेरिका-इज़रायल और उनके सहयोगी हैं, दूसरी ओर ईरान के साथ सहानुभूति रखने वाली शक्तियाँ। हैं अभी तक रूस और चीन इस संघर्ष में प्रत्यक्ष भागीदार नहीं है लेकिन रणनीतिक रूप से गहराई से जुड़े हैं, क्योंकि ईरान की स्थिरता उनके भू-राजनीतिक और आर्थिक हितों से जुड़ी है। तुर्की, सऊदी अरब और खाड़ी देशों के लिए यह युद्ध क्षेत्रीय संतुलन को अस्थिर करने वाला कारक है। भारत पर ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, समुद्री मार्गों और प्रवासी नागरिकों के माध्यम से युद्ध का गहरा प्रभाव पड़ेगा। यह संघर्ष यदि रोका नहीं गया, तो यह केवल मध्य-पूर्व का संकट नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक संकट में बदल जाएगा। यह एक ऐसी आग है, जो धीरे-धीरे पूरे अंतरराष्ट्रीय तंत्र को अपनी चपेट में ले सकती है। युद्ध का विस्तार केवल भौगोलिक नहीं होगा, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर पूरी दुनिया को अस्थिर करेगा। संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संस्थानों की भूमिका अब बेमानी बन चुकी है। वास्तविक आवश्यकता है एक नई वैश्विक राजनीतिक इच्छा-शक्ति की, जहाँ संवाद को युद्ध से ऊपर रखा जाए, संतुलन को प्रभुत्व से ऊपर और सह-अस्तित्व को वर्चस्व से ऊपर। प्रतिबंधों की राजनीति, सैन्य दबाव और रणनीतिक घेराबंदी ने अब तक केवल हिंसा को जन्म दिया है, समाधान नहीं। यह संघर्ष केवल ईरान, अमेरिका या इज़रायल का प्रश्न नहीं,वैश्विक नैतिकता का प्रश्न है। यह उस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का आईना है, जहाँ ताकतवर देशों के लिए युद्ध नीति है और कमज़ोर देशों के लिए नियति। यदि यह युद्ध नहीं रुका, तो इतिहास इसे एक और ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज करेगा, जहाँ मानवता ने विवेक के बजाय वर्चस्व को चुना, संवाद के बजाय हथियारों को और न्याय के बजाय शक्ति को। यही वक्त है जब दुनिया को तय करना होगा कि वह शक्ति की राजनीति के साथ चलेगी या शांति की राजनीति के साथ और यदि यह चुनाव अब नहीं हुआ, तो भविष्य में विकल्प ही नहीं बचेगा।

शराब नीति: दोष से डिस्चार्ज होते ही आप रिचार्ज

ऋतुपर्ण दवे

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और बांकी अन्य 23 अभियुक्तों को शराब घोटाले के मामले में अदालत ने डिस्चार्ज कर दिया। जब अदालत को लगता है कि चार्जशीट में कई खामियां हैं जिनका समर्थन किसी गवाह या बयान से नहीं होता और प्रथम जिन धाराओं में मुकदमा चलना चाहिए, वो न हों तो अभियुक्तों को डिस्चार्ज भी किया जा सकता है। जबकि अदालत सभी गवाहों के बयान और बचाव पक्ष के सारे सबूत देख कर, किसी अभियुक्त को निर्दोष करार देती है, तो बरी करना कहलाता है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई द्वारा रखे सबूतों को न केवल कमजोर बल्कि बेहद नाकाफी माना। इस फैसले को लेकर पूरे देश में एक नई बहस शुरू हो गई। सीबीआई और ईडी के कामकाज के तौर तरीकों पर हमेशा से उंगली उठती रही।

बड़ी जांच एजेंसियों की छवि पर भी बड़ा सवाल है। निश्चित रूप से इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं जो झलकता भी है। आम आदमी पार्टी पर दर्ज मामलों के पीछे राजनीतिक विद्वेष समझ आने लगा है। लोगों के जेहन में था, है और फिर कौंधगा कि क्या जानबूझकर ऐसे मामले राजनीतिक पूर्वाग्रहवश दर्ज किए जाते हैं? पूरे मामले को देखने-समझने से ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपियों के खिलाफ आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं था बल्कि प्रस्तुत आरोप पत्र (चार्ज शीट) में जबरदस्त खामियां और विरोधाभास भी था। अब मामला भले ही राजनीतिक प्रतिद्वन्दिता का हो, देश की सबसे बड़ी और विश्वनीय समझे जाने वाली जांच एजेंसी को शामिल करने से कामकाज पर फिर उंगली उठ गई। ऐसा पहली बार भी नहीं है और न आखिरी बार होगा। दिल्ली की बहुचर्चित शराब नीति से जुड़े मामले में आए फैसले को बड़ा और अहम माना जा रहा है। इसने स्पष्ट किया कि महज दावों से काम नहीं चलेगा। आरोपों पर भरोसे के साथ में ठोस और पर्याप्त सबूत हों, जो नहीं थे। अदालत ने कई बार कहा कि जांच एजेंसी की ओर से प्रस्तुत सबूत काफी कमजोर और अपर्याप्त हैं। बरी होने के क्रम में सबसे पहले कुलदीप सिंह, जो आबकारी विभाग में कमिश्नर रहे उन्हें, फिर मनीष सिसोदिया और उनके बाद अरविंद केजरीवाल डिस्चार्ज किए गए।

चार्जशीट खामियों से भरी थीं जिससे सवाल उठता है कि क्या जांच एजेंसी पर दबाव था? जांच एजेंसी को पता था कि आरोपों में दम नहीं है और सबूत नाकाफी है तो जल्दबाजी में बिना अध्ययन, चार्जशीट क्यों प्रस्तुत की गई। यह तो समझ आता है कि मामले के जांचकर्ताओं ने बेमन से केवल औपचारिकता निभाई। अदालत ने साफ कहा कि कई बिंदुओं का संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसी चलते सभी को राहत मिली।

दरअसल अदालतें सबूतों को प्रथम दृष्टया देख, तय करती हैं कि किन धाराओं में मुकदमा चलना चाहिए। सीबीआई का आरोप था कि दिल्ली में 2021 में लाई गई नई शराब नीति एक साजिश थी जिसे चुनिंदा लोगों के लाभार्थ लाया गया। बाद में इसे हटा दिया गया। काफी वृहद फैसला जो कि 549 पन्ने का है में अदालत ने कई बार सीबीआई की जांच पर सवाल उठाए और कड़ी निंदा की। मामले की शुरुआत चुनाव प्रचार से जुड़ी कंपनियों से और छोटे व्यापारियों पर केन्द्रित थी जो बढ़ते-बढ़ते आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं तक जा पहुंची। अदालत की यह टिप्पणी काफी मायने रखती है कि पूरा मामला महज कल्पनाओं यानी धारणाओं पर आधारित है न कि पुख्ता सबूतों पर। ऐसे में जांच टीम सवाल उठना स्वाभाविक है।

यहां तक कि कोई भी सबूत यह नहीं दर्शाता कि मनीष सिसोदिया कथित पैसों के लेन-देन में शामिल थे। अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ एक भी बरामदगी, दस्तावेज या पैसों के लेन-देन या ट्रांसफर का कोई सबूत पेश कर पाई। बड़ी बात यह रही कि कथित घोटाले से जोड़ने खातिर इलेक्ट्रॉनिक वार्तालाप, दस्तावेज या लेन-देन का डिजिटल साक्ष्य भी नहीं है। अदालत ने पाया कि स्वतंत्र जांच करने पर भी पैसों की लेन-देन की कड़ी ऐसे दस्तावेजों पर आधारित है जो कतई कानूनन स्वीकार्य नहीं हैं। बयान भी ऐसे हैं जिसकी पुष्टि तक नहीं हुई। अदालत ने इन्हें मामूली कमियां न मान पूरे मामले की बुनियाद को ही शुरुआत से कमजोर माना। वहीं तथ्यों से अदालत संतुष्ट हुई कि शराब नीति एक सोची समझी थी जो सुपात्रों से विमर्श कर, विधिवत लाई गई। जबकि दिल्ली के उप राज्यपाल से विचार-विमर्श की कोई कानूनी या संवैधानिक जरूरत ही नहीं थी तब भी उनसे राय लेकर, नीति में जोड़ा गया।

पूरे मामले में केजरीवाल और सिसोदिया नहीं बल्कि जन सेवक, निजी व्यापारी और राजनीतिक दल के स्वयंसेवक भी शामिल थे। सीबीआई ने पाया कि जिन कुछ कारोबारियों को नई शराब नीति से फायदा हुआ वो 'साउथ ग्रुप' के थे। इस पर भी अदालत की आपत्ति आई कि नाम लोगों के क्षेत्र से जुड़ा है जिसका कानून से कोई मतलब नहीं। साउथ ग्रुप नाम प्रतिकूल प्रभाव के लिए उपयोग हुआ। अदालत ने यहां तक कहा कि कथित साजिश शुरूआत से ही लचर रही और लगने लगा कि सारा कुछ महज अटकलों का खेल है जो न कानूनन मान्य है और न ही सबूतों पर आधारित है।

सरकारी गवाह बनाते वक्त भी कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ। बार-बार नए आरोप जोड़ने से लगता है कि ऐसे लोगों को भी फंसाया गया जिनके विरुध्द ठोस आधार ही नहीं था। केजरीवाल और सिसोदिया समेत कई अभियुक्तों पर प्रवर्तन निदेशालय, यानी ईडी, द्वारा एक 'मनी लॉंडरिंग' केस भी चल रहा है। देखना है इस मामले में इस फैसले का कैसा असर पड़ता है? यह तो तय है कि राउज एवेन्यू कार्ट के फैसले को चुनौती दी जाएगी। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसा क्यों होगा। बहरहाल बड़ी और प्रतिष्ठित जांच एजेंसियों को केन्द्रीय सत्ता की कठपुतली या तोता कहलाना अब भारत जैसे देश में अच्छा जरूर नहीं लगता! हां, आम आदमी पार्टी जरूर सुकून और जोश से भरी है क्योंकि डिस्चार्ज होने से एक तरह से नया जीवनदान जो मिला।

मोदी की इज़राइल यात्रा कूटनीतिक संतुलन निरंतरता एवं आत्मविश्वास का परिचायक

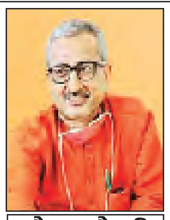

गौतम चौधरी

विगत दिनों 25 व 26 फ़रवरी 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय आधिकारिक इज़राइल यात्रा, जो 2017 की ऐतिहासिक यात्रा के बाद उनकी दूसरी यात्रा थी, भारत की पश्चिम एशिया नीति में किसी बड़े बदलाव के बजाय निरंतरता को दर्शाती है। यह यात्रा एक परिपक्व होती साझेदारी में भारत के आत्मविश्वास को प्रदर्शित करता है। साथ ही रणनीतिक स्वायत्तता, संतुलित कूटनीति एवं राष्ट्रीय हित आधारित विदेश नीति के स्थायी सिद्धांतों को भी रेखांकित करता है।

पश्चिम एशिया के प्रति भारत की विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से व्यावहारिक और बहु-दिशात्मक रही है। प्रतिस्पर्धी क्षेत्रीय गुटों के साथ कठोर रूप से जुड़ने के बजाय, नई दिल्ली ने इज़राइल, अरब देशों और ईरान, सभी के साथ समानांतर संबंध बनाए रखे हैं। इन संबंधों का आधार ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, प्रवासी भारतीयों का कल्याण, आतंकवाद-रोधी सहयोग और तकनीकी साझेदारी जैसे व्यावहारिक हित रहे हैं। क्षेत्र की जटिल परिस्थितियों ने संतुलित और सूक्ष्म कूटनीति की मांग की है, और भारत ने हमेशा शून्य-योग दृष्टिकोण से बचने की कोशिश की है। बता दें कि भारत-इज़राइल संबंधों की नींव 1992 में पड़ी। इससे पहले भारत और इजरायल के बीच द्विपक्षीय संबंधों का अभाव था। पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व वाली नरसिंहाराव की सरकार ने इजरायल के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किए। इसके बाद विभिन्न सरकारों के दौरान सहयोग लगातार बढ़ता गया, जो द्विपक्षीय निरंतरता को दर्शाता है। इज़राइल भारत का एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार बनकर उभरा है। इजरायल के साथ व्यापारिक संबंधों का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तो कृषि, जल प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, नवाचार और उन्नत तकनीक के क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार हुआ है। यह साझेदारी अचानक बदलाव का परिणाम नहीं बल्कि साझा रणनीतिक हितों के आधार पर धीरे-धीरे विकसित हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इज़राइल के साथ संबंधों को फ़िलिस्तीन मुद्दे से प्रभावी रूप से "डी-हाइफ़नेट" किया। इसका अर्थ है कि इज़राइल के साथ संबंधों को उसके अपने रणनीतिक महत्व के आधार पर आगे बढ़ाना, बिना उन्हें केवल फ़िलिस्तीन के संदर्भ में सीमित किए। साथ ही, भारत ने दो-राष्ट्र समाधान के समर्थन की अपनी पारंपरिक नीति को बरकरार रखा है और फ़िलिस्तीनी नेतृत्व के साथ राजनयिक संपर्क जारी रखा है, जो संतुलित कूटनीति को दर्शाता है।

यह यात्रा ऐसे समय हुई जब क्षेत्रीय परिस्थितियाँ अस्थिर थीं-गाज़ा युद्धविराम के बाद तनाव, अमेरिका-ईरान संबंधों में खींचतान और बदलते भू-राजनीतिक समीकरण, साफ तौर पर दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग से मुलाकात तथा केनेसट में उनका संबोधन रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप, कनेक्टिविटी, शिक्षा और नवाचार पर केंद्रित रहा। संसद में मिले सम्मान और सांस्कृतिक प्रतीकों ने यह दिखाया कि द्विपक्षीय संबंध अब केवल रक्षा सौदों तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक रणनीतिक और सामाजिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

कुछ आलोचकों ने इज़राइल की हालिया कार्रवाइयों पर वैश्विक आलोचना के बीच यात्रा के समय पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, भारत की कूटनीति यह दर्शाती है कि वह एक साथ कई साझेदारियों को संतुलित रूप से संभालने में सक्षम है। इज़राइल के साथ संबंध मजबूत करने से खाड़ी देशों-जैसे यूएई और सऊदी अरब-के साथ भारत के संबंध कमजोर नहीं हुए हैं। ऊर्जा सहयोग, व्यापार विस्तार और पश्चिम एशिया में बसे विशाल भारतीय प्रवासी समुदाय भारत की क्षेत्रीय नीति के महत्वपूर्ण स्तंभ बने हुए हैं।

भारत की इस नीति को बहु-वेक्टर कूटनीति कहा जा सकता है-जहाँ सभी प्रमुख क्षेत्रीय शक्तियों के साथ संबंध बनाए जाते हैं, जबकि किसी एक के साथ विशेष प्रगाढ़ता से बचा जाता है। हाल के वर्षों में कई अरब देशों और इज़राइल के बीच बढ़ती खुली सहभागिता ने भी भारत के लिए इस संतुलित नीति को बनाए रखना आसान बनाया है।

सच तो यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा बदलाव नहीं बल्कि निरंतरता का प्रतीक है। भारत की पश्चिम एशिया नीति समय के साथ अधिक खुली और आत्मविश्वासी अवश्य हुई है, लेकिन उसके मूल सिद्धांत-रणनीतिक स्वायत्तता, व्यावहारिक यथार्थवाद और संतुलित सहभागिता-अपरिवर्तित रहे हैं। यह यात्रा दर्शाती है कि भारत जटिल क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धाओं के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को खुले रूप से आगे बढ़ाने में सक्षम है। बदलते वैश्विक गठबंधनों और अनिश्चितताओं के दौर में, यही निरंतरता भारत की कूटनीतिक शक्ति बनकर उभरती है।

डाइट कंट्रोल और समोसे का सम्मोहन

डॉ. सुरेश कुमार

मनुष्य के जीवन में 'संकल्प' और 'समोसे' का वही रिश्ता है जो चूहे और बिल्ली का होता है। आप कितनी भी बड़ी 'डाइट कंट्रोल' की दीवार खड़ी कर लें, एक गरम समोसा उस दीवार के नीचे से 'सुरंग' बनाकर आपके आत्मबल को धराशायी कर देता है। हमारे मित्र 'गजाधर बाबू' ने जब से डॉक्टर की यह बात सुनी कि उनका शरीर अब 'इंसानी शरीर' कम और 'फैट का गोदाम' ज्यादा लग रहा है, उन्होंने 'डाइट' का भीषण व्रत ले लिया।

गजाधर बाबू ने घोषणा कर दी कि अब वे केवल 'घास-फूस' यानी सलाद पर जीवित रहेंगे। उनके डाइनिंग टेबल पर अब खीरे, ककड़ी और उबली हुई लौकी का साम्राज्य था। वे इन चीजों को ऐसे देखते थे जैसे कोई मुजरिम अपनी हथकड़ियों को देखता है। श्रीलाल शुक्ल के शब्दों में कहें तो, गजाधर बाबू का यह त्याग वैसा ही था जैसे कोई भ्रष्ट अधिकारी रिटायरमेंट के बाद 'सत्य और अहिंसा' पर प्रवचन देने लगे। लेकिन विधाता को कुछ और ही मंजूर था। एक शाम गजाधर बाबू दफ्तर से लौट रहे थे। रास्ते में 'मुन्ना हलवाई' की दुकान थी। मुन्ना हलवाई के यहाँ समोसे तलने की क्रिया किसी 'यज्ञ' से कम नहीं होती। कड़ाही में खौलता हुआ तेल, और उसमें गोते खाते हुए सुडौल समोसे—जैसे स्वर्ग की अप्सराएँ अमृत कुंड में स्नान कर रही हों।

समोसे की वह सोंधी खुशबू जब गजाधर बाबू की नासिकाओं से टकराई, तो उनके 'डाइट संकल्प' के फेफड़े फूलने लगे। उनका मन चिल्लाया-भाग गजाधर, ये मायाजाल है! पर उनका पेट पलटकर बोला- अबे रुक! देख तो सही, आलू का वो श्रृंगार, मसालों की वो जुगलबंदी! गजाधर बाबू दुकान के सामने ऐसे ठिठक कर खड़े हो गए जैसे कोई सन्यासी अपनी पुरानी प्रेमिका को देख ले। उन्होंने सोचा, एक समोसे से क्या होगा? न्यूटन ने भी तो कहा था कि हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, तो एक समोसे की प्रतिक्रिया में मैं कल दो किलोमीटर ज्यादा चल लूँगा। यह वह तर्क है जो दुनिया का हर डाइट करने वाला इंसान खुद को 'बेवकूफ' बनाने के लिए इस्तेमाल करता है।

वे दुकान के करीब पहुँचे। समोसा एकदम गरम था, उसकी पपड़ी ऐसी कुरकुरी कि छूने मात्र से 'साहित्यिक संगीत' पैदा हो। गजाधर बाबू ने समोसे को हाथ में लिया। वह उनके हाथ में ऐसे थिरक रहा था जैसे कोई नवजात शिशु। उन्होंने उसे चटनी में डुबोया-हरी चटनी यानी तीखा प्रहार और लाल चटनी यानी मीठा धोखा। जैसे ही उन्होंने पहला निवाला लिया, उन्हें लगा कि उनके भीतर की 'कैलोरी' पुलिस ने हड़ताल कर दी है और 'कोलेस्ट्रॉल' के गुंडे जश्न मनाने लगे हैं। स्वाद ऐसा कि उन्हें लगा जैसे मोक्ष का द्वार उनके तालू में खुल गया है। गजाधर बाबू अभी दूसरे समोसे पर हाथ साफ़ कर ही रहे थे कि अचानक उनके पीछे एक परिचित आवाज़ गूँजी-अरे गजाधर भाई! ये क्या? आप तो कह रहे थे कि अब आप केवल उबला हुआ पानी और हवा खाकर जिएंगे? पीछे उनके डॉक्टर खड़े थे, जो खुद हाथ में 'जलेबी' का दोना थामे हुए थे। गजाधर बाबू का समोसा उनके हाथ में ही जम गया। वे हड़बड़ाए, पर हार मानने वाले कहाँ थे। गजाधर बाबू ने बड़ी गंभीरता से कहा, अरे डॉक्टर साहब, आप गलत समझ रहे हैं। दरअसल मैं तो इस समोसे का 'पोस्टमार्टम' कर रहा था। मैं देख रहा था कि मुन्ना हलवाई इसमें कितना 'हानिकारक' फैट डालता है, ताकि मैं कल सुबह ग्रुप में सबको इसके नुकसान बता सकूँ। और आप? आप ये जलेबी क्यों ले रहे हैं?डॉक्टर साहब ने भी बिना पलक झपकाए जवाब दिया, मैं? मैं तो इस जलेबी की 'कुंडली' चेक कर रहा था कि आखिर ये इतनी टेढ़ी क्यों होती है! विज्ञान के लिए बलिदान देना पड़ता है गजाधर बाबू! अब दोनों 'विज्ञानी' एक-दूसरे की चोरी पर हाथ मिला चुके थे और मुन्ना हलवाई सोच रहा था कि अगर ये दोनों वैज्ञानिक हैं, तो फिर 'पागल' कौन है!

इन आदतों की वजह से पुरुषों में बढ़ता है प्रोस्टेट कैंसर का खतरा, बरतें सावधानियां

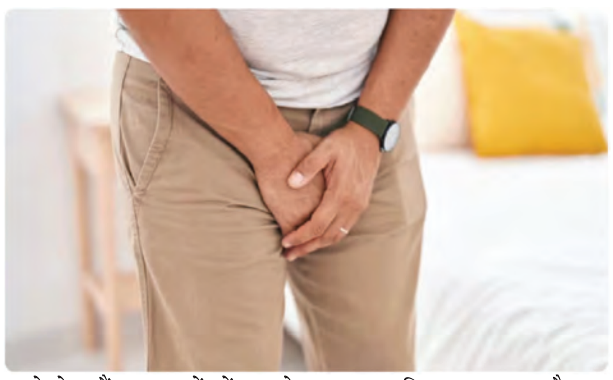

प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों में सबसे तेजी से बढ़ने वाले कैंसर में से एक है। यह प्रोस्टेट ग्रंथि में शुरू होता है, जो मूत्राशय के नीचे स्थित होती है और शुक्राणु द्रव का उत्पादन करती है। इस बीमारी के पीछे कई कारण हो सकते हैं, इन्हीं में से एक बड़ा कारण हमारी रोजमर्रा की कुछ गलत आदतें भी होती हैं, जिससे प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

अक्सर कुछ लोग इन जोखिमों को अनदेखा कर देते हैं, जिससे इस गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि समय रहते इन आदतों में सुधार करके और कुछ जरूरी सावधानियां बरतकर इस कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह समझना बेहद जरूरी है कि कुछ सरल बदलावों को अपनाकर ही इस बीमारी के खतरे को नियंत्रित किया जा सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि दिनचर्या के किन गलत आदतों की वजह से पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ता है।

अनहेल्दी खान-पान

ज्यादातर पुरुष फैट और लाल मांस से भरपूर आहार लेते हैं, जबकि फल, सब्जियां और फाइबर युक्त भोजन को नजरअंदाज कर देते हैं। इस तरह का अनहेल्दी खान-पान प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ाता है। इसके बजाय, टमाटर, ब्रोकोली, गोभी और सोया उत्पादों का सेवन बढ़ाना चाहिए। इनमें लाइकोपीन और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो प्रोस्टेट को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

शारीरिक निष्क्रियता और मोटापा

आजकल की सेडेंटरी लाइफस्टाइल यानी शारीरिक निष्क्रियता मोटापे का कारण बनती है, जो प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को सीधे तौर पर बढ़ाती है। नियमित व्यायाम, जैसे तेज चलना, जॉगिंग या योग, न केवल वजन को नियंत्रित रखता है, बल्कि शरीर में सूजन को भी कम करता है, जिससे कैंसर का खतरा घटता है। हर दिन कम से कम 30 मिनट का व्यायाम जरूर करें।

धूम्रपान और शराब का सेवन

धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन शरीर में सूजन और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे प्रोस्टेट कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इन हानिकारक आदतों को तुरंत छोड़ देना चाहिए। धूम्रपान करने वालों में इस कैंसर का खतरा न करने वालों की तुलना में अधिक पाया गया है।

नियमित जांच की अनदेखी

40 की उम्र के बाद, खासकर अगर परिवार में कैंसर का इतिहास रहा हो, तो नियमित जांच करवाना बेहद जरूरी है। प्रोस्टेट-विशिष्ट एंटीजन (पीएसए) टेस्ट और डिजिटल रेक्टल एग्जाम (डीआरई) जैसी जांचें प्रोस्टेट कैंसर का शुरुआती चरण में पता लगाने में मदद करती हैं, समय पर इस बीमारी का पता लगने पर प्रोस्टेट कैंसर का प्रभावी इलाज किया जा सकता है, जिससे रोग-मुक्त होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

ऐसे करें बालों में बाओबाब तेल का इस्तेमाल जिससे बाल हों कमर तक लंबे

आज के समय में हर दूसरा व्यक्ति बालों के झड़ने से परेशान है। यदि हेयर फॉल के शुरुआती दौर में बालों का ध्यान न रखा जाए तो लोग गंजेपन तक का शिकार हो जाते हैं। इसी के चलते हम आपको एक ऐसा नुस्खा बताने जा रहे हैं, जो आपके बालों के लिए रामबाण रहेगा।

हम यहां बात कर रहे हैं बाओबाब तेल की, जिससे इस्तेमाल से बालों की ग्रोथ में इजाफा होता है। यहां इस लेख में हम आपको पहले बताएंगे कि इस तेल के इस्तेमाल से बालों को क्या फायदा होगा, वहीं इसके इस्तेमाल का सही तरीका भी हम आपको बताएंगे।

पहला फायदा

इस तेल के नियमित रूप के इस्तेमाल से आपके बालों की ग्रोथ में इजाफा होगा। इसके साथ-साथ ये तेल बालों को जड़ों से मजबूत

करता है, जिससे हेयर फॉल में भी कमी आती है।

दूसरा फायदा

बालों के सिरे पर रोजाना थोड़ी मात्रा में बाओबाब तेल लगाएं। ऐसा करने से स्प्लिट एंड्स कम होते हैं और हेयर टिप्स हेल्दी रहते हैं। यदि आप रोजाना अप्लाई नहीं कर सकते तो जब बाल धो रहे हों, तब करें।

तीसरा फायदा

बाओबाब तेल में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें मिलाकर स्कैल्प पर लगाएं। ये फंगल संक्रमण और डैंड्रफ से राहत दिलाने में सहायक होता है। अब जान लेते हैं कि किन दो तरीकों से इस तेल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मसाज करें

बाओबाब तेल से अगर आप नियमित रूप से मसाज करेंगे तो इससे बालों की ग्रोथ तेजी से बढ़ेगी। इसके लिए हल्के गुनगुने बाओबाब तेल से स्कैल्प की मालिश करें। हफ्ते में कम से कम दो बार बाओबाब तेल का इस्तेमाल बालों में करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और बालों की जड़ें मजबूत होती हैं।

बनाएं हेयर मास्क

यदि आप सिर्फ तेल से मसाज नहीं करना चाहते तो हेयर मास्क तैयार करें। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में अंडे का सफेद वाला भाग ले लें। अब इस तेल में बराबर मात्रा में बाओबाब तेल और नारियल का तेल मिक्स करें। तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। अब अपनी स्कैल्प पर इसे हाथों से अप्लाई करें। इस हेयर मास्क को कम से कम आधे घंटे से लिए लगा रहने दें। आधे घंटे के बाद अपने बालों को माइल्ड शैंपू की मदद से धो लें।

क्या ठीक हो सकता है बहरापन? जानिए सुनने की क्षमता में कमी के कारण और इसे सुधारने के तरीके

उम्र बढ़ने के साथ शरीर के जिन अंगों पर सबसे ज्यादा असर होता है, कान उनमें से एक हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, हमारे सुनने की क्षमता भी कम होती जाती है। पर कानों से संबंधित इस दिक्कत को अब सिर्फ उम्र बढ़ने से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। कम उम्र में, यहां तक कि बच्चों में भी कम सुनाई देने और बहरेपन की दिक्कत बढ़ती जा रही है।

लंबे समय तक तेज आवाज में गाने सुनने, कान में संक्रमण, ज्यादा वैक्स जमा होना, सिर या कान में चोट और कुछ दवाओं के साइड-इफेक्ट के कारण आपके सुनने की शक्ति कमजोर हो सकती है। समय रहते इसपर ध्यान न दिया जाए तो बहरापन भी हो सकता है। अमर उजाला में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट में हमने बताया था कि किस तरह से हाई शुगर की समस्या भी आपमें बहरेपन के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है।

क्या एक बार बहरापन हो जाने के बाद फिर से कानों की सुनने की शक्ति वापस आ सकती है? क्या बहरेपन को ठीक किया जा सकता है?

बहरेपन का क्या कारण है?

सुनने की क्षमता में कमी और दुनियाभर में बढ़ते बहरेपन के खतरे को कम करने को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 3 मार्च को वर्ल्ड हियरिंग डे मनाया जाता है। कई मामलों को जल्दी पता लगने, सही देखभाल और सुनने की सुरक्षित आदतों को अपनाने से हमेशा के लिए होने वाले बहरेपन के खतरे को कम किया जा सकता है।

बहरेपन को ठीक किया जा सकता है या नहीं? इस बारे में जानने से पहले ये जान लेना जरूरी हो जाता है कि आखिर बहरेपन की वजह क्या-क्या हैं?

उम्र बढ़ने के साथ कान के अंदर के हिस्से का धीरे-धीरे खराब होने लगते हैं और रक्त संचार कम हो जाता है जिससे सुनने की समस्या हो सकती है।

लंबे समय तक तेज आवाज जैसे डीजे, अचानक धमाके से कान के अंदर की नाजुक कोशिकाओं को नुकसान होता है।

कान के इंफेक्शन, खसरा भी सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कुछ लोगों में जन्मजात और जेनेटिक कारणों से भी कम सुनाई देने की समस्या हो सकती है।

कम सुनाई देने से बढ़ जाती हैं कई दिक्कतें

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में डेढ़ अरब से ज्यादा लोगों को कम सुनाई देने या कानों की क्षमता में कमी की समस्या हो सकती है।

कान की सामान्य समस्या का समय रहते इलाज न किया जाए तो यह स्थायी बहरेपन में बदल सकती है।

कम सुनाई देने का मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है।

लंबे समय तक कम सुनाई देने या बहरेपन के शिकार लोगों में डिप्रेशन का खतरा हो सकता है।

लगातार 85 डेसिबल से अधिक तेज आवाज कान के अंदरूनी हिस्से को नुकसान होता है और ये बहरेपन का खतरा बढ़ाने वाली हो सकती है।

मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां भी जोखिम बढ़ाती हैं।

क्या बहरेपन को ठीक किया जा सकता है?

अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है कि क्या एक बार बहरपन हो जाए तो इसे ठीक किया जा सकता है?

डॉक्टर कहते हैं, यदि बहरेपन स्थाई नहीं है और ये समस्या कान में वैक्स जमा होने या संक्रमण के कारण है तो दवाओं से सुनने की क्षमता वापस आ सकती है।

यदि कान की अंदरूनी कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं तो इसे पूरी तरह ठीक करना संभव नहीं होता।

ऐसे मामलों में हियरिंग एड जैसे उपकरण मददगार साबित होते हैं।

नवजात शिशुओं की सुनने की समस्या या बहरेपन का पता जल्दी चल जाए तो कुछ कुछ स्थितियों में इसे ठीक किया जा सकता है।

एक इंजेक्शन से लौट सकती है सुनने की क्षमता

साल 2025 में एक इंजेक्शन को लेकर खूब चर्चा हुई थी। स्वीडन स्थित कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने बताया कि जीन थेरेपी से जन्मजात बहरेपन या सुनने में गंभीर कमी वाले बच्चों की समस्या ठीक हो सकती है। नेचर मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट में पाया गया कि एक इंजेक्शन की मदद से मरीजों की सुनने की क्षमता में सुधार हुआ।

इस अध्ययन में चीन के पांच अस्पतालों के 1 से 24 साल के दस मरीज शामिल थे। इन सभी को OTOF नाम के जीन में म्यूटेशन की वजह से जेनेटिक रूप से बहरापन या सुनने में गंभीर दिक्कत थी। इन म्यूटेशन की वजह से प्रोटीन ओटोफर्लिन की कमी हो जाती है, जो कान से दिमाग तक सुनने के सिग्नल भेजने में जरूरी भूमिका निभाता है। थेरेपी के माध्यम से इन लोगों की सुनने की शक्ति में सुधार देखा गया था। हालांकि इसका बड़े स्तर पर ट्रायल होने बाकी हैं।

सावधान! खरीद रहे हैं सेकंड हैंड स्कूटी तो जरूर चेक करें ये 6 चीजें

आजकल महंगाई के दौर में नई स्कूटी खरीदना हर किसी के लिए आसान नहीं है। ऐसे में सेकंड हैंड स्कूटी एक बेहतर और बजट-फ्रेंडली विकल्प बनकर सामने आती है। खासतौर पर छात्र, नौकरीपेशा लोग और डेली ट्रैवल करने वाले लोग पुरानी स्कूटी खरीदना ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन कम कीमत के लालच में कई बार लोग बड़ी धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं।

कागजों में गड़बड़ी, चोरी की गाड़ी, फर्जी RC, इंजन की खराब हालत या एक्सीडेंटल स्कूटी जैसी समस्याएं बाद में भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए सेकंड हैंड स्कूटी खरीदते समय पूरी जांच-पड़ताल करना बेहद जरूरी है। थोड़ी सी सावधानी आपको कानूनी झंझट और आर्थिक नुकसान से बचा सकती है। अगर आप भी पुरानी स्कूटी खरीदने की सोच रहे हैं, तो इन जरूरी बातों को जरूर जान लें।

1. कागजात की जांच जरूर करें

स्कूटी का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (RC) असली है या नहीं, इसे अच्छी तरह से जांचें। साथ ही, इंश्योरेंस पॉलिसी वैध होनी चाहिए, इसका एक्सपायरी

डेट देखें। पॉल्यूशन सर्टिफिकेट (PUC) भी जांचना जरूरी है ताकि स्कूटी पर्यावरण नियमों का पालन करती हो। इसके अलावा, स्कूटी के चेसिस नंबर और इंजन नंबर को RC में दर्ज नंबरों से मिलाएं ताकि गाड़ी चोरी न हो।

2. मालिक की जानकारी सत्यापित करें

स्कूटी बेचने वाला व्यक्ति असली मालिक है या नहीं, इसे पहचान पत्र के साथ मिलान करें। यदि गाड़ी किसी फाइनेंस कंपनी के तहत ली गई है तो विक्रेता से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जरूर मांगें ताकि भविष्य में कानूनी समस्या न हो।

3. स्कूटी की कंडीशन जांचें

स्कूटी का इंजन सुचारू रूप से चलना चाहिए, उसकी आवाज स्मूद होनी चाहिए। ब्रेक, क्लच और सस्पेंशन की स्थिति ठीक होनी चाहिए। टायर की घिसावट को देखकर तय करें कि टायर कितने पुराने हैं। स्कूटी पर किसी भी तरह के एक्सीडेंट या वेल्डिंग के निशान देखें क्योंकि इससे गाड़ी की मजबूती प्रभावित हो सकती है।

4. सर्विस हिस्ट्री मांगें

अगर संभव हो तो स्कूटी का सर्विस रिकॉर्ड जरूर देखें। इससे पता चलता है कि गाड़ी का रखरखाव ठीक से हुआ है या नहीं। नियमित सर्विस से स्कूटी की परफॉर्मेंस और लाइफ दोनों बेहतर रहती है।

5. टेस्ट राइड जरूर करें

किसी भी डील को फाइनल करने से पहले स्कूटी की टेस्ट राइड अवश्य करें। इससे आपको गाड़ी की चलने की हालत, ब्रेकिंग सिस्टम, और सस्पेंशन की सही जानकारी मिलेगी। टेस्ट राइड से ही पता चलता है कि गाड़ी में कोई छुपा हुआ नुकसान तो नहीं।

6. ऑनलाइन वेरिफिकेशन करें

भारत सरकार के परिवहन विभाग की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए आप स्कूटी की सभी जानकारियां ऑनलाइन चेक कर सकते हैं। इसमें वाहन की रजिस्ट्रेशन डिटेल, मालिक का नाम, फाइनेंस स्थिति, और पेंडिंग चालान आदि की जानकारी मिल जाती है। यह एक भरोसेमंद तरीका है स्कूटी की वैधता सुनिश्चित करने का।

अधिक मानसिक तनाव लेने से शरीर में होते हैं नकारात्मक बदलाव, कहीं आप भी तो नहीं कर रहें ये गलतियां

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव एक सामान्य समस्या बन चुकी है। काम का दबाव, पारिवारिक समस्याएं या भविष्य की चिंता ये सब मिलकर हमें मानसिक रूप से थका देते हैं। लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि मानसिक तनाव सिर्फ हमारे दिमाग को ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर को प्रभावित करता है। जब हम तनाव में होते हैं तो हमारा शरीर 'फाइट या फ्लाइट' मोड में चला जाता है, जिससे कुछ खास हार्मोन, जैसे कॉर्टिसोल और एड्रेनालाईन, रिलीज होते हैं। इन हार्मोनों के कारण दिल की धड़कन तेज हो जाती है, ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और शरीर की ऊर्जा आपकी समस्या से लड़ने के लिए तैयार हो जाती है।

अगर यह तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो यह हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। यह न केवल हमारे मूड को प्रभावित करता है, बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। आइए इस लेख में इसी के बारे जानते हैं कि मानसिक तनाव से शरीर में क्या-क्या प्रमुख बदलाव होते हैं और इनसे कैसे बचा जा सकता है।

पाचन तंत्र पर नकारात्मक असर

तनाव का सीधा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है। तनाव के दौरान कॉर्टिसोल जैसे हार्मोन पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ाते हैं, जिससे एसिडिटी, पेट में जलन और अपच की समस्या हो सकती है। यह पाचन क्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे कब्ज या दस्त जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

ब्लड प्रेशर और हृदय पर प्रभाव

लगातार तनाव में रहने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है, जिससे हृदय संबंधित रोगों का खतरा बढ़ जाता है। तनाव की वजह से हृदय को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इससे हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जो गंभीर हृदय रोगों का कारण बन सकता है।

नींद की गुणवत्ता में कमी

तनाव और नींद का गहरा संबंध है। जब हम तनाव में होते हैं, तो हमारा दिमाग लगातार सक्रिय रहता है, जिससे सोने में दिक्कत होती है। दरअसल तनाव की वजह से रात में भी कॉर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ा रह सकता है, जिससे नींद नहीं आती है और अगर आती भी है तो नींद की गुणवत्ता खराब होती है। पर्याप्त नींद न मिलने से शरीर और दिमाग दोनों थके रहते हैं, जिससे और भी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

इम्यून सिस्टम का कमजोर होना

लंबे समय तक तनाव में रहने से इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाती है। मानसिक तनाव की वजह से शरीर में बन रहा है कॉर्टिसोल हार्मोन संक्रमण से लड़ने की क्षमता को कम कर सकता है, जिससे आप आसानी से बीमार पड़ सकते हैं। कई बार अधिक तनाव लेने से इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है, जिसकी वजह से हमें बार-बार सर्दी-जुकाम या वायरल इंफेक्शन जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

हाथों की मेहंदी का रंग आएगा खूब गाढ़ा अगर इस्तेमाल किए ये नुस्खे

महिलाओं को अपने हाथों पर मेहंदी लगाना पसंद आता है। चाहे शादी-विवाह हो या फिर पूजा-पाठ, हर मौके के लिए वो एक से बढ़ कर एक मेहंदी की डिजाइन तलाश करती हैं। पर, मेहंदी की डिजाइन कितनी भी अच्छी लगवा हो, अगर उसका रंग गाढ़ा नहीं चढ़ा तो कोई मतलब नहीं है।

यदि आप भी उन महिलाओं में से हैं, जिन्हें मेहंदी का गाढ़ा रंग पसंद है, लेकिन आपके हाथों पर मेहंदी नहीं रचती तोये लेख आपके लिए है। हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे नुस्खे, जिससे आपकी मेहंदी का रंग चटक गाढ़ा आएगा। इन नुस्खों का इस्तेमाल आप हरतालिका तीज के मौके पर कर सकती हैं।

रातभर मेहंदी लगाकर रखें

अब जब बाजार में रेडीमेड मेहंदी मिलने लगी है तो इसे कम से कम रातभर अपने हाथों पर लगाकर रखें। एक-दो घंटे लगाकर अगर आप इसे हटा देंगी

तो इससे रंग हल्का चढ़ेगा। ये हल्का रंग हट भी काफी जल्दी जाएगा।

नीलगिरी का तेल आएगा काम

यदि आपके हाथों पर मेहंदी का रंग नहीं चढ़ता है तो मेहंदी लगाने से पहले हाथों पर हल्का सा नीलगिरी का तेल लेकर अप्लाई करें। ध्यान रखें कि तेल ज्यादा न लगे, वरना मेहंदी लगाने में भी दिक्कत आ सकती है। हल्का सा तेल लेकर उसे हाथों पर मल लें। इससे मेहंदी का रंग एकदम निखकर सामने आएगा।

नींबू और चीनी

यदि नीलगिरी का तेल आपके पास नहीं है तो नींबू और चीनी के मिश्रण का इस्तेमाल करें। इसके लिए मेहंदी सूखने के बाद 1 चम्मच नींबू और 1 चम्मच चीनी मिलाकर रुई से लगाएं। ये मिश्रण मेहंदी में नमी बनाए रखता है, जिससे मेहंदी का रंग और गाढ़ा होता है।

लौंग की भाप लें

मेहंदी के गाढ़े रंग के लिए आप इस नुस्खे का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले तो एक तवे पर 4–5 लौंग रखें और जब धुआं निकले, तो हाथों को थोड़ी देर उस भाप के ऊपर रखें। ध्यान रखें कि ये हाथों को तवे के एकदम पास न रखें, वरना भाप से हाथ जल सकते हैं।

किन चीजों से बचें

मेहंदी के बाद तुरंत साबुन या हैंडवॉश न लगाएं।

कोई भी ब्लीच या स्क्रबिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें।

क्रीम, मॉइस्चराइज़र या तेल लगाने से पहले मेहंदी अच्छे से सूखने दें।

अकांक्षा पुरी ने होली में बाइक पर बना डाली रील कहा- इंदौर में हम एक दूसरे को टंकी में डाल देते थे

मुंबई के जुहू में टीवी सेलेब्स के बीच होली की शुरुआत हो चुकी है। होली के मौके पर जुहू में टीवी जगत से जुड़े बड़े सितारे पहुंचे। भोजपुरी की जानी-मानी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी भी होली में शामिल होने के लिए पहुंची। एक तरफ जहां सभी सेलेब्स होली के जश्न में डूबे दिखे वहीं अकांक्षा ने बाइक पर एक मजेदार रील बना डाली।

अकांक्षा ने ये रील सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस रील में वो बाइक पर काफी दिलकश पोज देती दिख रही हैं। अकांक्षा ने इसे शेयर करते हुए लिखा, 'एक होली की रील तो सेम डे पर पोस्ट करनी बनती है बॉस, हैप्पी होली आप सबको।'

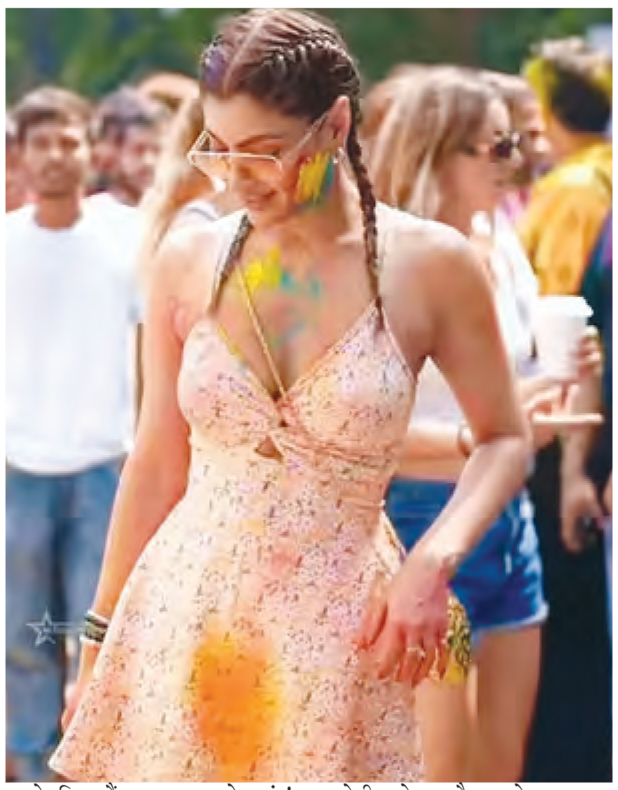

मुंबई की होली पर बोलीं अकांक्षा पुरी

आकांक्षा पुरी के लिए होली बहुत लकी साबित होने वाली है, क्योंकि उनकी नई फिल्म रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, "मैं हर साल होली के लिए मुंबई में रुकती हूं क्योंकि यहां जैसी होली मुझे नहीं लगता है कि कहीं और भी सेलिब्रेट होती है। सभी लोगों से मिलने का मौका मिल जाता है और इस बार की होली बहुत खास है क्योंकि बुधवार को मेरी फिल्म रिलीज होने वाली है और इसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।'

जलेबी, पोहा और समोसा खाकर होली खेलती थीं

बचपन की होली से जुड़ी यादों को ताजा कर आकांक्षा ने बताया कि बचपन में वे इंदौर की गलियों में जलेबी, पोहा और समोसा खाकर होली खेलती थी और एक दूसरे को टंकी में डाल देते थे, लेकिन आज उन्हीं लम्हों की यादें आती हैं और लगता है कि काश बचपन में वापस लौट कर जा पाते।

'होमटाउन की होली को बहुत मिस करते हैं'

'अनुपमा' की अद्रिजा रॉय भी होली का लुत्फ उठाने जुहू के जेवीपीडी ग्राउंड पहुंचीं। उनका कहना है कि होमटाउन की होली से अच्छी कोई चीज नहीं होती है। उन्होंने कहा, 'होमटाउन की होली को बहुत मिस करते हैं, लेकिन बीते चार सालों से यहीं होली से खेल रही हैं।' वहीं अमन गांधी भी होली के लिए बहुत एक्साइटेड हैं और पूरे जोश के साथ होली मना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'होली उनका सबसे पसंदीदा त्योहार है और वो कल रात से होली खेलने की तैयारी कर रहे हैं।' उन्होंने बताया कि होली का मजा सिर्फ खेलने में नहीं, खाने में भी है। उन्हें होली पर गुजिया खाना पसंद है, लेकिन भांग से परहेज करते हैं।

दुबई से होली खेलने के लिए मुंबई आए डीजे शाहदो

अवॉर्ड विनिंग बॉलीवुड डीजे शाहदो भी होली के लिए काफी एक्साइटेड हैं और वह खासतौर पर दुबई से होली खेलने के लिए मुंबई आए हैं। उन्होंने बताया, होली का त्योहार उन्हें संगीत से जोड़ता है और होली को हम दिल से सेलिब्रेट करते हैं।

उर्वशी रौतेला की तस्वीरों ने जगाई पुरानी यादें

फैंस ने की दिग्गज सुंदरी मधुबाला से तुलना उर्वशी एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। ग्लोबल सुपरस्टार और दुनिया भर में 200 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स वाली इस अभिनेत्री ने अपनी हालिया तस्वीरों से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता और व्यस्त पेशेवर जीवन के बावजूद, उर्वशी अपने परिवार और भावनात्मक जुड़ाव को प्राथमिकता देती हैं। यही बात उन्हें दुनियाभर के प्रशंसकों के और करीब लाती है। हालांकि इस बार चर्चा सिर्फ ग्लैमर या रेड-कार्पेट फैशन की नहीं है। उर्वशी की हालिया तस्वीरों ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया, क्योंकि उनमें उन्हें हिंदी सिनेमा की सदाबहार और दिग्गज अदाकारा मधुबाला से तुलना की जा रही है, जिन्हें भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में गिना जाता है।

वायरल तस्वीरों में उर्वशी क्लासिक और विंटेज-प्रेरित अंदाज में नजर आ रही हैं, चेहरे को फ्रेम करती मुलायम घुंघराले बाल, काजल से सजी अभिव्यक्तिपूर्ण आँखें और सादगी भरी शालीनता, जो बॉलीवुड के स्वर्णिम युग की याद दिलाती है। कुछ ही घंटों में कमेंट सेक्शन "मॉडर्न-डे मधुबाला" जैसे

प्रशंसात्मक संदेशों से भर गया और फैंस ने उनकी अलौकिक खूबसूरती की जमकर तारीफ की। कई प्रशंसकों का मानना है कि यह समानता केवल बाहरी रूप तक सीमित नहीं है। तस्वीरों में उर्वशी की सूक्ष्म भाव-भंगिमाएं और गरिमामयी अंदाज ने लोगों को मधुबाला की याद दिला दी, जो मुगले आजम जैसी क्लासिक फिल्मों में अपने यादगार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। इस तुलना ने पुरानी यादों की एक लहर पैदा कर दी है, जब परदे पर सुंदरता की पहचान सादगी, मासूमियत और आकर्षक स्क्रीन प्रेजेंस से होती थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उर्वशी और मधुबाला की तस्वीरें के कोलाज भी साझा किए जा रहे हैं, जहाँ प्रशंसक उनकी मुस्कान और चेहरे की समानताओं को रेखांकित कर रहे हैं। कुछ लोग इसे स्टाइलिंग का असर मानते हैं, तो कुछ इसे उर्वशी की उस क्षमता का प्रमाण बताते हैं, जिसके जरिए वह आधुनिक दौर में भी पुराने ज़माने का आकर्षण जीवित कर सकती हैं।

गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब उर्वशी अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में आई हों। अपने ग्लैमरस अंदाज़ और अंतरराष्ट्रीय रेड-कार्पेट उपस्थितियों के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री फैशन और सौंदर्य के साथ लगातार प्रयोग करती रही हैं। लेकिन इस बार उनका यह विंटेज रूप दर्शकों के दिलों को कुछ खास छू गया है।

फिल्म जगत के जानकारों का मानना है कि मधुबाला जैसी सिनेमाई दिग्गज से तुलना महज़ प्रशंसा नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि आज के सितारे क्लासिक बॉलीवुड की झलक को फिर से अपनाने लगे हैं। तेज़ी से बदलते ट्रेंड्स के दौर में पुरानी शालीनता और क्लासिक अंदाज़ की वापसी दर्शकों को गहराई से प्रभावित कर रही है।

यह एक क्षणिक सोशल मीडिया ट्रेंड हो या किसी बड़े रेट्रो रुझान की शुरुआत । एक बात साफ है: उर्वशी रौतेला की इन नई तस्वीरों ने पीढ़ियों के बीच एक खूबसूरत सेतु बना दिया है, जहाँ आधुनिक ग्लैमर और सदाबहार आभा का अनोखा संगम देखने को मिला।

'आत्मसम्मान से समझौता नहीं' भूमि पेडनेकर ने करियर को लेकर पेश की साफ सोच

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की।

उन्होंने कहा, "जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।"

भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, "एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटी तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।"

उन्होंने कहा, "कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।"

भूमि ने कहा, "मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए, आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।"

क्या 'चिकनी चमेली' गाना श्रेया घोषाल की थी गलती? क्यों कहा- 'अब मैं वैसे गाने रिकॉर्ड नहीं करूंगी'

सिंगर श्रेया घोषाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने सुपरहिट गाने 'चिकनी चमेली' को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। ये गाना उन्होंने 2012 में फिल्म अग्निपथ के लिए गाया था, जिसमें कटरीना कैफ ने डांस किया था और ये वर्षों से पार्टी, सेलिब्रेशन और डांस फ्लोर पर धूम मचाता आया है।

खराब लिरिक्स की वजह से ठुकराया गाना

हाल ही में राज शमानी के साथ एक पॉडकास्ट में श्रेया घोषाल ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि चिकनी चमेली के बाद उन्हें कई ऐसे गाने ऑफर हुए जो उन्हें महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने वाले लगे, और उन्होंने उन्हें रिकॉर्ड करने से साफ मना कर दिया।

श्रेया ने खुलासा किया कि उनके एक कंपोजर दोस्त ने उन्हें एक ऐसा गाना ऑफर किया था, जिसके बोल काफी भद्दे और सीधे-सीधे ऑब्जेक्टिफाइंग थे, जैसे 'मुझे चिकन बना कर खा लो' या 'मुझे ऐसे पकड़ो।' श्रेया ने कहा कि सिर्फ उन शब्दों के बारे में सोचकर ही उन्हें शर्म महसूस हुई, इसलिए उन्होंने वह गाना ठुकरा दिया।

मैं इतनी परिपक्व नहीं थी

चिकनी चमेली के बारे में बात करते हुए श्रेया ने कहा, 'वह गाना सिर्फ एक मस्ती भरा नंबर नहीं है, उसमें काफी आर्टिस्ट्री भी है। इसके कुछ हल्के वर्जन भी थे। जो वर्जन फिल्म में आया, वह शुरुआती ड्राफ्ट्स से ज्यादा सौम्य था, हालांकि उसमें इशारे तो थे। उस समय मैं हमेशा यह नहीं समझ पाती थी कि मैं क्या गा रही हूं। मैं इतनी परिपक्व नहीं थी कि कुछ लाइनों का पूरा मतलब समझ सकूं।'

उन्होंने आगे कहा कि अब वह इस बात पर ज्यादा ध्यान देती हैं कि वह क्या रिकॉर्ड कर रही हैं, क्योंकि अगर कोई गाना हिट हो जाता है तो उन्हें उसे हर जगह गाना पड़ता है, कभी-कभी बच्चों के सामने भी, जो उन्हें असहज कर देता है।

अब मैं वैसे गाने रिकॉर्ड नहीं करूंगी

जब राज ने उनसे कहा कि उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने ऑब्जेक्टिफिकेशन की बात की लेकिन कॉन्सर्ट में वह गाना गाती रहीं, तो श्रेया ने साफ किया कि उन्हें उस गाने से शर्म नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हां, मैंने उसे परफॉर्म किया है। मुझे वह गाना पसंद है। मुझे लगता है वह अच्छा है। लेकिन अब मैं वैसे गाने रिकॉर्ड नहीं करूंगी। मैं शर्मिंदा नहीं हूं। मैंने वह गाना उस समय गाया था। यह एक ऐसा गाना है जिसके साथ मुझे हमेशा जीना होगा, जहां छोटे बच्चे भी उस पर डांस करते हैं। कभी-कभी मैं आंखें बंद कर लेती हूं। लेकिन मैं उससे खुद को अलग नहीं कर सकती। वह मेरा गाना है। मैंने उसे अपनाया है।'

श्रेया के रीसेंट वर्क

हाल ही में श्रेया घोषाल ने नए गाने 'यहीं गुजार दूं' में अपनी आवाज दी है। इस खूबसूरत ट्रैक में उनके साथ अमाल मलिक भी जुड़े हैं, जबकि म्यूजिक वीडियो में फरहाना भट्ट नजर आ रही हैं।

कमलिनी मुखर्जी : कविताओं से शुरू हुआ सफर फिर सिनेमा की दुनिया की बनीं चर्चित अभिनेत्री

भारतीय सिनेमा की दुनिया में कई कलाकार ऐसे हैं जिनकी पहचान सिर्फ उनके अभिनय से नहीं, बल्कि उनके विचारों से भी बनती है। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं कमलिनी मुखर्जी, जिन्होंने अपनी सादगी और दमदार किरदारों से खास जगह बनाई। बहुत कम लोग जानते हैं कि कैमरे के सामने आने से पहले उनका रिश्ता शब्दों से था। बचपन में उन्हें कविता लिखना पसंद था और साहित्य उनकी पहली पसंद रहा। कमलिनी मुखर्जी का जन्म 4 मार्च 1984 को कोलकाता में हुआ। उनके पिता कारोबारी थे और उनकी मां ज्वैलरी डिजाइनर हैं। घर में रचनात्मक माहौल था, जिसका असर उन पर भी पड़ा। स्कूल और कॉलेज के दिनों में उन्हें पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। खासतौर पर अंग्रेजी साहित्य में उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने कोलकाता से अंग्रेजी साहित्य में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान वह कविताएं लिखती थीं और मंच पर नाटक भी करती थीं। बचपन से ही उन्हें अभिनय करना अच्छा लगता था। ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने दिल्ली में होटल मैनेजमेंट का कोर्स शुरू किया, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनकी असली रुचि अभिनय और थिएटर में है। इसके बाद वह मुंबई चली गईं और थिएटर वर्कशॉप जॉइन की। यहीं से उनके अभिनय सफर की असली शुरुआत हुई।

साल 2004 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'फिर मिलेंगे' से अपने करियर की शुरुआत की। यह फिल्म एड्स जैसे गंभीर विषय पर आधारित थी। इसमें उनका छोटा लेकिन अहम किरदार था।

उसी साल उन्हें तेलुगू फिल्म 'आनंद' का भी ऑफर मिला। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी लड़की की भूमिका निभाई जो आत्मनिर्भर और मजबूत सोच की है। उनके इस किरदार को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नंदी पुरस्कार भी मिला। यह उनके करियर की बड़ी उपलब्धि थी।

इसके बाद कमलिनी ने कई सफल फिल्मों में काम किया। तेलुगू फिल्म 'गोदावरी' में उनका किरदार काफी पसंद किया गया। फिल्म 'गम्यम' ने भी उन्हें नई पहचान दी। इसके अलावा, उन्होंने तमिल फिल्म 'वेट्टैयाडु विलायाडु' और मलयालम फिल्म 'पुलिमुरुगन' जैसी फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं की फिल्मों में अभिनय कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की।

कमलिनी ने हमेशा ऐसे किरदार चुने जिनमें गहराई हो। यही कारण है कि उनकी साहित्यिक पृष्ठभूमि उनके अभिनय में झलकती रही। उन्होंने भरतनाट्यम की ट्रेनिंग भी ली है, जिससे उनके हाव-भाव और भी प्रभावशाली लगे।

अनिल कपूर ने वेलकम की आइकॉनिक पेंटिंग का समझाया मतलब, अक्षय भी सुनकर रह गए हैरान

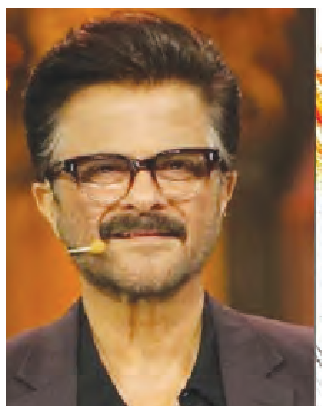

आज 2007 की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'वेलकम' को 20 साल से भी ज्यादा समय हो गया है, लेकिन इसके एक आइकॉनिक पल की चर्चा आज भी वायरल है। फिल्म में अनिल कपूर ने 'मजनू भाई' का रोल प्ले किया था, और इसी किरदार ने एक अजीब-सी पेंटिंग बनाई थी जो फैंस के बीच मीम-कल्चर का हिस्सा बन गई थी।

यह सिर्फ मजाक नहीं...

हाल ही में अनिल कपूर अक्षय कुमार के 'द व्हील ऑफ फॉर्च्यून' शो के होली-स्पेशल एपिसोड में शामिल हुए थे। इस बीच अनिल कपूर ने वही पेंटिंग फिर से सामने रखी और बताया कि यह सिर्फ मजाक नहीं है। इसके पीछे एक मतलब और गहरी सोच भी है।

उन्होंने कहा कि पेंटिंग में घोड़ा और गधा दिखाया गया है, जहां घोड़ा कड़ी मेहनत और सक्रियता को दर्शाता है और गधा धीरे-धीरे भागता है। इसका मतलब यह है कि अक्सर जो मेहनत करता है उसे कम लोग पहचानते हैं, जबकि गधों को ज्यादा श्रेय मिलता है, जैसे कुछ असल जिंदगी के बॉस-कर्मचारी के रिश्तों में होता है।

अनिल ने मजाक में यह भी कहा कि बाहर जो टी-शर्ट्स पेंटिंग वाली बिक रही हैं, उन पर उन्हें रॉयल्टी भी मिलती है, जिससे अक्षय कुमार खुद हैरान रह गए।

'सूबेदार' में नजर आएंगे अनिल कपूर

फिलहाल अनिल कपूर मच-अवेटेड फिल्म 'सूबेदार' में नजर आएंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। 'सूबेदार' एक एक्शन फिल्म है। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें अनिल कपूर के अलावा मोना सिंह, राधिका मदान, सौरभ शुक्ला, मोना सिंह, आदित्य रावल, फैजल मलिक और खुशबू सुंदर भी हैं। यह फिल्म 5 मार्च को स्ट्रीम होगी।

अनिल कपूर का वर्कफ्रंट

'सूबेदार' के अलावा अनिल कपूर कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह पिछले साल फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे। वह इस साल 'अल्फा' और 'किंग' फिल्म में भी नजर आएंगे। दोनों ही फिल्में इसी साल रिलीज होंगी। 'किंग' फिल्म में अनिल कपूर के अलावा कई नामी एक्टर्स भी नजर आएंगे।

'धुरंधर' के गाने शरारत फेम एक्ट्रेस आयशा खान का छलका दर्द, बोलीं- 'रोज झेलती हूं दुष्कर्म की धमकियां'

फिल्म अभिनेत्री आयशा खान ने अपने बॉडी शेमिंग और उन्हें सोशल मीडिया पर मिलने वाली दुष्कर्म की धमकियों के बारे में अपना दुख बयां किया। एक्ट्रेस ने इससे जुड़े अपने कड़वे अनुभव भी साझा किया।

बॉडी फिगर की वजह से रिजेक्शन का सामना

अभिनेत्री आयशा खान, आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' के गाने शरारत में नजर आई थीं। उन्होंने याद करते हुए बताया कि, जब वो बारहवीं कक्षा में थीं तब उन्हें टी-सीरीज के एक गाने में सेकेंड लीड की भूमिका निभाने का मौका मिला था। मगर शूटिंग से सिर्फ एक रात पहले उन्हें रोल के लिए ओवर वेट होने कारण हटा दिया गया। आगे 'वी द वुमन' कार्यक्रम में आयशा ने कहा कि उन्हें इससे उभरकर अपने लुक को लेकर आत्मविश्वास महसूस करने में काफी वक्त लगा।

हर दिन झेलना पड़ता है लुक्स को लेकर उत्पीड़न

एक्ट्रेस आयशा खान ने कहा कि, ' सोशल मीडिया पर हर रोज मेरे शरीर के लेकर अभद्र कमेंट्स का सामना करना होता है। एक साधारण सा टॉप भी पहनती हूं तो लोगों के रिएक्शन का डर रहता है। स्कर्ट भी पहनती हूं तो लोगों को बुरा लगता है। इस वजह से अब कुछ भी पोस्ट करने से पहले

सोचना पड़ता है कि लोग इसे किस तरह से देखेंगे। इन सब की वजह से मुझे काफी डर भी लगता है कि पता नहीं वो मेरे साथ क्या करना चाहते हैं। मनचाहा पोस्ट करने पर मेरा कमेंट सेक्शन पढ़ने का मन भी नहीं करता। क्योंकि उसमें वो लिखते हैं कि उन्हें मौका मिले तो वह मेरे साथ क्या करना चाहते हैं।

हर दिन मिलती हैं दुष्कर्म की धमकियां

शरारत फेम आयशा खान ने अपने उत्पीड़न के बारे में बताया कि, 'अगर इन धमकियां देने वालों में इतनी ताकत होती तो वह रेपिस्ट ही बन जाते। यह सिर्फ मामूली टिप्पणियां नहीं हैं। मुझे हर रोज ऐसी धमकियां मिलती हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि इन सब पर कड़ी कार्यवाही की जा सके। मगर मैं यह सोचती हूं कि अगर मैं सेलिब्रिटी न होती तो शायद ये धमकियां सच्चाई बन जातीं।

टीवी से की थी शुरुआत

आयशा खान ने अपनी शुरुआत एकता कपूर द्वारा निर्मित सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। जिसके बाद 'बालवीर रिटर्न्स' में भी काम किया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'मुखचित्रम' में सपोर्टिंग कास्ट के रूप में नजर आयीं थी। हाल हीमें उन्हें 'धुरंधर' के गाने शरारत से पहचान मिली।

भाजपा एमएलए ने बनाए 106 विधायक प्रतिनिधि

स्कूल-कॉलेज से लेकर बिजली शाखा तक नियुक्ति कांग्रेस बोली- हर दूसरी गली में एक प्रतिनिधि

भोपाल, 4 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बीजेपी विधायक अपने प्रतिनिधि नियुक्त करने का रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। पिछले साल प्रीतम लोधी ने थानों में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त कर सुर्खियां बटोरी थीं। अब शिवपुरी जिले की करैरा विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक रमेश खटीक ने एक कदम आगे बढ़ते हुए 106 विधायक प्रतिनिधि नियुक्त कर दिए हैं।

करैरा विधायक ने जिला मुख्यालय के लगभग सभी विभागों के साथ-साथ अपने विधानसभा क्षेत्र के स्कूल, कॉलेज, छात्रावास और निजी विश्वविद्यालयों में भी प्रतिनिधि बनाए हैं।

इतना ही नहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पशु अस्पतालों में भी विधायक प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई है।

कांग्रेस ने कहा: हर दूसरी गली में एक विधायक प्रतिनिधि मिलेगा

इस मामले में कांग्रेस संचार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा- भाजपा सरकार में अब जनप्रतिनिधियों के काम से ज्यादा प्रतिनिधि बनाने की होड़ मची हुई है। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले प्रीतम लोधी ने थानों में विधायक प्रतिनिधि नियुक्त कर दिए थे।

वहीं, केन्द्रीय मंत्री और टीकमगढ़ के सांसद वीरेन्द्र खटीक ने सवा सौ से ज्यादा सांसद प्रतिनिधि बना दिए थे। उस समय इन नियुक्तियों का विरोध खुद बीजेपी के विधायक, पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री तक करने लगे थे।

भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि अब करैरा विधायक ने तो इतने प्रतिनिधि बना दिए हैं कि हर दूसरी गली में एक विधायक प्रतिनिधि मिल जाएगा।

विधायक बोले: कार्यकर्ता जाएगा तो हमें जानकारी मिलेगी

विधायक प्रतिनिधियों की नियुक्ति को लेकर करैरा से बीजेपी विधायक रमेश खटीक से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा- सर्व शिक्षा अभियान, डीपीआईपी जैसी जगहों में अगर हम नहीं जा पा रहे हैं तो कोई कार्यकर्ता अगर जाएगा तो हमें जानकारी तो मिलेगी। बैठकें होती हैं, उनमें उपस्थिति के लिए प्रतिनिधि बना रहे हैं। कोई वैसे थोड़ी बना रहे हैं।

तेजस्वी-तेजप्रताप ने खेली कुर्ता फाड़ होली

पटना, 4 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में होली धूमधाम से मनाई जा रही है। राजनीतिक गलियारों में भी होली की खासी रौनक है। लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने पार्टी दफ्तर में कार्यकर्ताओं संग होली खेली। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके कपड़े फाड़ दिए

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बेटी कात्यायनी के साथ होली खेलते हुए वीडियो साझा किया। वीडियो में कात्यायनी अपने पापा को रंग लगाती नजर आईं। इसके साथ ही समर्थकों के साथ गुलाल उड़ाया। पटना के गांधी मैदान में बीजेपी विधायक रामकृपाल यादव ठुमके लगाते नजर आए। बीजेपी विधायक संजीव चौरसिया ने पटना की सड़कों पर झाल-मंजीरा बजाते हुए जुलूस निकाला। वो बग्गी से पटना की सड़कों पर निकले। इधर, अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव ने अपनी भांजी के लिए शॉपिंग की

दरभंगा में जाले के रतनपुर स्थित गंगेश्वरनाथ महादेव मंदिर परिसर में शिवभक्तों ने जमकर होली खेली। मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में भी फूलों और रंगों से श्रृंगार किया गया है।

पटना में होली पर मटन और चिकन दुकानों पर लंबी लाइन लगी लगी है। 700-800 रुपए में मिलने वाला मटन आज 1200 रुपए किलो बिक रहा है।

खूनी होली: त्योहार के दिन सात मौतें, 11 लोग घायल

कई परिवारों की खुशियां मातम में बदलीं

अमेठी, 4 मार्च (एजेंसियां)। रंगों और उमंग का पर्व होली इस बार जिले के कई परिवारों के लिए दुख और मातम लेकर आया। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों, करंट लगने और संदिग्ध परिस्थितियों की घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि मुसाफिरखाना और गौरीगंज में हुए अलग-अलग हादसों में 11 लोग घायल हो गए। इन घटनाओं ने कई घरों की खुशियां पल भर में छीन लीं।

कमरौली के गढ़ा मोड़ के पास लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को डीसीएम की टक्कर से साइकिल सवार अनवरी बानों (55) की मौत हो गई, जबकि उनके पति मोहम्मद वसीम (59) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों साइकिल से दवा लेने जा रहे थे। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घायल वसीम का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

इन्हौना के कैथागांव धीरापुर निवासी राज बहादुर (60) की भी सड़क हादसे में जान चली गई। लखनऊ-सुल्तानपुर राजमार्ग पर अनियंत्रित कार की टक्कर से उनकी मौत हो गई। बाजार शुकुल के बागमीरा भिटवा गांव निवासी शिव ओम (18) की बुधवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। वह साइकिल से होली खेलने जा रहा था। जैसे ही वह जगदीशपुर-सत्थिन मार्ग पर चढ़ा, सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उसकी टक्कर हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को ग्रामीणों ने सीएचसी जगदीशपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पीपरपुर के सवनगी गांव में करिश्मा (27) संदिग्ध परिस्थितियों में मायके के कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मुंशीगंज के सेवई हेमगढ़ गांव में खेत से लौट रहे किसान घेराऊ प्रजापति (65) बिजली के टूटे तार की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

मुसाफिरखाना के जाखा शिवपुर निवासी सुनील कुमार वर्मा (30) का शव लालगंज चौराहे के पास सड़क किनारे झाड़ियों में मिला। मौके पर उनकी क्षतिग्रस्त बाइक भी पड़ी मिली। पुलिस के अनुसार बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिरने से उनकी मौत हुई।

कमरौली के बरसंडा के पट्टी गांव में हनुमान गौतम (35) की संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त पदार्थ सेवन के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी बीच बाजार शुकुल के किशनी गांव में होली खेलने के बाद गोमती नदी में नहाने गए युवक पवन कुमार गुप्ता (23) डूब गए।

पुलिस और स्थानीय गोताखोर उनकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनका कोई सुराग नहीं लग सका था।

लैला ओ लैला पर महापौर, भीगे चुनर पर सांसद-विधायक का डांस

सीएम ने फूलों-गुलाल से खेली होली, शिवराज ने फाग गया, विदेशी मेहमान भी रंग में रंगे

भोपाल, 4 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में 4 मार्च को होली का पर्व पारंपरिक वैभव, सांस्कृतिक उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया जा रहा है। भोपाल से लेकर धार्मिक नगरी उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर और अन्य शहरों तक रंग, गुलाल और लोक परंपराओं की धूम नजर आ रही है। पूरा प्रदेश फागुन के रंग में सराबोर दिख रहा है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फूलों और गुलाल से होली खेली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फाग गया। उन्होंने कहा कि दुनिया में बारूद की नहीं, रंगों की बरसात होनी चाहिए। वहीं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने टिमकी और ढोलक की थाप पर फाग गाकर पारंपरिक होली मनाई।

उज्जैन में संतों ने फूलों और गुलाल से होली खेली। वहीं सांसद अनिल फिरोजिया 'भीगे चुनर वाली' गीत पर झूमते नजर आए। रतलाम में मेयर प्रहलाद पटेल ने 'लैला ओ लैला' गीत पर डांस किया। वहीं सागर में विधायक शैलेंद्र जैन ने पत्नी के साथ 'चल छैया छैया' पर थिरक कर कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह भर दिया।

डिंडौरी में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के बंगले पर होली मिलन समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान कांग्रेस विधायक ओंकार सिंह मरकाम ने ढोलक बजाकर फाग गाया, जिससे समारोह में लोक परंपरा की आत्मीय झलक दिखाई दी।

बागेश्वर धाम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री का अनोखा अंदाज देखने को मिला। वे अपने भक्तों के साथ होली के रंगों में डूबे नजर आए। कभी पगड़ी पहने तो कभी चश्मा पहनकर लोगों को हंसाते नजर आए। आस-पास के गांवों के लोगों के साथ होली गीत गाकर डांस किया। भोपाल के पीर गेट चौराहे पर टैंकरों से रंगों की बौछार की गई। घोड़े और ऊंटों के साथ निकले जुलूस ने उत्सव को और भव्य बना दिया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर बड़ी संख्या में लोग झूमते नजर आए। रंग से भरे बड़े-बड़े टैंकर लाए गए थे, जिससे लोगों पर बौछारें की गईं।

निवाड़ी में इटली से आए विदेशी मेहमानों ने स्थानीय लोगों के साथ रंग खेलकर सांस्कृतिक सौहार्द की मिसाल पेश की। खजुराहो में भी विदेशी मेहमानों ने जमकर होली खेली। डांसकर त्योहार मनाया। जबलपुर के लम्हेटा घाट स्थित इस्कॉन मंदिर जबलपुर में ब्रज शैली की होली मनाई गई। ग्वालियर में महाराजा बाड़ा के विक्टोरिया मार्केट के सामने पारंपरिक मूर्ख सम्मेलन की तैयारी रही।

बांके बिहारी संग होली: ब्रज में उमड़ा आस्था का सैलाब

11 दिन में 50 लाख भक्त पहुंचे मथुरा

मथुरा, 4 मार्च (एजेंसियां)। ब्रज की होली का खुमार इस बार सारी सरहदों को पार कर गया है। 'सब जग होरी, जा ब्रज होरी' की कहावत को चरितार्थ करते हुए इस साल भक्तों के उत्साह ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पिछले 11 दिनों में बरसाना, नंदगांव, गोकुल और मथुरा समेत पूरे ब्रज क्षेत्र में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई है। बुधवार को होली के मुख्य पर्व पर वृंदावन की गलियों में पैर रखने की भी जगह नहीं बची।

ग्रहण के बाद बांके बिहारी के आंगन में उमड़ी भीड़

इस बार की होली खास रही, क्योंकि मंगलवार को ग्रहण होने के कारण कई श्रद्धालु दर्शन नहीं कर सके थे। बुधवार की सुबह मंदिर के पट खुलते ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। दिन की शुरुआत बांके बिहारी के दर्शन और उनके चरणों में गुलाल अर्पित करने के साथ हुई। क्या

बच्चे, क्या बूढ़े और क्या विदेशी मेहमान हर कोई कान्हा के रंग में रंगा नजर आया।

वृंदावन की कुंज गलियों का नजारा अद्भुत था। मंदिर की ओर जाने वाले हर रास्ते पर केवल अबीर-गुलाल के बादल छाए थे।

ब्रजवासी अपने घरों की छतों और दरवाजों से आने-जाने वाले भक्तों पर रंगों और सुगंधित पानी की वर्षा कर रहे थे। 'बांके बिहारी लाल की जय' के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

स्थानीय निवासियों और बाहर से आए श्रद्धालुओं के बीच का अंतर मिट गया और हर कोई बस एक 'होली हुड़दंगी' के रूप में नजर आया।

प्रशासन अलर्ट 'सेवाभाव' से जुटी पुलिस

लाखों की भीड़ को देखते हुए मथुरा प्रशासन और पुलिस के लिए चुनौती बड़ी थी। एसएसपी मथुरा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की सुरक्षा का ध्यान रखें और 'सेवाभाव' के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं।

बांके बिहारी मंदिर के आसपास और वृंदावन की प्रमुख कॉलोनियों में भारी पुलिस बल तैनात है। भीड़ को देखते हुए कई मार्गों पर वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया गया है, ताकि पैदल चलने वाले भक्तों को परेशानी न हो।

ब्रज में होली का उत्सव अभी थमा नहीं है। प्रशासनिक अनुमान के अनुसार, कल दाऊजी के हुरंगा में भी भक्तों की भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है। ब्रज के अन्य हिस्सों में होने वाले 'हुरंगा' आयोजनों के लिए भी लोग बड़ी संख्या में रुक रहे हैं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, नमक के नीचे दबने से 2 दोस्तों की मौत

एक पंचायत सहायक था, बाइक पर परिचित से मिलने जा रहे थे

नागौर, 4 मार्च (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन में नमक से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बाइक सवार युवकों पर पलट गई। हादसे में बाइक सवार दोनों दोस्तों की मौत हो गई। मरने वालों में एक पंचायत सहायक था। हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसा बुधवार दोपहर नावां कस्बे के जब्दीनगर गांव में हुआ।

थानाधिकारी नंदलाल रिणवां ने बताया- हादसे में जब्दीनगर निवासी राधेश्याम (45) पुत्र पूरणमल और शंकरलाल (43) पुत्र मन्नालाल की मौत हो गई।

राधेश्याम नावां में पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत थे। जबकि शंकरलाल मजदूरी करता था। होली के मौके पर दोनों एक परिचित से मिलने के लिए बाइक से नजदीकी गांव राजास जा रहे थे। जब्दीनगर गांव से निकलते ही हादसा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शी शंकर और सूरज ने बताया- ट्रैक्टर में नमक ओवरलोड भरा था। सामने बाइक को देखकर ड्राइवर ने ट्रैक्टर पर संतुलन खो दिया। ट्रैक्टर से टकराकर बाइक गिर गई और ट्रॉली बाइक सवारों पर पलट गई। लोगों ने हाथों से नमक को हटाना शुरू किया। फिर जेसीबी से नमक को हटाया गया। युवकों को निकालकर एंबुलेंस से नावां उपजिला हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया- ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया है। ड्राइवर की तलाश कर रहे हैं।

नावां में सांभर लेक होने के कारण नमक लदान में ओवरलोड ट्रैक्टर चलते हैं। इस वजह से अक्सर हादसे होते हैं। ग्रामीण नरपत कुमावत ने बताया- यहां लदान के काम में लगे कई ट्रैक्टरों पर नंबर प्लेट नहीं लगी होती, इसलिए इनके खिलाफ कार्रवाई भी नहीं हो पाती।

राधेश्याम के परिवार में बेटा और बेटी हैं। दोनों पढ़ाई कर रहे हैं। शंकरलाल के भी 13 साल की बेटी और 10 साल का बेटा है। शंकर परिवार में कमाने वाला एकमात्र सदस्य था।

वह नमक झील में मजदूरी कर घर चलाता था।

छोटे भाई ने बड़े भाई को मारी गोली

अवैध तमंचे से सीने में सटाकर किया फायर, अस्पताल ले जाते समय मौत

एटा, 4 मार्च (एजेंसियां)। एटा में छोटे भाई ने बड़े भाई को गोली मार दी। 12 बोर के तमंचे से सीने पर सटाकर किया फायर। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

परिजनों के मुताबिक, किसी बात को लेकर उनके और छोटे भाई के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद अचानक इतना बढ़ गया कि छोटे भाई ने तमंचा निकालकर भाई के सीने में गोली मार दी।

गोली लगते ही जमीन पर गिर पड़े। घर में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग दौड़ पड़े। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम गांव पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आरोपी भाई फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर कस्तूरपुरा गांव की है। जहां मंगलवार रात दो भाईयों में मामूली कहासुनी हुई। बात इतनी बढ़ गई कि छोटे भाई विपिन पाण्डेय ने बड़े भाई राहुल पाण्डेय को सीने में गोली मार दी। 12 बोर का अवैध तमंचा मौके से बरामद किया गया है।

घायल अवस्था में परिजन राहुल को तुरंत कुरावली के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में सन्नाटा पसरा है परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।दूसरे नंबर के भाई रोहित ने बताया कि घर में होली की तैयारी चल रही थी। भाभी और बच्चे आपस में किसी बात पर बहस कर रहे थे। तभी विपिन आया और उसने उनपर गुस्सा करना शुरू कर दिया। इसपर राहुल ने कहा ये हमारे बीच का मामला है तुम दूर रहो। इसी बात पर दोनों भाईयों में कहासुनी शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया की विपिन ने जेब में रखे अवैध तमंचे को निकाला और राहुल के सीने में सटाकर फायरिंग कर दी। जिससे उसकी मौत हो गई।

राहुल की शादी 11 साल पहले पिंकी से हुई थी। उनके चार छोटे बच्चे प्राची और पूर्वी (9 वर्ष, जुड़वा), सुवी (7 वर्ष) और वंसू (5 वर्ष)। पिता की अचानक मौत से बच्चों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में लोग हैरान हैं कि मामूली विवाद ने भाईचारे को खून से रंग दिया।

घटना की सूचना मिलते ही जैथरा थाना पुलिस गांव पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच के निर्देश दिए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

पत्नी ने मां को खाना नहीं परोसा, पति ने गला घोंटा

बलोद, 4 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में 6 दिन पहले मानसिक रूप से बीमार पत्नी को पति ने रस्सी से गला घोंटकर मार डाला। वारदात के बाद आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए दावा किया कि उसकी पत्नी गिरकर मर गई है। हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच के बाद सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मामला बालोद थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक आरोपी का नाम धर्मेंद्र निषाद (43) है, जो ग्राम देवी नवागांव का रहने वाला है। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

23 फरवरी को पत्नी सावित्री बाई निषाद (38) की लाश संदिग्ध परिस्थितियों तांदुला नदी किनारे मिली।

शराब-घोटाला: बेल के बाद भी जेल में रहेंगे पूर्व आईएएस और कारोबारी

बिलासपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शराब घोटाला केस में जेल में बंद पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और कारोबारी अनवर ढेबर समेत 5 आरोपियों को जमानत दे दी है। जस्टिस अरविंद्र वर्मा की सिंगल बेंच में ये सुनवाई हुई। हालांकि, डीएमएफ केस के कारण बेल मिलने के बाद भी अनिल टुटेजा और अनवर को जेल में ही रहना होगा। वहीं अन्य 3 आरोपी जेल से बाहर आएंगे।

हाईकोर्ट ने ट्रायल में देरी के आधार पर सभी आरोपियों की जमानत अर्जी को मंजूर कर लिया है। बता दें कि इस मामले में टुटेजा और ढेबर समेत अन्य आरोपी 22 माह से जेल में बंद है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार में 3200 करोड़ का आबकारी घोटाला सामने आया था, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने की थी। जांच रिपोर्ट के अनुसार, शराब नीति बदलकर और नकली होलोग्राम बनाकर स्पेशल सप्लायर्स और आबकारी विभाग के अफसरों के माध्यम से नेताओं ने सिंडिकेट बनाया था।

इजराइल-ईरान जंग: छत्तीसगढ़ के 3 दोस्त दुबई में फंसे

बिलासपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब दुबई तक महसूस किया जा रहा है। इस बीच छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के 3 युवक दुबई में फंसे हुए हैं। तीनों दोस्त घूमने के लिए दुबई गए थे, लेकिन सुरक्षा को लेकर स्थिति साफ नहीं होने के कारण उनकी वापसी में देरी हो रही है।

जानकारी के मुताबिक, युवकों का नाम शिवम मिश्रा, आकाश अग्रवाल और आयुष अग्रवाल है, जो कोटा के रहने वाले हैं। लगातार फ्लाइट रद्द होने से तीनों दुबई में फंसे हुए हैं। हालांकि, तीनों युवक होटल में सुरक्षित हैं। वहीं, परिजनों ने भारत सरकार से मदद मांगी है। तीनों युवक वीडियो कॉल के जरिए परिजनों से संपर्क बनाए हुए हैं। बताया गया कि पहले उनकी टिकट 28 फरवरी की थी, लेकिन उड़ान निरस्त हो गई। इसके बाद तीन मार्च की नई टिकट मिली, वह भी कैंसल हो गई। अब उन्हें 5 मार्च की फ्लाइट का टिकट मिला है। शिमव मिश्रा ने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू से फोन पर बात की। जिस पर उन्होंने मदद का आश्वासन दिया। इधर, इस मामले में कलेक्टर संजय अग्रवाल का कहना है कि अब तक प्रशासनिक स्तर पर जानकारी नहीं मिली है। दरअसल, शिवम मिश्रा अपने दोस्त आकाश अग्रवाल और आयुष अग्रवाल के साथ घूमने के लिए दुबई पहुंचा था।

भारत के खास दोस्त भूटान के विदेश मंत्री पहुंचे दिल्ली

रायसीना डायलॉग में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। रायसीना डायलॉग 2026 के लिए विदेशी नेताओं के भारत आने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में भूटान के विदेश मामलों और बाहरी व्यापार मंत्री ल्योनपो डीएन धुंग्येल दिल्ली पहुंचे। दिल्ली में उनका जोरदार स्वागत किया गया। बता दें कि भारत में रायसीना डायलॉग का 11वां एपिसोड आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने धुंग्येल का फोटो पोस्ट कर उनका स्वागत किया। जायसवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारत और भूटान की साझेदारी गहरे आपसी विश्वास और सद्भावना पर बनी है। उनके इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों को और ज्यादा गति मिलेगी। 11वें रायसीना डायलॉग में शामिल होने के लिए नई दिल्ली आए भूटान के विदेश मंत्री का हार्दिक स्वागत है। भारत-भूटान की साझेदारी गहरे आपसी विश्वास और सद्भावना पर बनी है। इस दौरे से भारत और भूटान के संबंधों को और गति मिलेगी। बता दें कि रायसीना डायलॉग 2026 के लिए अलग-अलग देशों के नेताओं का भारत आने का क्रम जारी है। आज सुबह ही फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब दिल्ली पहुंचे। वे रायसीना डायलॉग 2026' में मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता के तौर पर शामिल हो रहे हैं।

चीन ने भी छोड़ दिया मुसीबत में घिरे ईरान का साथ, आंकड़े तो यही बताते हैं

नई दिल्ली,4 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका/इजरायल और ईरान के बीच जंग चल रही है। इस जंग में कोई भी देश ईरान के साथ नहीं है। ईरान का 90 फीसदी तेल खरीदने वाले चीन ने भी उससे मुंह मोड़ रखा है। चीन को शायद पहले से ही ईरान की दुर्गति का अंदाजा था। यही वजह है कि उसने धीरे-धीरे ईरान से दूरी बनानी शुरू कर दी थी। पिछले साल चीन से ईरान को निर्यात 6.93 अरब डॉलर रहा जो 11 साल में सबसे कम है। यह 2017 के पीक से 63 फीसदी कम है। तब चीन ने ईरान को 18.65 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट किया था। पिछले साल चीन ने ईरान से 3.04 अरब डॉलर का आयात किया। इस तरह चीन का ट्रेड सरप्लस 3.89 अरब डॉलर रहा जो 2022 के बाद सबसे कम है। ईरान के ट्रेड में चीन की 33 फीसदी हिस्सेदारी है जबकि चीन के ट्रेड में ईरान की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम है। यह स्थिति तब है जबकि चीन के क्रूड आयात में ईरानी तेल की हिस्सेदारी 13 फीसदी है। हालांकि ईरान के कुल ऑयल एक्सपोर्ट का 90 फीसदी चीन जाता है।

ईरान में चीन का निवेश

चीन ने साल 2025 में ईरान के साथ 25 साल की एक डील की थी। इसके स्ट्रैटजिक कोऑपरेशन एग्रीमेंट के तहत चीन को ईरान में 400 अरब डॉलर का निवेश करना था लेकिन इसमें अब तक केवल 2-3 अरब डॉलर का काम ही जमीन पर उतर पाया है। इस तरह ईरान में चीन का एक्सपोजर बहुत ज्यादा नहीं है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने ईरान पर कई तरह की पाबंदियां लगा रखी हैं जिससे वह अपना पूरा तेल नहीं बेच पाता है।

ईरान युद्ध से भारतीय फल-सब्जी निर्यातकों पर संकट, भाड़ा और देरी ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। ईरान में जारी युद्ध जैसे हालात ने भारतीय फल और सब्जी निर्यातकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। शिपमेंट की पूरी योजना अस्त-व्यस्त हो गई है और लागत का सारा हिसाब बिगड़ गया है। पुणे के निर्यातक दानेश शाह ने बताया कि उन्होंने यूरोप के लिए प्याज की खेप तैयार की थी, लेकिन अब समुद्री भाड़ा काफी बढ़ गया है। पहले जहां मार्च 2025 दिन में पहुंच जाता था, अब 4045 दिन लग रहे हैं। ट्रांसशिपमेंट हब भी प्रभावित हैं, जिससे देरी और बढ़ रही है। शाह ने पश्चिम एशिया और यूरोप से बड़े ऑर्डर लिए थे, लेकिन हालात बदलने के कारण अब उन्हें खाड़ी देशों के लिए तय किए गए केले सस्ते दाम पर बेचने पड़ रहे हैं। साथ ही लंबे ट्रांजिट समय के कारण प्याज खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है।

एयर फ्रेट महंगा, समुद्री भाड़ा भी चढ़ा

के बी एक्सपोर्ट्स के कुशल ठक्कर ने बताया कि उन्होंने स्पॉट खरीद घटा दी है, क्योंकि रास्ते में भेजा गया माल पहले ही प्रभावित हो चुका है। एयर फ्रेट या तो बहुत महंगा हो गया है या उपलब्ध ही नहीं है। ठक्कर यूके और यूरोप के सुपरमार्केट को भिंडी, लौकी और बेबी कॉर्न जैसी ताजी सब्जियां भेजते हैं। निर्यातकों के मुताबिक, जहां भी कार्गो स्पेस मिल रहा है, वहां कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। यूरोप के लिए एयरलाइंस 3040% ज्यादा किराया वसूल रही हैं। पश्चिम एशिया के कई एयरपोर्ट बंद होने से एयरलाइंस की मोलभाव करने की ताकत बढ़ गई है। समुद्री भाड़े में भी भारी उछाल आया है।' इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन के उपाध्यक्ष देव गर्ग ने बताया कि सऊदी अरब के लिए 20 फीट कंटेनर भेजने की लागत 48 घंटे में बढ़कर 2,600 डॉलर हो गई। कई शिपिंग कंपनियों ने वॉर सरचार्ज लगा दिया है। अफ्रीका के लिए शिपमेंट भी जहाजों की कमी के कारण करीब 20% महंगे हो गए हैं। फेडरेशन ने ईरान और यूएई के लिए जा रहे माल को वापस बुलाने या दूसरे बंदरगाहों की ओर मोड़ने की सलाह दी है। उद्योग के अनुमान के मुताबिक, करीब 4 लाख टन चावल फिलहाल रास्ते में है। निर्यातकों का कहना है कि कुछ यूरोपीय खरीदार ज्यादा कीमत देने को तैयार हैं, लेकिन मौजूदा अनिश्चितता वैश्विक खुदरा बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

सोना आज 6149 सस्ता, 1.61 लाख पर आया

34 दिन में 14 हजार गिरा, चांदी एक दिन में 23 हजार रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दामों में आज 4 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 6,149 रुपए घटकर 1.61 लाख पर आ गया है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 1.67 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 23,417 रुपए गिरकर 2.66 लाख पर आ गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2.89 लाख रुपए प्रति किलो थी। सोना चांदी के दाम में ये गिरावट प्रॉफिट बुकिंग की वजह से आई है। मंगलवार को होली पर्व के कारण बाजार बंद था।

3.86 लाख के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुकी है चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने की दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 14,799 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2026 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 34 दिन में चांदी 1.19 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

एक्सपर्ट्स: सोना 1.72 लाख और चांदी 3.30 लाख जा सकती है

एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी के अनुसार, ₹आने वाला हफ्ता अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से काफी अहम है। वहां के मैन्युफैक्चरिंग और बेरोजगारी के आंकड़े आने वाले हैं, जिससे फेडरल रिजर्व की पॉलिसी का अंदाजा लगेगा। तकनीकी तौर पर जब तक सोना 1,64,000 के ऊपर है, तब तक इसमें मजबूती बनी रहेगी। ऊपर की तरफ 1,72,000 का स्तर पार होने पर यह और ऊपर जा सकता है। वहीं, एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर का कहना है कि सोना अभी कंसोलिडेशन (स्थिरता) के दौर में है, लेकिन इसका ट्रेंड पॉजिटिव है।

शेयर बाजार 1122 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ बंद, पूंजी निकासी से रुपया कमजोर

मुंबई,4 मार्च(एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार पर पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव का असर बुधवार को स्पष्ट दिखा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,122.66 अंक यानी 1.40 प्रतिशत गिरकर 79,116.19 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 385.20 अंक या 1.55 प्रतिशत टूटकर 24,480.50 के स्तर पर आ गया। वहीं, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की कीमत अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गई।

बाजार पर सबसे ज्यादा दबाव धातु से जुड़ी कंपनियों के शेयरों का रहा। निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा गिरने वाला समूह रहा, जिसमें करीब 4 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, रियल एस्टेट, तेल और गैस, मीडिया, कमोडिटी और सार्वजनिक उपक्रमों से जुड़े शेयरों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई। पूरे बाजार में केवल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से जुड़े शेयरों में हल्की बढ़त देखने को मिली और यह समूह मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 3.24 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 3.11 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 3.09 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 3.05 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 2.87 प्रतिशत और निफ्टी पीएसई 2.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।बड़ी कंपनियों के साथ-साथ मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी भारी बिकवाली रही। मिडकैप सूचकांक करीब 2.16 प्रतिशत और स्मॉलकैप सूचकांक लगभग 2.11 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। बाजार में उतार-चढ़ाव दर्शाने वाले इंडेक्स इंडिया विक्स में 23 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली, जो बाजार में बढ़ती अस्थिरता को दिखाता है। सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में भारती एयरटेल, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा में बढ़त रही, जबकि टाटा स्टील, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी और बीईएल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। ईरान संकट के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आने के कारण आज रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 67 पैसे टूटा और यह अपने सर्वकालिक निचले स्तर 92.16 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अमेरिका-ईरान संकट के बीच दुनियाभर में जोखिम का माहौल बना हुआ है, जिसके चलते डॉलर सूचकांक 98 के स्तर को पार कर गया। इससे रुपये और दबाव बढ़ गया। उन्होंने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी ने भी भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में भूमिका निभाई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कुंभ	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
कुंभ....	05-28	बजे
मीन....	07-06	बजे
मेष.....	08-42	बजे
वृष....	10-27	बजे
मिथुन..	12-28	बजे
कर्क...	14-40	बजे
सिंह---	16-52	बजे
कन्या--	18-59	बजे
तुला-----	21-04	बजे
वृश्चिक..	23-14	बजे
धनु.....	01-28	बजे
मकर...	03-33	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष गुरुवार 05 March 2026
तिथि - द्वितीया 17-04 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 08-17 तक उप हस्त
योग - शूल 07-45 तक उप. गण्ड
करण - गर 17-04 तक. वणिज

सूर्योदय 06-38
सूर्यास्त. 18 -19

सन्त तुकाराम जन्म दिवस

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-56 से 15-25 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			
शुभ	06-38 - 08-02	शुभ
रोग	08-02 - 09-30	अशुभ
उत्पात	09-30 - 10-59	अशुभ
चंचल	10-59 - 12-28	शुभ
लाभ	12-28 - 13-56	शुभ
अमृत	13-56 - 15-25	शुभ
काल	15-25 - 16-54	अशुभ
शुभ	16-54 - 18-19	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	18-19 - 19-54	शुभ
चंचल	19-54 - 21-25	शुभ
रोग	20-25 - 22-56	अशुभ
काल	22-56 - 00-27	अशुभ
लाभ	00-27 - 01-59	शुभ
उत्पात	01-59 - 03-30	अशुभ
शुभ.	03-30 - 05-01	शुभ
अमृत	05-01 - 06-38	शुभ

डिफॉल्ट करने वालों को लोन देने पर आरबीआई सख्त, एनबीएफसी को चेतावनी

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों की एक खास लोन प्रैक्टिस पर अब रिजर्व बैंक ने सख्ती दिखाई है। आरबीआई ने कम से कम तीन एनबीएफसी से पूछा है कि वे उन ग्राहकों को नया कर्ज क्यों दे रही हैं, जिन्होंने पहले लिया गया लोन समय पर नहीं चुकाया है। सालाना जांच के दौरान आरबीआई अधिकारियों ने पाया कि कुछ मामलों में ग्राहक ने वाहन लोन में डिफॉल्ट किया, लेकिन उसी को प्रॉपर्टी या होम लोन के नाम पर नया कर्ज दे दिया गया। आरबीआई का कहना है कि वह यह नहीं कह रहा कि दूसरा लोन बिल्कुल न दिया जाए. यह कंपनी का व्यावसायिक फैसला हो सकता है. लेकिन इसके लिए बोर्ड से मंजूर एक स्पष्ट नीति होनी चाहिए, जिसमें यह बताया जाए कि किन परिस्थितियों में नया लोन दिया जाएगा और यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि इसका इस्तेमाल एवरग्रीनिंग के लिए न हो. एवरग्रीनिंग वह तरीका है जिसमें मुश्किल में फंसे उधारकर्ता को पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया कर्ज दे दिया जाता है. इससे कंपनी की बैलेंस शीट में खराब लोन की असली स्थिति छिप जाती है. नियमों के मुताबिक, अगर किसी लोन की किश्त 90 दिन तक बकाया रहती है तो उसे एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) घोषित किया जाता है. आरबीआई का रुख है कि अगर किसी एनबीएफसी की आंतरिक लोन नीति में इस बारे में कुछ नहीं लिखा है, तो इसका मतलब यह नहीं कि वह ऐसा कर सकती है. सूत्रों के मुताबिक, जिन एनबीएफसी की नेटवर्थ 250 करोड़ रुपये से ज्यादा है और जो इंडएएस (इंडियन अकाउंटिंग स्टैंडर्ड) का पालन करती हैं, उनके लिए भी यही सख्ती लागू हो सकती है. इंडएएस में जोखिम को पहले ही पहचानकर प्रावधान करना होता है. यानी 30 दिन की देरी के बाद सिग्निफिकेंट इंक्रीज इन क्रेडिट रिस्क मानते हुए पूरे लोन की संभावित हानि का आकलन करना पड़ता है. इसे ईसीएल मॉडल कहते हैं, जिसमें डिफॉल्ट होने का इंतजार नहीं किया जाता, बल्कि शुरुआत से ही संभावित नुकसान का हिसाब रखा जाता है.

छह महीने में 30% गिर चुका है सुजलॉन एनर्जी

तब मोतीलाल ओसवाल क्यों कह रहे हैं खरीद लो?

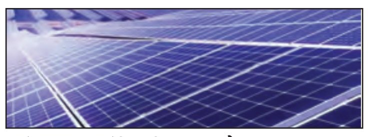

मुंबई,4 मार्च(एजेंसियां)। क्लीन एनर्जी सेक्टर की एक कंपनी है सुजलॉन एनर्जी। बुधवार को ट्रेडिंग के दौरान यह तीन फीसदी से भी ज्यादा टूट गया था। यह लगातार तीसरा सत्र है जबकि इस शेयर की पिटाई हुई है। तब भी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज को इसमें संभावना दिख रही है। इसका कहना है कि यह स्टॉक करेंट लेवल से 61% तक ऊपर जा सकता है।

30% गिरा है शेयर

पिछले छह महीने में देखें तो यह शेयर करीब 30% गिर चुका है। बीते सोमवार को कारोबार के दौरान यह शेयर बीएसई में 38.90 रुपये तक गिर गया था। यह 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। आज यानी बुधवार, 4 मार्च 2026 को भी यह शेयर बीएसई में कारोबार के दौरान तीन फीसदी से ज्यादा गिरते हुए 39.68 रुपये तक जा पहुंचा। हालांकि फिर इसमें सुधार आया। दिन में साढ़े बारह बजे यह 39.97 रुपये पर ट्रेड हो रहा था।

मोतीलाल ओसवाल का क्या कहना है

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज अपनी रिपोर्ट में कहता है कि कंपनी इस समय मैनेजमेंट की लीडरशिप में सुजलॉन 2.0 विजन के अनुरूप रिस्ट्रक्चरिंग कर रही है। कंपनी ने एक नया मैनेजमेंट फ्रेमवर्क अनाउंस किया है। कंपनी ने एक ग्रुप एक्जीक्यूटिव काउंसिल का भी गठन किया है। ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि लीडरशिप स्ट्रक्चर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वह कंपनी के सोलर और बैटरी स्टोरेज सिस्टम को सपोर्ट करे।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें । आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ईरान-इजरायल युद्ध का असर आपके घर तक, कुकिंग ऑयल से लेकर खजूर-बादाम-पिस्ता तक सब होने लगा महंगा

नई दिल्ली,4 मार्च(एजेंसियां)। ईरान-इजरायल युद्ध के शुरू होने से सिर्फ खाड़ी देश ही परेशान नहीं है। इसकी तपिश भारत के घरों तक भी पहुंचने वाली है। जी हां, देश भर के बाजारों में खाना पकाने का तेल से लेकर खजूर, बादाम, पिस्ता, अंजीर आदि महंगे होने शुरू हो गए हैं। रमजान के दिनों में खजूर महंगा होने से रोजा रखने वालों को कुछ ज्यादा ही दिक्कत होगी।

तनाव का सीधा असर भारतीय बाजार पर

अपने यहां कुकिंग ऑयल की रिफाइनिंग और पैकिंग करने वाली कंपनियों के संगठन इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स' एसोसिएशन के अध्यक्ष और इमामी एग्रोटेक के सीईओ, सुधाकर देसाई इससे बहुत चिंतित दिखते हैं। उनका कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच किसी भी तरह के तनाव या उसके बढ़ने का भारत क्रूड ऑयल और कुकिंग ऑयल के बाजारों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोतरी से पेट्रोल-डीजल और तमाम फॉसिल फ्यूल महंगा होता है। इससे सभी चीजों की लॉजिस्टिक्स कॉस्ट बढ़ जाती है। इसके अलावा, इससे समुद्री जहाजों के बीमा जोखिम भी बढ़ सकते हैं।

आयात पर है निर्भरता

आपको पता ही होगा कि खाद्य तेलों के मामले में भारत की आयात पर भारी निर्भरता है। सुधाकर देसाई का कहना है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में होने वाले ऐसे व्यवधानों का असर खाद्य तेलों की घरेलू कीमतों में पड़ना तय था। यह दिखने लगा है। क्योंकि सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के लिए, लाल सागर क्षेत्र और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी किसी भी समस्या खासतौर पर काला सागर क्षेत्र से आने वाली सप्लाई में व्यवधान पैदा करती है। ऊपर से डॉलर के मुकाबले रुपया के कमजोर पड़ने से भी भारत में आयातित कुकिंग ऑयल महंगे पड़ रहे हैं।

दिल्ली में बढ़ गए दाम

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के थोक बाजार में सोमवार और मंगलवार के बीच कुकिंग ऑयल, सूखे मेवे आदि की कीमतों में 10% तक की तेजी दर्ज की गई। कारोबारियों का कहना है कि युद्ध की वजह से सप्लाई रुकने और कीमतें बढ़ने के डर से लोग ज्यादा तेल खरीद रहे हैं। थोक बाजार में आए इस बदलाव का असर आम लोगों के लिए रिटेल कीमतों में दिखने में अभी कुछ हफ्ते लगेंगे।

रमजान में महंगे हुए खजूर

इस समय रमजान का पवित्र महीना चल रहा है। ऐसे में खाड़ी देशों में युद्ध शुरू हो गया। अपने यहां अधिकतर खजूर खाड़ी देशों से ही आता है। इसलिए दिल्ली के बाजार में खजूर की कीमतें 10 से 20% तक बढ़ गई हैं। कारोबारी बताते हैं कि ईरान, अफगानिस्तान और यूएई जैसे ट्रेडिंग सेंटर्स से सप्लाई में दिक्कत आने की वजह से लोकल मार्केट में खजूर की कमी हो गई है।

90 हजार करोड़ रुपये बढ़ चुकी है बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की कॉस्ट, कहां से आएगा बाकी पैसा?

नई दिल्ली,4 मार्च(एजेंसियां)। भारत में पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट मुंबई से अहमदाबाद के बीच बनाया जा रहा है। इस पर 1.08 लाख करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान था। लेकिन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण इसकी लागत बढ़कर करीब 1.98 लाख करोड़ रुपये (21.5 अरब डॉलर) पहुंच चुकी है। यह अपनी ओरिजिनल कॉस्ट से करीब 90 हजार करोड़ रुपये यानी 83 फीसदी अधिक है। अब सवाल यह उठता है कि रेलवे अतिरिक्त रकम कहां से लाएगा? ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे के सीनियर अधिकारियों ने बताया कि वे जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी या अन्य मल्टीलेटरल फाइनेंस इंस्टीट्यूशन से अतिरक्त लोन लेने पर विचार नहीं कर रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए और एक्सटरनल फंडिंग की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए ग्रॉस बजटरी सपोर्ट का यूज किया जाएगा।

क्या है प्लान?

अगले साल के बजट में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन के लिए 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो पिछले साल के 15,500 करोड़ रुपये से कम है। रेलवे फाइनेंस मिनिस्ट्री से अतिरिक्त फंड लेने की योजना बना रहा है। जीका ने इस प्रोजेक्ट के लिए साल 2017 से 59,396 करोड़ रुपये का सॉफ्ट लोन दिया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच बन रहा पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट इसकी ओरिजिनल कॉस्ट करीब 1.08 लाख करोड़ रुपये थी लेकिन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण इसमें 83% उछाल जापान के सहयोग और फंडिंग से बन रहा है यह प्रोजेक्ट 100 किमी स्ट्रेच पर अगले साल ट्रेन चलाने का है लक्ष्य

इस प्रोजेक्ट को जापान सरकार के सहयोग और फंडिंग से बनाया जा रहा है। इसमें 12 स्टेशन बनाए जाने हैं जिनमें से 8 का फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है। सरकार का दावा है कि 2027 तक इसमें 100 किमी का स्ट्रेच शुरू हो जाएगा।

नए कॉरिडोर

सरकार ने हाल में पेश बजट में सात नए बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की भी घोषणा की है। इन की कुल लंबाई करीब 4,000 किमी है और इन पर 16 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की संभावना है। इनमें मुंबई-पुणे, पुणे-अहमदाबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी कॉरिडोर शामिल हैं।

राज्यसभा की तीन सीटों पर सियासी हलचल तेज

कांग्रेस-भाजपा में दावेदारों की दौड़ शुरू

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। जून 2026 में प्रदेश की तीन सीटों पर चुनाव होने हैं। मौजूदा संख्या बल के हिसाब से दो सीटें भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और एक सीट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (कांग्रेस) के खाते में जाना लगभग तय माना जा रहा है।

किन सांसदों का खत्म हो रहा कार्यकाल?

भाजपा के रवनीत सिंह बिट्टू और राजेंद्र गहलोत तथा कांग्रेस के नीरज डांगी का कार्यकाल जून 2026 में समाप्त हो रहा है। नीरज डांगी और राजेंद्र गहलोत वर्ष 2020 में चुने गए थे और अब छह साल का कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। वहीं रवनीत सिंह बिट्टू अगस्त 2024 में राजस्थान से राज्यसभा पहुंचे थे, लेकिन संबंधित सीट का कार्यकाल जून 2026 तक ही होने से वे करीब दो वर्ष ही सदस्य रह पाएंगे।

कांग्रेस में दावेदारों की हलचल

कांग्रेस की एक सीट को लेकर पार्टी के भीतर मंथन तेज है।

अंतिम निर्णय पार्टी आलाकमान को करना है, लेकिन उससे पहले प्रदेश स्तर पर सियासी बिसात बिछ चुकी है। हाल ही में प्रदेश नेताओं के दिल्ली दौरे के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इस बार स्थानीय चेहरे को मौका देने की संभावना पर भी विचार हो रहा है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा सक्रिय बताए जा रहे हैं और मेवाड़ क्षेत्र का प्रतिनिधित्व देने की दलील के साथ अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का नाम भी चर्चा में है।

इसके अलावा चूरू से चुनाव लड़ चुके रफीक मंडेलिया ने भी राज्यसभा जाने की इच्छा जताई है और उन्होंने दिल्ली सहित प्रदेश के कई नेताओं से मुलाकात की है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी का नाम भी संभावित दावेदारों में शामिल माना जा रहा है।

संगठन और सरकार में लंबे अनुभव तथा मेवाड़ क्षेत्र में पकड़ को देखते हुए उनका नाम गंभीरता से लिया जा रहा है।

बीजेपी में रिपीट या नया चेहरा?

बीजेपी एक सीट पर रवनीत सिंह बिट्टू को दोबारा भेजने पर विचार कर सकती है। वे केंद्र सरकार में मंत्री हैं और सिख समुदाय के प्रतिनिधित्व के लिहाज से पार्टी के लिए अहम माने जाते हैं। दूसरी सीट के लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के नाम चर्चा में हैं। दोनों ही नेताओं का संगठन और राजनीति में लंबा अनुभव है, जिससे पार्टी के भीतर उनके समर्थक सक्रिय बताए जा रहे हैं।

सामाजिक समीकरण भी अहम

कांग्रेस के भीतर सामाजिक संतुलन को लेकर भी चर्चा है। वर्तमान में प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी वर्ग से और नेता प्रतिपक्ष दलित वर्ग से हैं, ऐसे में पार्टी अल्पसंख्यक या सामान्य वर्ग के किसी चेहरे को मौका देने पर विचार कर सकती है। राज्यसभा चुनाव नजदीक आते ही राजस्थान की राजनीति में गतिविधियां और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

ईरान के हवाई हमले में राजस्थान के युवक की मौत

ओमान पोर्ट पर जहाज में सवार था

नागौर, 4 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बीच राजस्थान के नागौर जिले के एक युवक की मौत की खबर सामने आई है। युवक दलीप सिंह नागौर जिले के खींवताना का रहने वाला था और क्रूड ऑयल कंपनी के एक शिप पर नौकरी करता था। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

ओमान पोर्ट पर 1 मार्च की सुबह दलीप सिंह ड्यूटी कर रहा था। तभी ईरान की मिसाइल स्काईलाइट कंपनी के जहाज पर आकर गिरी। इस हमले में जहाज पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बिहार के रहने वाले आशीष का शव मिल गया है। लेकिन, दलीप का शव अभी तक नहीं मिला है।

स्काईलाइट कंपनी का था

जहाज

जिस जहाज पर हमला हुआ, वह स्काईलाइट कंपनी का था। कंपनी के अनुसार हमले के समय जहाज खासब पोर्ट पर खड़ा था। इस हमले में जहाज बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, राजस्थान के युवक सहित कैप्टन आशीष की मौत हो गई।

खींवताना गांव में मातम

कंपनी की ओर से दलीप के परिजनों को सूचना भिजवा दी है। होली के मौके पर दलीप की मौत की सूचना मिलते ही खींवताना गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

राजनीति में सियासी संग्राम, कांग्रेस के दिग्गज नेता ने बीजेपी विधायक को दी खुली चुनौती

चित्तौड़गढ़, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप सामान्य हैं, लेकिन मेवाड़ की धरती पर इस बार मुकाबला बेहद तीखा और व्यक्तिगत हो चुका है। निंबाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र अब दो दिग्गजों पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना और वर्तमान विधायक श्रीचंद कृपलानी के बीच भ्रष्टाचार के आरोपों का अखाड़ा बन गया है।

इस घमासान की शुरुआत 25 फरवरी को हुई, जब राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा ने विधानसभा में निंबाहेड़ा में मूर्तियों की खरीद और सड़क टेंडर में धांधली का मामला उठाया। इसके बाद क्षेत्र में राजनीतिक पारा चढ़ गया और दोनों नेता एक-दूसरे पर हमलावर हो गए।

उदयलाल आंजना — श्रीचंद कृपलानी

आंजना की खुली चुनौती

विधायक कृपलानी द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों पर पलटवार करते हुए उदयलाल आंजना ने उनके भाषण को 'झूठ का पुलिंदा' बताया। आंजना ने कहा कि जिस फोरलेन का श्रेय कृपलानी ले रहे हैं, उसकी स्वीकृति गहलोत सरकार ने ही दे दी थी। उन्होंने कृपलानी को खुली चुनौती दी।

उन्होंने कहा, 1990 से 2023 तक के सभी विकास कार्यों और वर्तमान भाजपा बोर्ड के कार्यों की जांच एसीबी से कराई जाए। आंजना ने कटाक्ष किया कि जांच से स्पष्ट हो जाएगा कि किसने व्यापार से धन कमाया और किसने राजनीति की आड़ में उदयपुर में 'होटलों का साम्राज्य' खड़ा किया।

कृपलानी का पलटवार

वहीं, श्रीचंद कृपलानी भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। विधानसभा में मुद्दा उठाए जाने से भड़के कृपलानी ने सार्वजनिक मंच से चेतावनी दी कि वे कांग्रेस के पिछले 5 सालों के शासन में हुए करोड़ों के भ्रष्टाचार का खुलासा करेंगे।

मेवाड़ की इस 'हॉट सीट' पर विकास के दावों से कहीं ज्यादा अब व्यक्तिगत साख दांव पर लगी है। जहां एक तरफ भ्रष्टाचार की जांच की चुनौती है। वहीं, दूसरी तरफ 'होटल साम्राज्य' बनाम 'विकास के दावों' की जुबानी जंग तेज हो गई है।

एसओजी का बड़ा ऑपरेशन: 250 से अधिक संदिग्धों पर गिरफ्तारी की तलवार

हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती में मचेगा हड़कंप

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी नौकरी पाने का सपना देखने वाले मेहनती युवाओं के हक पर डाका डालने वालों की अब खैर नहीं है। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने राज्य में फर्जी तरीके से नौकरी पाने वालों के खिलाफ एक बार फिर से मोर्चा खोल दिया है। इस बार SOG के रडार पर हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती से जुड़े वे अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने शॉर्टकट अपनाकर सिस्टम में एंट्री ली थी।

एसओजी की जांच में सामने आया है कि हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती परीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर ब्लूटूथ तकनीक का इस्तेमाल कर नकल कराई गई थी। जांच एजेंसियों ने कई ऐसे संदिग्धों की पहचान कर ली है, जिन्होंने परीक्षा केंद्र के भीतर और बाहर बैठकर इस साजिश को अंजाम दिया।

एसओजी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड पौरव कालेर पहले ही पुलिस की गिरफ्त में है। कालेर और उसके गिरोह से हुई कड़ी पूछताछ के बाद अब उन अभ्यर्थियों की लिस्ट तैयार कर ली गई है, जिन्होंने लाखों रुपए देकर पेपर हल करवाया या ब्लूटूथ के जरिए नकल की।

250 से अधिक संदिग्धों पर मंडरा रहा गिरफ्तारी का तलवार

एसओजी की रडार पर वर्तमान में 250 से अधिक ऐसे नाम हैं, जिनकी भूमिका संदिग्ध पाई गई है।

सूत्रों की माने तो आगामी दिनों में एक बड़ा जॉइंट ऑपरेशन चलाया जाएगा, जिसमें प्रदेश के अलग-अलग जिलों से इन आरोपियों की धरपकड़ की जाएगी।

जांच के मुख्य बिंदु

परीक्षा के दौरान इस्तेमाल किए गए डिजिटल फुटप्रिंट्स और ब्लूटूथ डिवाइस की कड़ियों को जोड़ा जा रहा है।

संदिग्ध अभ्यर्थियों और गिरोह के सदस्यों के बीच हुए पैसों के लेन-देन की गहनता से जांच हो रही है।

पौरव कालेर गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्यों और सरकारी विभाग में बैठे उनके मददगारों की पहचान की जा रही है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की सख्त नीति

राजस्थान सरकार और एसओजी की इस कार्रवाई से उन लोगों में हड़कंप मच गया है, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में फर्जी डिग्रियों या नकल के सहारे नौकरियां हासिल की हैं। एसओजी की यह कार्रवाई न केवल हाईकोर्ट एलडीसी भर्ती तक सीमित रहेगी, बल्कि आने वाले समय में अन्य पुरानी भर्तियों की भी परतें खुल सकती हैं।

मिडिल ईस्ट में ईरान-इजरायल तनाव का असर जयपुर एयरपोर्ट पर

अबू धाबी, शारजाह और दुबई जाने वाली चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानें लगातार पांचवें दिन रद्द रहीं

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और अस्थिरता का सीधा असर अब राजस्थान के हवाई यातायात पर पड़ने लगा है। सुरक्षा चिंताओं और अंतरराष्ट्रीय एयरस्पेस पर लगी पाबंदियों के कारण जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से खाड़ी देशों के लिए उड़ने वाली चार प्रमुख फ्लाइट्स बुधवार को लगातार पांचवें दिन रद्द रहीं।

इस अचानक आए संकट ने न केवल यात्रियों के सफर में बाधा डाली है। बल्कि पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं।

इन उड़ानों पर पड़ा असर

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, रद्द की गई उड़ानों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी एयरलाइंस शामिल हैं।

यात्रियों के सामने खड़ा हुआ संकट

फ्लाइट्स रद्द होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, जिससे एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल है। यात्रियों को मुख्य रूप से तीन बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई यात्री दुबई या अबू धाबी से यूरोप या अमेरिका के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेने वाले थे, जिनका पूरा ट्रैवल प्लान अब बिगड़ चुका है।

खाड़ी देशों में काम करने वाले प्रवासियों के वीजा की वैधता खत्म होने का डर है, साथ ही महंगे होटलों की बुकिंग का पैसा भी डूब रहा है। व्यापारियों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर है, क्योंकि व्यापारिक बैठकें और शिपमेंट से जुड़े काम अटक गए हैं।

एयरलाइंस और एयरपोर्ट का रुख

हालांकि, एयरलाइंस यात्रियों को रिफंड या री-शेड्यूलिंग का विकल्प दे रही हैं, लेकिन अचानक बढ़ी मांग के कारण वैकल्पिक टिकटों के दाम आसमान छू रहे हैं। एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि जब तक मिडिल ईस्ट में सुरक्षा स्थिति सामान्य नहीं होती और एयरस्पेस पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाता, तब तक यह अनिश्चितता बनी रह सकती है।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से निकलने से पहले अपनी एयरलाइन के हेल्पलाइन नंबर या आधिकारिक वेबसाइट पर फ्लाइट का स्टेटस जरूर चेक कर लें।

होली के जुलूस के दौरान मचा बवाल

धार्मिक स्थल पर रंग गिरने से बिगड़े हालात, भारी पुलिस बल तैनात

बूंदी, 4 मार्च (एजेंसियां)। बूंदी जिले के हिण्डोली क्षेत्र स्थित अलोद कस्बे में बुधवार को होली के जुलूस के दौरान एक धार्मिक स्थल पर रंग गिरने से बवाल मच गया और तनाव की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराने का प्रयास किया।

जानकारी के अनुसार होली का जुलूस कस्बे के मुख्य मार्ग से गुजर रहा था। इस दौरान कुछ युवक रंग खेलते हुए और साथियों को कंधे पर बैठाकर आगे बढ़ रहे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान रंग फेंकते समय रंग की छींटें पास स्थित एक धार्मिक स्थल के गेट और दीवार पर जा पड़े। घटना की जानकारी मिलते ही दूसरे पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और नाराजगी जताई। देखते ही देखते माहौल गर्माने लगा और क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने समझदारी दिखाते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों से बातचीत की और शांति बनाए रखने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि रंग फेंकने की घटना में शामिल युवकों की पहचान की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल कस्बे में पुलिस बल तैनात है और स्थिति नियंत्रण में है।

करोड़पति पिता की बेटी ग्रहण करेंगी जैन दीक्षा

सांसारिक जीवन को कहेंगी अलविदा

बाड़मेर, 4 मार्च (एजेंसियां)। बाड़मेर शहर निवासी 28 वर्षीय मुमुक्षु संतोष मालू इस सांसारिक जीवन को छोड़कर संयम के पथ को अंगीकार करने जा रही हैं। बीकॉम तक पढ़ाई कर चुकी संतोष मालू 5 मार्च को जैसलमेर में जैन साधु संतों के पावन सानिध्य में जैन दीक्षा ग्रहण करेंगी। इससे पहले संतोष को उनके बाड़मेर स्थित निवास पर समारोहपूर्वक विदाई दी गई, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग शामिल हुए और उन्होंने संतोष को भावपूर्ण विदाई दी। इस दौरान माता-पिता, दादी, भाइयों सहित पूरे परिवार ने विधि विधान के साथ उन्हें विदा किया।

घर की इकलौती बेटी को संयम पथ पर विदा करते समय दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और भाई सभी भावुक नजर आए। इस अवसर पर परंपरा के अनुसार घर की दीवार पर लिखा गया कि दासी नहीं, रानी बनने जा रही हूं। इसके बाद सांसारिक सुखों की तमाम चीजों को ठुकराते हुए संतोष घर से बाहर के लिए रवाना हुई।

बीकॉम तक पढ़ी हैं संतोष

संतोष ने बताया कि उन्होंने बीकॉम तक पढ़ाई की है और आगे एमकॉम करने का सपना था, लेकिन कोरोना काल में आचार्य भगवन्त के बाड़मेर चातुर्मास के बाद उनके जीवन को नई दिशा मिली। पहले दीक्षा के भाव मन में नहीं थे, लेकिन तपस्या करना उन्हें अच्छा लगता था। संतोष ने बताया कि 4 साल के वैराग्य काल में गुरुकुल वास आठ महीने का है। इस दौरान उन्होंने करीब दो हजार किलोमीटर का पैदल विहार किया और तप, तपस्या व साधना आदि की। उनका कहना है कि सांसारिक जीवन में दिखने वाला सुख क्षणिक होता है, जबकि वास्तविक सुख केवल संयम में ही है। सोशल मीडिया केवल दिखावा है, असली कुछ नहीं, इसके लिए लोग उसपर जुड़े रहते हैं। युवाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में दीक्षा ग्रहण करे या न करे, लेकिन एक अच्छे सावक-सेविका जरूर बने।

बढ़ी गर्मी की तपिश, कई शहरों में पारा 35 डिग्री पार

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के कई शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। पश्चिमी जिलों में दिन के समय तेज और झुलसाने वाली गर्मी महसूस की गई। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। हालांकि न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई, जिससे कुछ शहरों में रात के समय मामूली ठंडक रही, लेकिन तापमान सामान्य से ऊपर ही बना रहा। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले 2 से 3 दिनों में तापमान में और वृद्धि होने तथा दिन के समय गर्मी तेज रहने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान साफ रहा और सुबह से ही तेज धूप निकली। पिलानी, चित्तौड़गढ़, पाली, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, बीकानेर, चूरू, नागौर, जालोर और लूणकरणसर में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। राज्य के सभी प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। अलवर में 31.4 डिग्री, जयपुर और उदयपुर में 33.9 डिग्री, सीकर में 32.5 डिग्री, गंगानगर में 33.3 डिग्री, बारां में 32.9 डिग्री, हनुमानगढ़ में 31.2 डिग्री, सिरोही में 32.8 डिग्री और झुंझुनूं में 33.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। तेज गर्मी के चलते कई शहरों में सुबह-शाम घरों और दफ्तरों में पंखों का उपयोग शुरू हो गया है।

रुमाल से गला घोंटा और सीढ़ी पर बांधकर नाले में फेंका शव

पत्नी-बेटे और रिश्तेदारों ने मिलकर पति को मार डाला

बांसवाड़ा, 4 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक परिवार ने ही घर के मुखिया की जीवनलीला समाप्त कर दी। सदर थाना क्षेत्र के सुंदनपुर पुल के पास नाले में मिले शव की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है।

यह मामला आत्महत्या का नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई नृशंस हत्या का निकला। पुलिस जांच में सामने आया कि खेड़ापाड़ा टामटिया निवासी विट्ठल शराब पीने का आदी था। वह आए दिन नशे की हालत में घर पहुंचता और परिजनों के साथ मारपीट व गाली-गलौज करता था।

18 फरवरी की रात भी विट्ठल भारी नशे में घर पहुंचा और झगड़ा शुरू कर दिया। रोज-रोज के क्लेश से तंग आकर उसकी पत्नी नीमा, नाबालिग बेटे और गांव के तीन अन्य रिश्तेदारों ने मिलकर उसे खत्म करने का फैसला किया। उन्होंने रुमाल से गला घोंटकर विट्ठल की हत्या कर दी।

साक्ष्य मिटाने के लिए रची साजिश

हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने इसे दुर्घटना या आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। रात के अंधेरे में शव को एक लकड़ी की सीढ़ी पर बांधा गया। आरोपी पैदल ही शव को गांव से दूर ले गए। सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को सुंदनपुर पुल के पास बहते पानी के नाले में फेंक दिया गया।

हैरानी की बात यह है कि हत्या के बाद पत्नी नीमा करीब 10 दिनों तक विट्ठल के लापता होने का नाटक करती रही। मामले को दबाने के लिए उसने 26 फरवरी को खुद थाने जाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। उसी दिन नाले से विट्ठल का शव बरामद हुआ।

परिजनों ने आनन-फानन में अंतिम संस्कार भी कर दिया, लेकिन मृतक के भाई और ग्रामीणों को कुछ संदिग्ध लगा, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गहराई से जांच शुरू की।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और संदिग्धों से कड़ाई से पूछताछ की, जिसके बाद सच सामने आ गया। पुलिस ने इस मामले में निम्नलिखित कार्रवाई की है।

नगर निगम ने 8 जोनों के कर्मचारियों को चार्जशीट

सफाई में कोताही बरतने पर लिया एक्शन

जयपुर, 4 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम जयपुर ने सख्त रुख अपनाया है। आयुक्त गौरव सैनी के निर्देश पर विभिन्न जोनों में लापरवाही बरतने वाले 25 से अधिक सफाई कार्मिकों एवं कार्यवाहक स्वास्थ्य निरीक्षकों के विरुद्ध 17 सीसीए के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए चार्जशीट जारी की गई है। आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि कोई भी कर्मचारी अपने दायित्वों की अनदेखी करता है या शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी जोन अधिकारियों को नियमित निरीक्षण, क्षेत्रवार मॉनिटरिंग और समयबद्ध शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम जयपुर के आयुक्त ने सोमवार देर रात करीब चार घंटे तक विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। रात्रिकालीन सफाई, मैकेनाइज्ड स्वीपिंग, अतिक्रमण और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति का मौके पर जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। आयुक्त ने निरीक्षण की शुरुआत टोंक रोड से की। इसके बाद स्टैच्यू सर्कल, अंबेडकर सर्कल, रामबाग सर्कल और सवाई मानसिंह अस्पताल क्षेत्र का निरीक्षण किया।

तेलंगाना: बीसी जनगणना विवाद

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग ने आगामी केंद्रीय जनगणना को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

आयोग ने चेतावनी दी है कि यदि आवश्यक सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो राज्य में पिछड़ा वर्ग (बीसी) की जनसंख्या आंकड़े कम दर्ज हो सकते हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार, तेलंगाना में हाउस लिस्टिंग 11 मई से 9 जून 2026 तक और जनसंख्या गणना 9 से 28 फरवरी 2027 तक होगी। आयोग ने बताया कि राज्य में कुल 130 जातियों को पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्यता प्राप्त है, जबकि केंद्र सरकार की ओबीसी सूची में केवल 90 जातियाँ शामिल हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या- सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/44, 45, 46, 47 & 48/पीए/ओटी/2025-26, दि.03-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि. 24-03-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.1, ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/44/पीए/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. ई-एम-एससी-44-ओटी-2025-26, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग-बिदर रेलवे स्टेशन पर रोड नं.1 & रोड नं.3 हेतु बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक का प्रावधान तथा तुरंत सिंचाई व्यवस्थाएं-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु. 1,99,30,111.00, अग्र धनः रु. 2,49,700.00, सीटीएफः रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

क्रम सं.2, ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/45/पीए/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. ई-एम-एससी-45-ओटी-2025-26, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- पीआरएलआय पर लूप लाइन-1 हेतु बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक का प्रावधान तथा तुरंत सिंचाई व्यवस्थाएं-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु. 1,99,30,111.00, अग्र धनः रु. 2,49,700.00, सीटीएफः रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

क्रम सं.3, ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/46/पीए/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. ई-एम-एससी-46-ओटी-2025-26, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- सिरपुर कागजनगर-- सिरपुर कागजनगर रेलवे स्टेशन पर रोड नं. 5 हेतु बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक का प्रावधान तथा रोड नं. 5 & 6 के बीच तुरंत सिंचाई व्यवस्थाएं-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु.2,04,67,936.00, अग्र धनः रु.2,52,300.00, सीटीएफः रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

क्रम सं.4, ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/47/पीए/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. ई-एम-एससी-47-ओटी-2025-26, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- केआरएमआर पर लूप लाइन-1 हेतु बाल्लास्ट लेस्स ट्रैक का प्रावधान तथा तुरंत सिंचाई व्यवस्थाएं-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु.1,99,15,243.00, अग्र धनः रु.2,49,600.00, सीटीएफः रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

आईआरईपीएस **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है तथा जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है।

इस निविदा सूचना को, एसआर.डीईई (रखरखाव), सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद कार्यालय स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव) /सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. एन/इ.29/ टीआरडी /टेंडर/ 23/ 2025-26 दि.27-02-2026

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-एन/इ.29/टीआरडी/टेंडर/23/2025-26 दि.27-02-2026, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः नांदेड डिवीजन के अमृत स्टेशनों (एडीबी, केएनवीटी, एचइएम, एचएनएल, डब्ल्यूएचएम, बीओकेआर) पर 25केवीए एटी सप्लाई का प्रावधान-टीआरडी पोर्शन। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, अनुमानित मूल्य रु.2475224.40, बोली सुरक्षा रु.49,500.00

बंद करने की तिथि- एन/इ.29/ टीआरडी/ टेंडर/23/2025-26

23-03-2026 के 11.00 बजे

टिप्पणीः विस्तृत शर्तों हेतु हमारा वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/नांदेड

नं.-जी/इ.29/टीआर/टेंडर्स/2025-26, दि.3-3-2026

निविदा सूचना सं.-जी/इ.29/टीआर/टेंडर नोटिस/58/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल- टीआरडी-29-ईटीएन-90-2025-26 कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः रेणीगुन्टा (आरयु) सेक्शन —गूटी (जीवाय) में जक्कलचेरुवु (जेकेओ) स्टेशन पर कामन लूप फैसिलीटीज से अप लूप लाइन हेतु क्रासओवर्स के प्रावधान के स्थान पर ओएचइ परिवर्तन या माडिफिकेशन्स। अनुमानित मूल्य रु.73,25,660.50, अग्रधन रु.1,46,500.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 25-03-2026 के 15.00 बजे

नोटः 1. निविदाकार निविदा दस्तावेज को मुफ्त में **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डींग व अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व राजदूत एचके दुआ का 88 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 4 मार्च (एजेंसियां)। वरिष्ठ पत्रकार एचके दुआ का बुधवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उन्होंने आज दोपहर एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। दुआ पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और तीन सप्ताह पहले उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

एचके दुआ का अंतिम संस्कार गुरुवार को लोधी रोड श्मशान घाट पर होगा। उनके परिवार में पत्नी अदिति और बेटा प्रशांत हैं। दुआ को संपादकीय स्वतंत्रता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। वह राज्यसभा (2009-2015) के मनोनीत सदस्य भी थे, जहां उन्होंने विदेशी मामलों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अपने शानदार करियर में दुआ ने 'हिंदुस्तान टाइम्स' (1987-94) के संपादक, 'द इंडियन एक्सप्रेस' (1994-96) और 'द ट्रिब्यून' (2003-09) के प्रधान संपादक और 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' (1997-98) के

संपादकीय सलाहकार के रूप में कार्य किया।

दुआ का जन्म एक जुलाई, 1937 को हुआ था। वह दो प्रधानमंत्रियों-अटल बिहारी वाजपेयी और एच डी देवगौड़ा- के मीडिया सलाहकार भी रहे। उन्होंने डेनमार्क (2001-2003) में भारत के राजदूत के रूप में भी कार्य किया।

दुआ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य थे। वह कई प्रमुख संसदीय समितियों का भी हिस्सा थे, जिनमें विदेश मामलों की स्थायी समिति और गृह मंत्रालय की सलाहकार समिति शामिल थी।

पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित होने के साथ दुआ को पंजाब विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा डी.लिट (मानद) से भी सम्मानित किया गया था। नेताओं और मीडिया जगत के कई लोगों ने दुआ के निधन पर शोक व्यक्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रतिष्ठित पत्रकार, राजनयिक और पद्म भूषण से सम्मानित एचके दुआ के निधन पर मेरी गहरी संवेदना है। उनकी ईमानदारी, संपादकीय स्वतंत्रता और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता ने सार्वजनिक विमर्श को समृद्ध किया।'

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि दुआ ने अटूट सत्यनिष्ठा, और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ संपादकीय स्वतंत्रता को बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार और प्रमुख अखबारों में एक संपादक के रूप में उनका योगदान एक स्थायी विरासत छोड़ गया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि पत्रकार जगत का एक दिग्गज हमें छोड़कर चला गया।

फंसे तेलुगु नागरिकों के लिए समर्थन का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने बुधवार को मध्य पूर्व के कुछ देशों में फंसे तेलुगु नागरिकों के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को केंद्र और विदेशों में भारतीय मिशनों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया है ताकि तेलंगाना के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। राज्य सरकार विदेशों में काम करने वाले या रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में वरिष्ठ प्रतिनिधि विदेश मंत्रालय और संबंधित भारतीय दूतावासों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। एक समन्वय तंत्र सक्रिय किया गया है ताकि आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके।

संभावित नागरिकों और उनके परिवारों की सहायता के लिए, तेलंगाना भवन, नई दिल्ली में 24÷7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। हेल्पलाइन फंसे हुए नागरिकों और उनके परिवारों के लिए प्राथमिक संपर्क बिंदु होगी।

न्यूजीलैंड दूसरी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में

फिन एलन ने सबसे तेज शतक लगाया, साउथ अफ्रीका फिर चोकर्स साबित

कोलकाता, 4 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने बुधवार को पहले सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराया।

कीवी टीम पहली बार 2021 के फाइनल में पहुंची थी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कीवियों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। साउथ अफ्रीका ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 170 रन का टारगेट 12.5 ओवर में एक विकेट पर चेज कर लिया। फिन एलन ने 33 बॉल पर 100 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया।

संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर बडेर में रंगारंग गैर नृत्य व होली ढूंढ उत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हैदराबाद 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी स्थित श्री आई माताजी मंदिर बडेर में आयोजित रंगारंग गैर नृत्य व होली ढूंढ उत्सव पारंपरिक रूप से मनाया गया।

मंदिर के अध्यक्ष प्रभुराम हाम्बड और सचिव पिताराम चौयल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार होलिका रोपण के साथ ही उत्सव का शुभारंभ हुआ, जिसमें प्रतिदिन रात्रि को रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे गैरियों ने चंग की थाप और घुंघरुओं की खनकार पर गैर नृत्य प्रस्तुत किया। महिला मंडल अध्यक्ष संतोष परिहारिया और सचिव लीला परिहार के नेतृत्व में महिलाओं ने फाल्गुनी लूर पर उत्साहपूर्वक नृत्य किया। बुधवार 4 मार्च की सुबह नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए विशेष 'ढूंढ' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अवसर पर संचार मंत्री रतनलाल काग ने सभी महिला गैरियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर रंग-बिरंगे छाते भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही ढूंढ में शामिल सभी नन्हे-मुन्ने बच्चों को समाज के पदाधिकारियों द्वारा मोटरसाइकिल (खिलौना) और गैरियों को पुरस्कार स्वरूप प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया | इस अवसर पर उपस्थित सभी समाज बंधुओं, सदस्य रुगाराम परिहारिया और घिसाराम काग, रमेश काग नरसापुर साथ में नवयुवक मण्डल अध्यक्ष सुरेश परिहारिया, सचिव थानाराम राठौड़, गैर कप्तान चेनाराम काग, उपकप्तान गेनाराम बर्फा एंव सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

श्री आईमाता जी बडेर में मनाया गया होली महोत्सव

हैदराबाद 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता जी बडेर में मंगलवार को सुबह 8:15 बजे से पुजा - अर्चनाकर बाल गोपालों की ढुंढो का कार्यक्रम शुरू किया गया। होली फूलों से खेली गई है चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम गैरों द्वारा आयोजित किया गया। शाम 7.15 बजे से रात्रि 10.30 बजे पांच गैरों द्वारा गैर नृत्य कार्यक्रम किया गया। सभी गैरों को इनाम दिया,सभी गैर राजस्थानी वेशभूषा में सपरिवार पधारकर ढूंढो उत्सव व भोजन प्रसादी का लाभ लिया । जीडिमेटला गैर मंडली , कुतबुल्लापुरम गैर मंडली के द्वार ढुंढ की गई । संरक्षक मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मगलराम पंवार ,कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, समस्त कार्यकारणी सदस्यगण व समाज बंधु उपस्थित होकर होली महोत्सव कार्यक्रम सफल बनाया।

टीजीएसआरटीसी में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर तेलंगाना राज्य रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (टीजीएसआरटीसी) के तहत राज्यभर के सभी डिपो, वर्कशॉप और उत्पादन यूनिटों में सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह आयोजन 1 मार्च से 7 मार्च तक चलेगा। बुधवार को सभी यूनिटों में सुरक्षा दिवस मनाया गया और कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों और सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर टीजीएसआरटीसी के वीसी एवं एमडी, वाई. नागिरेड्डी, ने कहा कि कॉर्पोरेशन में प्रत्येक कर्मचारी और पर्यवेक्षक की प्राथमिक जिम्मेदारी सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि बस डिपो, वर्कशॉप और बॉडी बिल्डिंग यूनिट में भारी मशीनरी, वेल्डिंग उपकरण और ईंधन संचालन जैसी जटिल गतिविधियों के दौरान कर्मचारियों को अत्यधिक सतर्क रहना चाहिए। नागिरेड्डी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 4 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया जाता है और इस वर्ष सात दिन तक चलने वाले सुरक्षा सप्ताह के दौरान सभी गाड़ियों की देखभाल, कार्यशालाओं में सुरक्षा प्रोटोकॉल और कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षित कार्य वातावरण न केवल कर्मचारियों के जीवन की रक्षा करता है, बल्कि संस्थान की प्रतिष्ठा को भी बढ़ाता है। कार्यक्रम में सीएच वेणकन्ना, ईडी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और सुरक्षा प्रतिज्ञा ली।

सिकंदराबाद मिलिट्री स्टेशन में बहु-एजेंसी सुरक्षा संवाद का आयोजन

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यालय तेलंगाना एवं आंध्र सब एरिया (टीएएसए) के तत्वावधान में सिकंदराबाद मिलिट्री स्टेशन में बहु-एजेंसी सुरक्षा संवाद पूर्व टीएएसए शक्ति का सफल आयोजन किया गया। यह संवाद सैन्य नागरिक समन्वय पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल और सहयोग को सुदृढ़ करना है। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, तेलंगाना राज्य पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल , केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल , राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड , भारतीय रेल, रेलवे सुरक्षा बल , सरकारी रेलवे पुलिस तथा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के नागरिक प्रशासन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बहु-एजेंसी सुरक्षा संवाद का मुख्य उद्देश्य उभरती सुरक्षा चुनौतियों तथा आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में बदलते रुझानों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था।

कार्यक्रम ने सभी हितधारकों को अपने अनुभव, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने का मंच प्रदान किया। इस अवसर पर मेजर जनरल अजय मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना एवं आंध्र सब एरिया ने अंतर-एजेंसी सहयोग के महत्व पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक सुरक्षा खतरों की जटिलताओं से निपटने के लिए सभी संबंधित पक्षों की एकजुट और समन्वित प्रतिक्रिया आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह संवाद उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूर्व टीएएसए शक्ति का सफल आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग और समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

मंत्री की बेटी ने विधानसभा चुनाव में उतरने का ऐलान किया

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता पटेल ने बुधवार को आगामी विधानसभा चुनाव में भाग लेने की अपनी योजना की घोषणा की।

सुष्मिता ने स्पष्ट किया कि वह परकाला विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी, जिससे परकाला क्षेत्र की राजनीतिक गतिविधियों में नई दिलचस्पी पैदा हो गई है।वारंगल जिले के कोम्मला जातरा के दौरे के दौरान सुष्मिता ने कहा कि उनके माता-पिता की राजनीतिक यात्रा यहीं से शुरू हुई थी और अब वह भी यहीं से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करेंगी। उन्होंने कहा, 'कोण्डा मुरली लोगों के दिलों में विशेष स्थान रखते हैं। मैं परकाला आकर आपके समस्याओं को समझने और हल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ। मैं हर कार्यक्रम में शामिल होकर जनता की सेवा करूंगी।' सुष्मिता ने आगे कहा, ''मैं तेलंगाना की राजनीति में प्रवेश कर रही हूँ। मैं निश्चित रूप से आगामी चुनाव में भाग लूंगी और परकाला के मतदाताओं की सेवा करने के लिए तैयार हूँ। मुझे अपने चुनाव जीतने की क्षमता पर पूरा भरोसा है। हालांकि, मेरे पिता ने मुझे उत्साह को संयमित रखने की सलाह दी, इसलिए मैं संयमित अंदाज में बोल रही हूँ; अन्यथा मेरा प्रचार और अधिक जोशपूर्ण होता।'' इस घोषणा के साथ ही परकाला क्षेत्र में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है।

हुजूरनगर आवास परियोजना का उद्घाटन 14 मार्च को : मंत्री उत्तम

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के नीतिज्ञ और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को हुजूरनगर में गरीब और वंचित वर्ग के लिए बन रही आवास परियोजना का निरीक्षण किया और बताया कि इसका उद्घाटन 14 मार्च को किया जाएगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है। 110 एकड़ में बने इस हाउसिंग कॉलोनी में 2,160 परिवारों के लिए सिंगल रूम फ्लैट उपलब्ध होंगे। परियोजना 125 करोड़ रुपये की है (भूमि अधिग्रहण लागत अलग) और सभी कानूनी एवं नियामक नियमों का पालन करती है। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि यह परियोजना उनके आवास मंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन 2014 में बीआरएस सरकार आने के बाद इसे उपेक्षा का सामना करना पड़ा। 2023 में कांग्रेस सरकार की वापसी के बाद इसे पुनर्जीवित किया गया।

भूवैज्ञानिक अध्ययनों को सशक्त करने की आवश्यकता : एम. श्रीधर

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने मनाया स्थापना दिवस

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने अपने 176वें स्थापना दिवस का आयोजन हैदराबाद के बंडलगुड़ा-नागोल स्थित दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय में धूमधाम से किया। 4 मार्च 1851 को स्थापित यह संस्था विश्व की दूसरी सबसे पुरानी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्था है और देश के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व महानिदेशक एम. शीधर द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई।

दक्षिणी क्षेत्र के अपर महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष विजय वी. मुगल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य इकाइयों के उप महानिदेशक तथा क्षेत्रीय मिशन प्रमुखों ने समारोह की शोभा बढ़ाई। सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय भूजल बोर्ड तथा केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। आंध्र प्रदेश राज्य इकाई के उप महानिदेशक एस. एन. महापात्रो ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था के अग्रदूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान को रेखांकित किया। अपने संबोधन में विजय वी. मुगल ने भूवैज्ञानिक अध्ययनों और खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में हाल की उपलब्धियों का उल्लेख किया।

उन्होंने बढ़ती राष्ट्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण और गहराई में स्थित खनिजों के अन्वेषण में तेजी लाने पर बल दिया। मुख्य अतिथि एम. शीधर ने संस्था की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1851 में रेलवे के लिए कोयले की खोज से प्रारंभ हुई यह यात्रा आज उन्नत भूवैज्ञानिक नवाचार के अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित हो चुकी है। उन्होंने सार्वजनिक हित से जुड़े भूवैज्ञानिक अध्ययनों और समुद्री भूविज्ञान अनुसंधान को सशक्त करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित किया गया। साथ ही डॉ. विलियम किंग भूवैज्ञानिक संग्रहालय में खनिज, चट्टान, अयस्क और जीवाश्मों की प्रदर्शनी लगाई गई, ताकि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना और जिज्ञासा को बढ़ावा मिल सके। समारोह के अंत में उप महानिदेशक दीपक हाजरा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्र सेवा के 176 वर्षों के प्रतीक के रूप में 176 तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कांग्रेसी सांसद का बीजेपी पर हमला, लोकतंत्र कमजोर करने का आरोप

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी से सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने बीजेपी नेतृत्व पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी केवल योग्यता के आधार पर नहीं उभरे और बीजेपी ने लोकतांत्रिक प्रणालियों को कमज़ोर किया। उन्होंने राहुल गांधी के राजनीतिक योगदान का हवाला देते हुए बताया कि उन्होंने 2004 और 2009 में मंत्री पद से इनकार किया और प्रधानमंत्री पद के सुझाव को अनुभवहीनता के कारण ठुकराया। सांसद ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 36 प्रतिशत राष्ट्रीय वोट प्रतिशत मिला। उन्होंने कांग्रेस के नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पी.वी. नरसिंह राव और मनमोहन सिंह के योगदान को याद किया और बीजेपी की तुलना में कांग्रेस की उपलब्धियों पर सवाल उठाया। तेलंगाना राजनीति में उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कालेश्वरम परियोजना सहित पिछली बीआरएस सरकार के कथित अनियमितताओं की जांच का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में बीआरएस और बीजेपी के बीच एक समझौता नजर आया। सांसद ने हैदराबाद में विकास परियोजनाओं जैसे रीजनल रिंग रोड , मेट्रो फेज-2 विस्तार और मूसी नदी पुनर्जीवन में राजनीतिक बाधाओं का हवाला दिया। गुजरात के उदाहरण में उन्होंने कहा कि उनके मुख्यमंत्री रहते समय नरेंद्र मोदी को साबरमती नदीफ्रंट विकास में कांग्रेस नेताओं का सहयोग मिला था। उन्होंने आश्वासन दिया कि मूसी नदी का पुनर्जीवन भी हैदराबाद को बदल देगा।

एपीजेनको एमडी ने पोलावरम जलविद्युत परियोजना का निरीक्षण किया

पोलावरम , 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन (एपीजेनको) के प्रबंध निदेशक पी. पुल्ला रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पोलावरम जलविद्युत परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि इसे प्रतिष्ठित पोलावरम सिंचाई परियोजना के सिंचाई घटक के साथ ही कमिशनिंग के लिए तैयार किया जा सके। बुधवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण करते हुए, एमडी ने परियोजना एजेंसी मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड को समय-निर्धारित माइलस्टोन्स का सख्ती से पालन करने और सुनियोजित कार्य योजना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने रोजाना मॉनिटरिंग और समय-समय पर समीक्षा पर बल दिया ताकि किसी भी प्रकार की देरी न हो। एमडी ने कहा, किसी भी हाल में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परियोजना की प्रगति मैं स्वयं निगरानी रखूंगा। इस अवसर पर उच्चस्तरीय निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें एपीजेनको थर्मल और हाइडल निदेशक सुजय कुमार और अशोक कुमार रेड्डी, चीफ इंजीनियर (सिविल) रविंद्र रेड्डी, एचपीसी चीफ इंजीनियर विश्वेश्वर राव सहित

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल शेड्यूल 2 पार्ट में रिलीज होगा

बीसीसीआई 6 या 7 मार्च को बताएगा शुरुआती मुकाबलों की तारीखें

बेंगलुरु, 4 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग का शेड्यूल 2 पार्ट में रिलीज किया जाएगा। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने कन्फर्म किया कि पहले पार्ट का शेड्यूल 6 या 7 मार्च को अनाउंस होगा। सोमवार को जीसी ने ऑनलाइन मीटिंग की और 19वें सीजन के शेड्यूल को चुनाव के कारण 2 फेज में बांटने का फैसला किया।

बेंगलुरु में ही फाइनल खेला जाएगा

बेंगलुरु में होगा ओपनिंग और फाइनल मैच

कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी संतोष मेनन ने कन्फर्म किया कि बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही ओपनिंग और फाइनल मैच खेले जाएंगे। होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस बार अपने 5 होम मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी।

आईपीएल में परंपरा रही है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, क्वालिफायर-2 और फाइनल मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर रखा जाए। पिछले साल का ओपनिंग मैच 2024 की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के होमग्राउंड पर हुआ था। इसी तरह इस बार के मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

28 मार्च से शुरू हो सकता है आईपीएल

पिछले साल दिसंबर में ऑक्शन के दौरान आईपीएल कमेटी ने कहा था कि टूर्नामेंट 26 मार्च से खेला जाएगा। हालांकि, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में इस दौरान विधानसभा चुनाव भी होने हैं। बंगाल में केकेआर, तमिलनाडु में सीएसके और असम में आरआर के होम मैच होते हैं। चुनाव के कारण उन मैचों में सुरक्षा के इंतजाम करने में परेशानी होगी।

विधानसभा चुनावों को देखते हुए आईपीएल कमेटी ने फैसला किया कि टूर्नामेंट 26 की बजाय 28 या 29 मार्च से शुरू होगा। शुरुआती फेज में सीएसके, केकेआर और आरआर के होम मैच कम से कम होंगे, ताकि सुरक्षा में दिक्कत न आए। तीनों टीमें इस दौरान ज्यादा से ज्यादा अवे मैच खेलते नजर आ सकती हैं। आरआर का फर्स्ट चॉइस होमग्राउंड जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम है, इसलिए टीम सेकेंड होमग्राउंड गुवाहाटी के अपने मैच अप्रैल या मई में खेल सकती है।

31 मई को फाइनल

शेड्यूल में बदलाव की गुंजाइश के बावजूद टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को ही होगा। स्पोर्ट्स जगत में अक्सर बड़े मैच और खिताबी मुकाबले रविवार को होते हैं। 31 मई को रविवार ही है, इसलिए फाइनल की तारीख नहीं बदलेगी।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश को ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने हराया

प्राग चेस फेस्टिवल में आखिरी नंबर पर पहुंचे

19 रेटिंग पॉइंट्स भी कटे

प्राग, 4 मार्च (एजेंसियां)। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद लाइव चेस रैंकिंग में गुकेश 20वें स्थान पर पहुंच गए। वे टूर्नामेंट में आखिरी नंबर पर चल रहे हैं।

गुकेश 6 राउंड के बाद 3 गेम हारे

दिसंबर 2024 में वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद गुकेश पर लगातार दबाव बना हुआ है। प्राग में चल रहे इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन अब तक खास नहीं रहा। टूर्नामेंट में 6 राउंड के बाद वे 3 मुकाबले हार चुके हैं, जबकि बाकी 3 मैच ड्रॉ रहे। खराब प्रदर्शन के कारण उनके 19 रेटिंग पॉइंट्स भी कम हो गए।

समय कम होने के कारण तेजी से चाल चलनी पड़ी

खेले गए मुकाबले में मैच के आखिरी फेज में गुकेश से बड़ी गलती हो गई। समय कम होने के कारण उन्हें 35वीं से 40वीं चाल तक तेजी मूव करना पड़ा। 40वीं चाल पर हुई एक गलती से सिचुएशन उनके हाथ से निकल गई और अरविंद को बढ़त मिल गई। इसके बाद गुकेश ने रिजाइन कर दिया।

गुकेश ड्रॉ करा सकते थे मुकाबला

मैच के बाद अरविंद चिदंबरम ने बताया कि 37वीं चाल में 'एफ4' खेलना गुकेश के लिए भारी साबित हुआ। इस चाल से उनके नाइट (घोड़े) को ई3 और ई2 जैसी जगहों तक पहुंचने का मौका मिला। अगर उस समय गुकेश रूक (हाथी) डी2 चलते तो मुकाबला ड्रॉ की ओर जा सकता था।

गुकेश के पास समय कम था- अरविंद

अरविंद ने कहा कि इस मैच में समय ने साथ दिया। गुकेश के पास समय कम था और बोर्ड पर दो नाइट होने से स्थिति मुश्किल हो गई। अगर गुकेश के पास थोड़ा और समय होता, तो वे 40वीं चाल पर रूक d3 खेलकर मैच बचा सकते थे।

उन्होंने यह भी कहा कि यह मुकाबला दोनों खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं था, क्योंकि टूर्नामेंट में दोनों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा था।

भारतीय महिला टीम लॉरियस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट

वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का इंग्लैंड और पीएसजी से मुकाबला

मैड्रिड, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स ने इसकी घोषणा की।

यह नामांकन टीम के पहले महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप खिताब और पूरे साल के प्रदर्शन के आधार पर मिला है। स्पेन के मैड्रिड स्थित सिबेल्स पैलेस में होने वाले इस भव्य समारोह में दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ी जुटेंगे। विजेताओं का चयन लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स एकेडमी करेगी।

विमेंस टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप खिताब जीता था

टीम ने 2025 में मुंबई में खेले गए वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इसके बाद फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार खिताब जीता। ग्रुप स्टेज में लगातार तीन हार के बाद टीम ने वापसी की और तीसरी बार फाइनल में पहुंचकर ट्रॉफी अपने नाम की।

टीम इंडिया के साथ पांच टीमें रेस में

इस साल वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर कैटेगरी में भारत के साथ पांच और टीमें दौड़ में हैं। इनमें इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीम, यूरोपियन राइडर कप टीम, मैकलारेन फॉर्मूला 1 टीम, ओक्लाहोमा सिटी थंडर और पेरिस सेंट जर्मेन शामिल हैं।

इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीमः इन्होंने पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को हराकर यूरो कप का खिताब डिफेंड किया। यूरोपियन राइडर कप टीम (गोल्फ): 2012 के बाद पहली बार अमेरिका की धरती पर जीत दर्ज की। मैकलारेन मास्टरकार्ड एफ1 टीमः 10वीं बार वर्ल्ड कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप अपने नाम की।

ओक्लाहोमा सिटी थंडर : शिकागो बुल्स के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पहली बार बास्केटबॉल चैंपियनशिप जीती।

पेरिस सेंट-जर्मेन : इस फुटबॉल क्लब ने 2025 में चैंपियंस लीग सहित कुल 6 खिताब जीते।

सचिन, नीरज और ऋषभ पंत के बाद अब महिला टीम की बारी

लॉरियस अवॉर्ड में भारतीय क्रिकेट की यह तीसरी मौजूदगी है। इससे पहले सचिन तेंदुलकर को 2020 में स्पोर्टिंग मोमेंट अवॉर्ड मिला था। ऋषभ पंत को पिछले साल कमबैक ऑफ द ईयर कैटेगरी में नामांकन मिला था। नीरज चोपड़ा को 2022 में ब्रेकथ्रू ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। इसके अलावा 2019 में विनेश फोगाट को भी शॉर्टलिस्ट किया गया था।

स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर की रेस में अल्काराज और जैनिक सिनर भी रेस में

मेंस कैटेगरी के स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवॉर्ड में टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज़ और जैनिक सिनर के बीच मुकाबला है। वहीं, फुटबॉल स्टार उस्मान डेम्बेले और मोटो जीपी चैंपियन मार्क मार्केज़ भी रेस में हैं। विमेंस कैटेगरी में बार्सिलोना की फुटबॉलर ऐताना बोनमती लगातार तीसरी बार नॉमिनेट हुई हैं। उनके साथ एथलेटिक्स स्टार मेलिसा जेफरसन और स्विमिंग लीजेंड केटी लेडेकी भी दौड़ में शामिल हैं।

रांची में महेंद्र सिंह धोनी की कार का कटा चालान, लगा फाइन

रांची, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और रांची के राजकुमार कहे जाने वाले कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धोनी की कार का ट्रैफिक पुलिस ने चालान काट दिया. तेज रफ्तार कार और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के कारण 1000 का चालान काटा है. दरअसल, धोनी की सड़क पर करीब 91 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से सड़क पर दौड़ रही थी. जबकि निर्धारित गति 60 किलोमीटर प्रतिघंटा है. रांची में सड़क पर लगे कैमरे ने उनकी मर्सेडीज कार को डिटेक्ट कर लिया.

ओवर स्पीडिंग के कारण ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की वजह से महेंद्र सिंह धोनी की कार का 1000 का चालान कटा है. बताया जा रहा है कि सड़क पर वाहनों की जो तय सीमा है 60 किलोमीटर प्रति घंटा उसके ऊपर महेंद्र सिंह धोनी की गाड़ी ने उसका उलंघन किया गया. उनकी कार करीब 91 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से सड़क पर दौड़ रही थी. जिसे ओवर स्पीडिंग और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन माना गया.राजधानी रांची में सड़क पर लगे कैमरे ने उनकी मर्सेडीज कार को डिटेक्ट किया, जिसके बाद 1000 का ई- चालान काटा गया है.

ट्रैफिक पुलिस झारखंड की ओर से जारी चलन में दर्शाया गया है कि 1 मार्च 2026 को महेंद्र सिंह धोनी की मर्सिडीज कार जो रांची के कांके रिंग रोड से गुजर रही थी, उस दौरान कार की गति लगभग 91 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सड़क पर दौड़ रही थी.यह मोटरयान अधिनियम 1988 का उल्लंघन है, जिसकी वजह से नॉर्मल पेनालिटी के रूप में 1000 का चालान काटा गया है.

राज्य आवास बोर्ड ने भी थमाया था नोटिस

वहीं, कुछ दिन पूर्व ही झारखंड राज्य आवास बोर्ड के द्वारा भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को एक नोटिस जारी किया था. यह नोटिस रांची के हरमू इलाके में स्थित उनके आवास के लिए आवंटित जमीन के कथित कॉमर्शियल इस्तेमाल को लेकर भेजा गया है. बोर्ड का कहना है कि यह प्लॉट केवल रहने के उद्देश्य से आवंटित किया गया था, लेकिन यहां नियमों के खिलाफ बिजनेस एक्टिविटी चल रही हैं.

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में लक्ष्य ने डिफेंडिंग चैंपियन को हराया

बर्मिंघम, 4 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने बर्मिंघम में चल रही ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उलटफेर किया। उन्होंने डिफेंडिंग चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की को तीन गेम में हरा दिया। बर्मिंघम में खेले गए इस मैच में लक्ष्य ने 23-21, 19-21, 21-17 से जीत दर्ज की। यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर इवेंट में यूकी के खिलाफ लक्ष्य की पहली जीत है। इससे पहले वह 2023 एशियाई खेलों की टीम स्पर्धा में उन्हें हरा चुके हैं। वहीं, मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने मलेशिया के हू पांग रॉन और चेंग सु यिन को 21-17, 21-19 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

पहला गेम 20-20 की बराबरी के बाद जीता

पहले गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 11-7 की बढ़त बना ली। एक समय स्कोर 17-12 था, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 20-20 कर दिया। लक्ष्य ने अपना धैर्य नहीं खोया और पांचवें गेम पॉइंट पर क्रॉस कोर्ट स्मैश लगाकर पहला गेम 23-21 से अपने नाम किया।

दूसरा गेम जीत कर चीनी खिलाड़ी ने वापसी की

दूसरे गेम में शी ने वापसी की। लंबे रैलियों वाले इस गेम में लक्ष्य एक समय 13-19 से पीछे थे। उन्होंने 18-19 तक वापसी की, लेकिन शी ने 21-19 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

तीसरे और निर्णायक गेम में जीत दर्ज कर मैच जीता

तीसरे गेम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। 6-6 के बाद लक्ष्य ने 11-9 की बढ़त बनाई। इसके बाद उन्होंने बढ़त 16-11 और फिर 18-14 तक पहुंचाई। आखिर में चार मैच पॉइंट मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच अपने नाम कर लिया।

मालविका बंसोड़ को मिली हार, मिक्स्ड डबल्स में जीत

टूर्नामेंट के अन्य मुकाबलों में भारत के लिए मिली-जुली खबरें रहीं। महिला सिंगल्स में मालविका बंसोड़ को चीन की चेन यू फेई के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 11-21, 6-21 से हार का सामना करना पड़ा।

6 मैचों में बनाए सिर्फ 80 रन, फिर भी अभिषेक शर्मा से डर रही इंग्लैंड टीम, सैम करन का बड़ा बयान

मुंबई, 4 मार्च (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड की टीमों का आमना-सामना होगा. इस मुकाबले से पहले इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन ने एक बड़ा बयान दिया है, जो काफी सुर्खियों में है. ऑलराउंडर सैम करन ने सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को लेकर सतर्कता जताई है. मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में गुरुवार रात को होने वाला यह हाई-वोल्टेज मैच दोनों टीमों के लिए फाइनल में पहुंचने का बड़ा मौका है. करन ने कहा कि वह अभिषेक के खतरे से अच्छी तरह वाकिफ हैं और उम्मीद करते हैं कि वह कोई और धमाकेदार पारी नहीं खेल पाएंगे.

दरअसल, अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच में वानखेड़े में ही 54 गेंदों में 135 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी, जिसमें 13 छक्के और 7 चौके शामिल थे. उस मैच में भारत न इंग्लैंड को 150 रनों से हराया था, जो इंग्लैंड की टी20 इतिहास की सबसे बड़ी हार थी. ऐसे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैम करन ने कहा, 'मैं उम्मीद करता हूं कि अभिषेक फिर से वैसी ही पारी नहीं खेल पाएंगे. लेकिन हम इस मैच के लिए पूरी तरह तैयार हैं और हमारा पूरा ध्यान गुरुवार की रात पर है.'

बता दें, टूर्नामेंट में अभिषेक का प्रदर्शन कुछ खास नही रहा है. उन्होंने छह पारियों में सिर्फ 80 रन बनाए हैं, जिसमें जिम्बाब्वे के खिलाफ 30 गेंदों में 55 रन की अर्धशतकीय पारी शामिल है. शुरुआती मैचों में वह तीन लगातार 0 पर आउट भी हुए हैं. इसके अलावा साउथ अफ्रीका के खिलाफ 12 गेंदों में 15 और वेस्टइंडीज के खिलाफ 11 गेंदों में 10 रन बनाए थे. इसके बावजूद इंग्लैंड के लिए वह बड़ा खतरा बने हुए हैं, क्योंकि उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी किसी भी मैच को बदल सकती है.

भारत और इंग्लैंड की टीमें लगातार तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भिड़ने वाली हैं. इससे पहले दोनों ने 1-1 बार जीत हासिल की थी. वहीं, आईसीसी के नॉक आउट मैचों में दोनों टीमों के बीच ये छठी भिड़ंत होगी. पिछले 5 मैचों में भारत 3 जीत के साथ आगे है. वहीं, टीम इंडिया इस बार अपने घर पर भी खेल रही है, ऐसे में इंग्लैंड पर दबाव ज्यादा रहने वाला है और टीम इंडिया एक बार फिर फाइनल में पहुंचने की बड़ी दावेदार है.

बस 1 विकेट और, इतिहास रचने की दहलीज पर जसप्रीत बुमराह

कपिल देव की खास लिस्ट में होंगे शामिल

खेल डेस्क, 4 मार्च (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में जसप्रीत बुमराह के पास एक बड़ा मुकाम हासिल करने का मौका होगा. भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाला यह अहम मुकाबला 5 मार्च 2026 को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा. इस हाई-वोल्टेज मैच में बुमराह के पास इंटरनेशनल क्रिकेट में 500 विकेट पूरे करने का सुनहरा मौका है. अभी तक इंटरनेशनल क्रिकेट में सिर्फ 7 भारतीय गेंदबाज ही इस उपलब्धि को हासिल कर सके हैं.

फिलहाल जसप्रीत बुमराह ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर कुल 499 विकेट अपने नाम किए हैं. इसमें टेस्ट क्रिकेट में 52 मैचों की 99 पारियों में 234 विकेट, वनडे में 89 मैचों में 149 विकेट और टी20 इंटरनेशनल में 93 मैचों में 116 विकेट शामिल हैं. उन्हें अब सिर्फ एक विकेट की दरकार है, जो इस सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ आ सकता है. अगर वो यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो भारतीय क्रिकेट के उन चुनिंदा गेंदबाजों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने इंटरनेशलन लेवल पर 500 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं. इस लिस्ट में फिलहाल अनिल कुंबले (956 विकेट), रविचंद्रन अश्विन (765), हरभजन सिंह (717), कपिल देव (687), रवींद्र जडेजा (634), जहीर खान (610) और जवागल श्रीनाथ (551) शामिल हैं. बुमराह का नाम इस लिस्ट में जुड़ना निश्चित रूप से उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि होगी, खासकर तेज गेंदबाज के तौर पर जहां ऐसी उपलब्धियां कम ही देखने को मिलती हैं.

यह सेमीफाइनल दोनों टीमों के लिए फाइनल में जगह बनाने का आखिरी पड़ाव है. भारत ने टूर्नामेंट में एक हार (साउथ अफ्रीका के खिलाफ) के बावजूद ज्यादातर मैच जीते हैं. सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर टीम ने सेमीफाइनल में एंट्री की थी. वहीं इंग्लैंड ने भी अभी तक सिर्फ 1 हार का सामना किया है मजबूत प्रदर्शन के साथ फाइनल की दावेदारी पेश कर रही है.इस बड़े मैच में टीम इंडिया को सबसे ज्यादा उम्मीदें जसप्रीत बुमराह से ही होंगी, जो भारतीय टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज हैं और बड़े मैचों में उनका प्रदर्शन हमेशा यादगार रहा है.

आकिब नबी की होगी टीम इंडिया में एंट्री?

बीसीसीआई सचिव ने दिया बड़ा बयान

मुंबई, 4 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी के एक सीजन में 60 विकेट लेकर इतिहास रच दिया. उनकी इस चमत्कारिक गेंदबाजी के दम पर जम्मू-कश्मीर ने पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. सवाल ये है कि क्या आकिब नबी अब टीम इंडिया में आने वाले हैं. इस मुद्दे पर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने इशारों ही इशारों में ये बात कह दी है कि चयनकर्ताओं ने रणजी ट्रॉफी में हर टैलेंट को परखा है और किसी से नाइंसाफी नहीं होगी.

जयदीप सैकिया ने कहा, 'आकिब नबी ने शानदार खेल दिखाया. उनके योगदान से जम्मू-कश्मीर को सफलता हासिल हुई. उन्होंने क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में कमाल प्रदर्शन किया. उनके स्पेल ने फाइनल का नतीजा ही बदल दिया. सभी ने उनके योगदान को सराहा है. बीसीसीआई ने ऐसा स्टेज बनाया है कि किसी बड़े टैलेंट के साथ नाइंसाफी नहीं होगी. रणजी ट्रॉफी फाइनल और दूसरे अहम मैचों में चयनकर्ता मौजूद थे, मुझे उम्मीद है कि उन्होंने अपनी जॉब अच्छी तरह से की है. आकिब नबी का नाम काफी ज्यादा चल रहा है और उम्मीद है कि सेलेक्टर अपना फैसला लेंगे'

सैकिया ने आगे कहा, 'हर खिलाड़ी के प्रदर्शन पर बीसीसीआई की नजर है, चयनकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं. यही वजह है कि छोटी-छोटी जगहों से खिलाड़ी निकलकर सामने आ रहे हैं और वो देश के लिए खेल रहे हैं. जब कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है, आप ईशान किशन का उदाहरण लीजिए. वो दो सालों तक लाइनलाइट से दूर रहे. उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्हें तुरंत भारतीय टीम में जगह मिली. अब देखिए कि वो कैसे टीम के लिए अच्छा योगदान कर रहे हैं.' आकिब नबी भी पिछले दो सालों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. वो दो रणजी सीजन में 100 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं, ऐसे में उन्हें जल्द टीम इंडिया में मौका मिल सकता है.

सिंगूर बांध की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सिंगूर बांध की सुरक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए स्पष्ट किया कि हैदराबाद को पेयजल उपलब्ध कराने और आसपास के क्षेत्रों की सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण इस परियोजना की सुरक्षा व पुनर्वास में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में मंत्री ने राज्य के विभिन्न बांधों की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि एनडीएसए ने सिंगूर परियोजना को लेकर सतर्कता बरतने की सलाह दी है, जिसके बाद राज्य अधिकारियों ने आवश्यक अनुवर्ती कदम शुरू कर दिए हैं। मंत्री ने संभावित जोखिमों को टालने के लिए तत्काल तकनीकी हस्तक्षेप, पानी के भीतर निरीक्षण तथा मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। सिंगूर डम(एम. बागा रेड्डी सिंगूर परियोजना), जो संगारेड्डी जिले में स्थित है, वर्ष 2025 के मध्य से जांच के दायरे में है। आकलन में तटबंध में दरारें, ढलान कटाव, रिवेटमेंट क्षति और प्लंज पूल से जुड़ी समस्याएं सामने आई थीं, जिससे निचले क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका व्यक्त की गई थी। 29.91 टीएमसी फीट की सकल क्षमता वाला यह जलाशय प्रतिवर्ष 6-7 टीएमसी फीट पानी हैदराबाद को उपलब्ध कराता है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि पूर्ण सुदृढ़ीकरण होने तक उच्च जोखिम वाली गतिविधियां रोकी जाएंगी। उन्होंने बंड स्तर से नीचे सोनार जांच और पानी के भीतर सर्वेक्षण कराने के निर्देश देते हुए 2-3 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने शीघ्र ही बांध का दौरा करने की घोषणा की तथा ठेकेदारों को एक ही सीजन में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि फसल अवकाश की स्थिति न बने। साथ ही सिंगूर नहर लाइनिंग कार्य की भी समीक्षा की गई। 13 किमी में से 9 किमी कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 4 किमी कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विवेक वेंकट स्वामी भी उपस्थित थे। मंत्री ने मुलुगु जिले की सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सिंचाई परियोजनाओं के लिए विशेष रूप से 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं तथा 2 जून तक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने अपने ओएसडी भीम प्रसाद को पालेम वागु परियोजना का निरीक्षण कर गेट और रेगुलेटर से जुड़ी लंबित समस्याओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और धनसारी अनसूया (सीतक्का) भी शामिल हुए।

औद्योगिक सुरक्षा कार्यस्थल की सफलता के लिए अनिवार्य: डॉ. जी. विवेक

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार एवं खान मंत्री डॉ. जी. विवेक ने कहा कि सुरक्षा को खर्च नहीं बल्कि निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए, क्योंकि सुरक्षित कार्यस्थल पर ही उत्पादकता बढ़ती है।

हैदराबाद के रवीन्द्र भारती में आयोजित 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उद्योगों में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के अनुरूप सुरक्षा मानकों को और सुदृढ़ किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम का आयोजन तेलंगाना सरकार, फैक्ट्री निदेशालय तथा एनएससीआई के तत्वावधान में किया गया। उन्होंने उद्योगों से 'शून्य-दुर्घटना कारखाने' बनने की दिशा में प्रयास करने का आह्वान किया और कहा कि छोटी-छोटी सावधानियां बड़े हादसों को रोक सकती हैं।

ई-वेस्ट और बायो-मेडिकल वेस्ट का सौ प्रतिशत संग्रह सुनिश्चित हो: आर.वी. कर्णन

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के आयुक्त आरवी कर्णन ने निर्देश दिए हैं कि ग्रेटर हैदराबाद में ई-वेस्ट और बायो-मेडिकल वेस्ट का सौ प्रतिशत संग्रह सुनिश्चित किया जाए। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में बायो-मेडिकल वेस्ट को नगर ठोस कचरे के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

बैठक में ई-वेस्ट रीसाइक्लर, बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट ऑपरेटर और सीएसआर साझेदार शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक सर्किल में विशेष संग्रह केंद्र स्थापित किए जाएंगे तथा वार्ड स्तर पर सप्ताहांत में विशेष अभियान चलाए जाएंगे। कंपनियों को जनभागीदारी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं लागू करने की भी सलाह दी गई। आयुक्त ने सभी हितधारकों से शहर को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

जडचेरला अस्पताल में निलंबन पर डॉक्टरों में नाराजगी

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जडचेरला एरिया अस्पताल में एक आवारा कुत्ते द्वारा कथित रूप से शव को क्षत-विक्षत किए जाने की घटना के बाद चिकित्सा कर्मचारियों के निलंबन को लेकर तेलंगाना के वरिष्ठ सरकारी डॉक्टरों में नाराजगी है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्य स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की अधीक्षक डॉ. के. चंद्रकला, ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर समेत चार कर्मचारियों को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया। तेलंगाना गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीजीडीए) के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि तेलंगाना स्टेट मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (टीजीएमएसआईडीसी) ने शवों को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं कराया। टीजीजीडीए ने निलंबित कर्मचारियों का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार व्यवस्था सुधारने के बजाय कर्मचारियों को बलि का बकरा बना रही है। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुसार डॉ. के. चंद्रकला ने 30 अप्रैल 2025 को टीजीएमएसआईडीसी के कार्यकारी अभियंता को पत्र लिखकर नए मुर्दाघर को जल्द सौंपने और तीन बॉडी फ्रीजर, एक मुर्दाघर की मेज तथा आंतरिक अंगों के लिए लॉकर जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की थी। डॉक्टरों ने कहा कि यदि अस्पताल में ताला लगने वाला दरवाजा या काम करने वाला फ्रीजर तक उपलब्ध नहीं है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित बुनियादी ढांचा विभाग की है। एसोसिएशन ने स्वास्थ्य प्रशासन में अत्यधिक केंद्रीकरण और खरीद में देरी को भी समस्या बताया।

उनका दावा है कि सरकारी अस्पतालों में जंग लगे उपकरण और पुरानी मशीनों से रोजाना काम चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अब तक अधीक्षक द्वारा लिखे गए पत्र पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आईआईटी में 6-7 मार्च को सुलभ डिजिटल पुस्तकालय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईटी हैदराबाद के पुस्तकालय के ज्ञान संसाधन केंद्र (केआरसी) द्वारा 6 और 7 मार्च को सुलभ और समावेशी डिजिटल पुस्तकालय (एआईडीएल) 2026 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम संगारेड्डी जिले के कंडी स्थित परिसर में होगा। संगोष्ठी का उद्देश्य पुस्तकालय पेशेवरों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, अभिगम्यता विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों को एक मंच पर लाना है। इसमें सहायक तकनीकों, डिजिटल अभिगम्यता, समावेशी पुस्तकालय सेवाओं और दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 2.68 करोड़ दिव्यांग व्यक्ति हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह संख्या कुल आबादी के 15 प्रतिशत से अधिक है।

तेलंगाना में धूमधाम से मनाई गई होली

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बुधवार को रंगों का त्योहार होली पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया और मिठाइयां बांटकर खुशियां साझा कीं।

हैदराबाद सहित राज्य के कई शहरों में अपार्टमेंट और आवासीय परिसरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों और युवाओं ने रंगों के साथ जमकर मस्ती की। इंदिरा पार्क वॉकर्स एसोसिएशन ने इंदिरा पार्क में होली समारोह का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, बीआरएस विधायक सी.एच. मल्ला रेड्डी समेत कई राजनीतिक नेताओं ने भी होली उत्सव में भाग लिया। बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि होली मित्रता और प्रेम का प्रतीक है। यह त्योहार समाज में एकता को मजबूत करता है और इसमें किसी प्रकार के भेदभाव की

जगह नहीं है। हैदराबाद में उत्तर भारतीय समुदायों ने होलिका दहन का आयोजन किया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, राज्य भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव और अन्य नेताओं ने भी प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं।

मासब टैंक हॉकी मैदान में देर रात पुलिस का अभ्यास, 650 जवान शामिल

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार देर रात मासब टैंक स्थित हॉकी मैदान में पुलिस ने विशेष अभ्यास किया। इस अभ्यास में करीब 650 पुलिसकर्मी शामिल हुए। इसमें गोलकोंडा क्षेत्र के विभिन्न थानों से गृह रक्षक से लेकर सहायक पुलिस आयुक्त स्तर तक के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य यह जांचना था कि अचानक कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने या किसी आपात परिस्थिति में पुलिस कितनी तेजी से निर्धारित स्थान पर पहुंच सकती है और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकती है।

अभ्यास के दौरान जवानों की जांच उनके पहुंचने के समय, आपसी तालमेल और आदेशों के पालन के आधार पर की गई। दंगा नियंत्रण के उपकरण, सार्वजनिक घोषणा व्यवस्था और अन्य आवश्यक साधनों की भी जांच की गई, ताकि वे सही स्थिति में रहें।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि किसी गंभीर घटना के समय मैदान में तैनात पुलिस बल और नियंत्रण कक्ष के बीच बेहतर समन्वय बहुत जरूरी होता है। अभ्यास में संभावित अशांति को नियंत्रित करने की स्थिति का भी अभ्यास कराया गया। पुलिस उपायुक्त चंद्र मोहन ने कहा कि जनता की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और हर समय तैयार रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास से अनुशासन, संवाद और कार्यकुशलता में सुधार होता है, जिससे आपात स्थिति में जनता को त्वरित सहायता दी जा सकती है।

आधी रात को किया गया यह अभ्यास नगर पुलिस की व्यापक योजना का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य सभी क्षेत्रों में मजबूत और त्वरित पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

खानपुर में कार कुएं में गिरी मैनेजर की मौत

निर्मल, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुर मंडल के बीरनांडी गांव के कोम्मुथंडा में मंगलवार रात एक दर्दनाक हादसे में 38 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। उनकी कार खेत के पास बने कुएं में गिर गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान भुक्या शीनिवास के रूप में हुई है। वह एक खाद बनाने वाली कंपनी में मैनेजर थे और कद्दम मंडल के नरसपुर गांव के रहने वाले थे। बताया गया है कि शीनिवास निजी काम से रंगापेट गए थे और वापस नरसपुर लौट रहे थे। गांव के बाहरी इलाके में एक मोड़ पर उनकी कार का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क किनारे बने कुएं में जा गिरा। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शीनिवास के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। परिवार के एक सदस्य की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दुबई में फंसे वित्तीय कंपनी के चार कर्मचारी, परिवार चिंतित

मंचेरियल, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच शहर की एक वित्तीय कंपनी के चार कर्मचारी दुबई में फंस गए हैं। उनके परिवार वालों ने बुधवार को उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। जानकारी के अनुसार इंडिया इंफोलिन फाइनेंस लिमिटेड के कर्मचारी चेन्नई निवासी नागराजू अपने तीन सहयोगियों के साथ कंपनी की ओर से प्रायोजित विदेश यात्रा पर चार दिन पहले दुबई गए थे। परिजनों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष और उड़ान सेवाएं रद्द होने के कारण चारों कर्मचारी दुबई में ही रुक गए हैं और वापस नहीं लौट पा रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने केंद्र और राज्य सरकार से हस्तक्षेप कर उनकी सुरक्षित भारत वापसी सुनिश्चित करने की मांग की है।

गोदावरी नदी में डूबने से दो लोगों की मौत

कोत्तागुडेम, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। होली मनाने के बाद गोदावरी नदी में स्नान करने गए दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। दोनों के शव बुधवार को बरामद किए गए। घटना मनुगुर मंडल के मल्लेपल्ली गांव के पास की है। पुलिस अधिकारियों सीआई नागबाबू और एसआई श्रवण कुमार के अनुसार, सिंगारेनी पार्क के पास 15 से अधिक युवकों ने होली मनाई थी। इसके बाद वे गोदावरी नदी में नहाने गए। भोजन के बाद घर लौटते समय पद्मगुडेम गांव निवासी सिंगारेनी कर्मचारी पद्मम प्रसाद (35) और निजी ड्राइवर गुंडी नागेश्वर राव (40) दोबारा नदी में नहाने उतरे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और लापता हो गए।

दोस्तों ने उन्हें खोजने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। रात होने पर अभियान रोक दिया गया। बुधवार को कुशल तैराकों की मदद से दोनों के शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर बरामद किए गए। मानुगुर नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनएच-65 पर चलती कार में लगी आग, यात्री सुरक्षित

संगारेड्डी, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को सदाशिवपेट मंडल के नंदिकंडी के पास एनएच-65 पर एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। जानकारी के अनुसार यात्रा के दौरान चालक ने इंजन से धुआं निकलते देखा। उसने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए कार को सड़क किनारे रोक दिया और सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया। कुछ ही देर में धुआं आग की लपटों में बदल गया और पूरी कार आग की चपेट में आ गई। दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव से तेलंगाना के परिवारों में चिंता

जगतियाल, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया में तनाव का माहौल है। इसका असर तेलंगाना के उन परिवारों पर भी पड़ रहा है, जिनके सदस्य खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। जगतियाल समेत कई जिलों में लोग अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

हवाई और मिसाइल हमलों की खबरों के बीच परिवार लगातार फोन और वीडियो कॉल के जरिए अपने रिश्तेदारों से संपर्क कर रहे हैं और उनकी कुशलक्षेम जान रहे हैं। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले शुरू होने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। बताया जा रहा है कि जवाब में खाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमले किए गए हैं।

सुरक्षा कारणों से भारत सहित कई देशों ने खाड़ी देशों के लिए उड़ान सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी हैं। हैदराबाद से अबू धाबी, कुवैत, दोहा और दुबई जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे यात्री फंस गए हैं। पर्यटन या अन्य काम से संयुक्त अरब अमीरात गए कुछ भारतीय भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं।

प्रभावित इलाकों में काम कर रहे प्रवासी मजदूर एहतियात के तौर पर घरों में रह रहे हैं। कई लोग जरूरी सामान इकट्ठा कर रहे हैं और बाहर निकलना कम कर दिया है। मिसाइल हमले में एक पाकिस्तानी नागरिक के मारे जाने की अपुष्ट खबर से परिवारों की चिंता और बढ़ गई है। प्रवासी श्रमिक अपने घरवालों को भरोसा दिलाने के लिए लगातार संदेश और वीडियो भेज रहे हैं। खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों के संगठनों ने भी सलाह जारी की है। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। तेलंगाना से लाखों लोग रोजगार के लिए खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या उत्तरी तेलंगाना के पूर्व करीमनगर, निजामाबाद और आदिलाबाद क्षेत्रों से है। ज्यादातर लोग संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में कार्यरत हैं, जबकि अन्य कुवैत, ओमान, कतर, बहरीन, मलेशिया और सिंगापुर में काम कर रहे हैं।

तीन नगरपालिकाओं में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव अटके, स्थिति अस्पष्ट

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। क्याथानापल्ली, खानपुर और इब्राहिमपटनम नगरपालिकाओं में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव अब तक नहीं हो सके हैं। राज्य के बाकी शहरी स्थानीय निकायों में यह प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन इन तीन जगहों पर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। उच्च न्यायालय ने इब्राहिमपटनम में चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए तीन सप्ताह की समय सीमा तय की है। हालांकि क्याथानापल्ली और खानपुर के मामले में अभी कोई स्पष्ट निर्णय नहीं हुआ है। राज्य में कुल 123 शहरी स्थानीय निकायों में चुनाव हुए थे। इनमें से 120 निकायों ने अपने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुन लिए हैं। शेष तीन में प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से देरी हो रही है।

सूत्रों के अनुसार जिला कलेक्टरों ने नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। अब विभाग की सिफारिशें राज्य चुनाव आयोग को भेजी जाएंगी, जिसके बाद नई तारीखें घोषित हो सकती हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि राज्य चुनाव आयोग को अभी तक कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। मंचेरियल जिले के क्याथानापल्ली में बीआरएस 22 में से 10 वार्ड जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसकी सहयोगी सीपीआई को चार सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस ने सात वार्ड जीते। बीआरएस और कांग्रेस पार्षदों के बीच विवाद के बाद चुनाव टाल दिया गया।

रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम में बीआरएस ने 24 में से 13 वार्ड जीतकर बहुमत हासिल किया, लेकिन कथित हंगामे के कारण चुनाव प्रक्रिया रोक दी गई। निर्मल जिले के खानपुर में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। यहां बीआरएस और भाजपा को चार-चार सीटें मिलीं, कांग्रेस को तीन और एक निर्दलीय उम्मीदवार को एक सीट मिली। बीआरएस ने कांग्रेस सरकार पर जानबूझकर चुनाव में देरी करने और दलबदल कराने का आरोप लगाया है। सत्ताधारी पार्टी की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार 150 ग्राम एमडीएमए जब्त

हैदराबाद, 4 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में संयुक्त अभियान चलाकर हैदराबाद पुलिस और हैदराबाद नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) की टीम ने राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र से दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 150 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टोलीचौकी निवासी यमनी नागरिक अल-अकर अब्दुरबु मोहम्मद अब्दुरबु (37) और बेंगलुरु निवासी फिलिस्तीनी नागरिक हसन डब्ल्यूए हशेम (28) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार दोनों के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट के मामले दर्ज हैं। अब्दुरबु पूर्व मामलों में फरार चल रहा था। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने एक फरार सप्लायर से ऑनलाइन संपर्क और डिजिटल भुगतान के जरिए एमडीएमए मंगवाया था। इसके बाद वे हैदराबाद और बेंगलुरु में सीधे डिलीवरी और 'डेड-ड्रॉप' तरीके से ड्रग्स की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट और विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। कार्रवाई के दौरान एक चाकू और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे मादक पदार्थों के खिलाफ सतर्क रहें और किसी भी सूचना के लिए 100 या 112 पर संपर्क करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.